दिनमान तापमान
सूर्योदय 5.37 सूर्यास्त 5.49 अधिकतम 32° न्यूनतम 23°

वर्ष 18, अंक 277 पृष्ठ 12
कोलकाता, मंगलवार, 24 मार्च 2026
चैत्र, शुक्लपक्ष, षष्ठी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

षष्ठम् कात्यायनी

चन्द्रहासोज्वलकरा शार्दूलवरवाहना.
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी..

मां दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी कहते हैं. कात्यायनी महर्षि कात्यायन की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर उनकी इच्छानुसार उनके यहां पुत्री के रूप में पैदा हुई थीं. महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की थी इसलिए ये कात्यायनी के नाम से प्रसिद्ध हुईं. मां कात्यायनी अमोद्य फलदायिनी हैं. दुर्गा पूजा के छठे दिन इनके स्वरूप की पूजा की जाती है. इस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है. योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थान है. इस चक्र में स्थित मन वाला साधक मां कात्यायनी के चरणों में अपना सब कुछ न्यौछावर कर देता है.

पश्चिम एशिया संकट : ट्रंप ने किया बड़ा एलान

ईरान में नहीं चाहते और हत्याएं, खत्म होगा पश्चिम एशिया संकट

दी चेतावनी : डील नहीं हुई, तो अमेरिका बमबारी जारी रखेगा ■ हमारी चेतावनी के बाद पीछे हटा अमेरिका : ईरान का दावा

वाशिंगटनः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अगर अगले पांच दिन ठीक रहे, तो ईरान के साथ चल रहा संकट खत्म हो सकता है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है, लेकिन ईरान ने बातचीत से इनकार किया है. साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर डील नहीं हुई, तो अमेरिका बमबारी जारी रखेगा.

इस बीच, ईरान की तरफ से बड़ा दावा किया गया है कि, दोनों पक्षों में कोई बातचीत नहीं हुई हैं. वहीं, कई ईरानी समाचार पत्रों ने कहा है कि ट्रंप ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद पीछे हट गए हैं. बता दें कि, ट्रंप की तरफ से पहले दी चेतावनी की समय सीमा मंगलवार को लगभग सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) पर समाप्त होनी थी.

लेकिन ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने इसे पांच दिन बढ़ा दिया है. ट्रंप ने कहा कि ईरान ने खुद बातचीत की पहल की है और एक सम्मानित ईरानी नेता के साथ बातचीत हुई है. उन्होंने कहा कि कल फोन पर फिर बातचीत होगी. लेकिन ईरान की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कोई आधिकारिक बातचीत नहीं चल रही है. इससे दोनों देशों के दावों में बड़ा अंतर सामने आ रहा है.

स्टीव विटकॉफ और कुशनर ने ईरान के साथ बातचीत में हिस्सा लिया. अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान के पास परमाणु हथियार हों. दोनों देश समझौता करना चाहते हैं और समझौते की इच्छा रखते हैं. हालांकि, ईरान के नए सुप्रीम लीडर से कोई बात नहीं की गयी. अगर समझौता होता है तो इस्राइल इससे खुश होगा. खबर है कि बी-2 बमवर्षकों से हमला नहीं किया होता, तो ईरान परमाणु हथियार बना सकता था. अमेरिका और ईरान के बीच अब तक करीब 15 बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है. ईरान में नेतृत्व परिवर्तन (रेजीम चेंज) की संभावना पर भी विचार हो रहा है.

कांग्रेस नेता संतोष पाठक भाजपा में शामिल

कांग्रेस तृणमूल को नहीं हटा पाएगी,' इसीलिए लिया फैसला : पाठक

कोलकाताः लंबे समय से कांग्रेस के नेता रहे संतोष पाठक चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए. संतोष पाठक सोमवार की शाम न्यूटाउन में भाजपा ऑफिस पहुंचे. उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य के हाथ से भाजपा का झंडा लिया. इस अवसर पर लाकेट चटर्जी, भाजपा के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय व त्रिपुरा के पूर्व सीएम विप्लजव कुमार देव भी मंच पर थे. भाजपा के सूत्रों के मुताबिक, उनका नाम भाजपा उम्मीदवारों की अगली लिस्ट में आ सकता है. अभी भी 39 उम्मीदवारों की सूची आनी बाकी है. संतोष पाठक के भाजपा में शामिल होने से कोलकाता क्षेत्र में भाजपा का जनाधार और बढ़ेगा.

संतोष पाठक अभी कोलकाता नगर पालिका के वार्ड नंबर 45 के पार्षद हैं. संतोष लगभग 22 साल से कांग्रेस के

टिकट पर जीत रहे हैं. भाजपा में शामिल होने के बाद संतोष ने कहा कि 'मैंने आठ बार चुनाव लड़ा है. लेकिन कांग्रेस इस राज्य में तृणमूल को नहीं हटा पाएगी.' इसीलिए मैं भाजपा में शामिल हुआ.'दूसरी तरफ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा, 'वह कई सालों तक कांग्रेस पार्षद रहे. वह पार्टी बदलने की राजनीति नहीं करते. वह कई मुश्किल हालात में कांग्रेस में थे. ह

ालांकि, मौजूदा हालात ने उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर दिया है. भाजपा सूत्रों के मुताबिक, संतोष पाठक को कोलकाता की किसी भी सीट से मैदान में उतारा जा सकता है.

कबीर-ओवैसी गठबंधन पर बिफरीं तृणमूल व कांग्रेस, कहा

धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका लिया

कोलकाताः हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन का एलान किया है. हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस से विधायक रहे हैं, लेकिन बीती साल टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, जिसके बाद हुमायू कबीर ने नई पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी बनाने का फैसला किया.

इस फैसले पर विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. विपक्ष का कहना है कि इस तरह के गठजोड़ से वोटों का बंटवारा हो सकता है और 'धर्मनिरपेक्ष दलों' को नुकसान पहुंचेगा. बंगाल की 294 सीटों पर दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी. टीएमसी सांसद सौगत ने इस गठबंधन को नकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे मुस्लिम मतदाता अलग-थलग पड़ सकते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी की पार्टी असल में भाजपा की मदद कर रही है. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा. वहीं, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि 'कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका ले रखा है. कांग्रेस के ही सांसद उज्जवल रमन सिंह ने कहा कि गठबंधन बनाना राजनीतिक फैसला है, लेकिन प्राथमिकता सांप्रदायिक ताकतों को हराना होनी चाहिए.

हुमांयू कबीर ने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है. हुमायूं कबीर 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान भी कर चुके हैं. हुमायूं खुद रेजीनगर के अलावा नौवाला सीट से लड़ेंगे.इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि ओवैसी को बंगाल में कितनी सीटें मिलेंगी. पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं. ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं. ये जिले मुस्लिम बहुल हैं, जहां मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है. इन सीटों पर हुमायूं कबीर और ओवैसी का गठबंधन ठीक-ठाक वोट पा सकता है, जिससे टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों को नुकसान हो सकता है. हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं. जिसके लिए उन्हें करोड़ों रुपये का चंदा मिलने की बात कही जा रही है.

अफसरों के तबादले : हाई कोर्ट में चुनाव आयोग ने कहा

निष्पक्ष चुनाव के लिए तबादले जरूरी

कहा : हर फैसले के पीछे होती हैं कई वजहें ■ जनहित याचिका की वैधता पर उठाये सवाल

कोलकाताः बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. इस मुद्दे पर सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां एक ओर राज्य पक्ष और याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग के फैसलों पर सवाल उठाए, वहीं आयोग ने अपने कदमों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी बताया.

मामले की अगली सुनवाई बुधवार को मुख्य न्यायाधीश की पीठ में होगी. इस मामले की गरमागरम सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों का हटाया जाना अनिवार्य था और आयोग के हर निर्णय के पीछे ठोस कारण मौजूद हैं. मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है.अदालत में आयोग के वकील ने तर्क दिया कि एक संवैधानिक संस्था के रूप में चुनाव संपन्न कराने के लिए उनके पास आवश्यक शक्तियां हैं. उन्होंने कहा कि हम यह नहीं कह रहे कि आयोग के पास असीमित शक्तियां हैं, लेकिन व्यवस्था के संचालन के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं. पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं और हर राज्य की स्थिति अलग होती है. हमने केवल बंगाल ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी जरूरत के अनुसार अधिकारियों को बदला है. आयोग ने यह भी बताया कि अन्य राज्यों से

चुनाव ड्यूटी के लिए बुलाए गए अधिकारियों की सूची भी अदालत को सौंपी जा रही है.राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे तृणमूल नेता व वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने आयोग की कार्रवाई पर कड़े सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद रातारात 63 पुलिस अधिकारियों और 16 आइएएस अधिकारियों को हटा दिया गया. बनर्जी ने सवाल किया कि मुख्य सचिव और पंचायत सचिव जैसे अधिकारियों का चुनाव से क्या सीधा संबंध है? कोलकाता पुलिस कमिश्नर सुप्रतिम सरकार, जिन्होंने महज एक महीने पहले कार्यभार संभाला था, उन्हें हटाने का क्या आधार है? उन्होंने चिंता जताई कि यदि राज्य में कोई आपदा आती है, तो बिना अनुभवी अधिकारियों के उसे कौन संभालेगा.सुनवाई के दौरान आयोग ने याचिकाकर्ता की मंशा पर भी उंगली उठाई. आयोग का तर्क था कि एक सरकारी वकील द्वारा सरकार के पक्ष में जनहित याचिका दाखिल करना कानूनन उचित नहीं है. राज्य के महाधिवक्ता किशोर दत्त ने भी आयोग के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची तैयार करने जैसे कार्यों में आयोग की शक्तियों को सीमित किया है, ऐसे में क्या आयोग उन अधिकारियों को हटा सकता है जो सीधे तौर पर चुनाव कार्य से नहींजुड़े हैं? फिलहाल, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया है. आगामी बुधवार को दोपहर में इस मामले पर पुनः सुनवाई होगी, जिससे राज्य की प्रशासनिक मशीनरी में मची इस हलचल पर स्थिति साफ होने की उम्मीद है.

भ्रष्टाचार अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है; संपत्ति की वसूली जरूरी : सीबीआई, ईडी

नई दिल्लीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक वैश्विक सम्मेलन में कहा कि संपत्ति की वसूली कोई बाद की प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रवर्तन की सफलता का सबसे सटीक मापदंड है. राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इसी कार्यक्रम में सीबीआईके निदेशक ने इस बात पर बल दिया कि आज भ्रष्टाचार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है. भारत में 23 से 25 मार्च तक आयोजित हो रही ग्लोब-ई नेटवर्क की 12वीं संचालन समिति की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ईडी निदेशक ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 'अपराध की आय का पता लगाने, उसे रोकने, जब्त करने और वापस लौटाने' के एजेंसी के दायित्व का उल्लेख किया. उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संयुक्त राष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक सम्मेलन (यूएनसीएसी) में निहित आधुनिक भ्रष्टाचार विरोधी ढांचे के तहत, संपत्ति की वसूली प्रवर्तन परिणामों के लिए केंद्रीय है .

सोने में 8 हजार व चांदी में 13 हजार की गिरावट

नई दिल्लीः सोने-चांदी की कीमतों में 23 मार्च को गिरावट रही. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना सुबह 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर खुला, लेकिन शाम को 7,649 रुपए की गिरावट के साथ 1.40 लाख रुपए पर बंद हुआ.

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत सुबह 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर खुली, लेकिन शाम को 17,760 रुपए की रिकवरी के बाद 13,104 रुपए की गिरावट के साथ 2.19 पर बंद हुई. इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी.

भारत चुनौतियों को तानता नहीं, टकराता है : पीएम मोदी

युद्ध काल में भी भारत की नीति-रणनीति से कई देश हैरान

टीवी चैनल के समिट में बोले पीएम

नयी दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संघर्षों पर भारत की रणनीति बताई. पीएम मोदी ने कहा कि आज विश्व जिन गंभीर परिस्थितियों से गुजर रहा है, वे बेहद चिंताजनक हैं. आज जब दुनिया संघर्षों के कारण उलझी हुई है और इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर दिख रहा है, ऐसे में भारत और दुनिया की बात करना बहुत ही प्रासंगिक हो जाता है.

उन्होंने कहा कि 28 फरवरी से दुनिया में हलचल मची है. भारत प्रगति और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है. भारत ने अपने निर्णय और संकट से निपटने की क्षमता दिखाई है.

दुनिया इतने सारे खेमे में बंटी है. भारत ने अभूतपूर्व ब्रिज बनाए हैं. ग्लोबल साउथ से लेकर पड़ोसी देशों तक भारत सभी का विश्वासी पार्टनर है.

उन्होंने कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि हम किसके साथ हैं. उनको यही जवाब है कि हम भारत के साथ हैं. भारत के हितों के साथ हैं. शांति और संवाद के साथ हैं. उन्होंने कहा कि आज हम भारत और विश्व पर चर्चा कर रहे हैं. आज दुनिया संघर्ष के कारण उलझी हुई है. जब संघर्ष के दुष्प्रभाव पर दिख रहे हैं. भारत और विश्व की बात करना बहुत ही प्रसांगिक है. 2014 से पहले की स्थितियों को छोड़कर भारत एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है. भारत चुनौतियों को तानता नहीं है, बल्कि चुनौतियों से टकराता है.

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद चुनौतियां एक के बाद एक बढ़ती ही गई हैं., ऐसा कोई वर्ष नहीं रहा, जिसने भारत और भारतीयों की परीक्षा न ली होस लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के एकजुट प्रयास से भारत हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है. इस समय युद्ध की परिस्थितियों में भी भारत की नीति और रणनीति देखकर, भारत का सामर्थ्य देखकर दुनिया के अनेकों देश हैरान हैं.पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में जहां भी युद्ध हो रहे हैं. भारत की सीमा से दूर हैं. आज के समय में कोई भी देश युद्ध के दुष्प्रभाव से दूर रहे. ऐसा संभव नहीं है. अनेक देशों में स्थिति गंभीर हो चुकी है. राजनीति स्वार्थ से भरे कुछ दल संकट के इस संकट में भी अपने लिए राजनीतिक अवसर खोज रहे हैं.

अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन

तमिलनाडु में 27 सीटों पर लड़ेगी भाजपा

चेन्नईः तमिलनाडु में राजनीतिक तपिश अब चरम पर पहुंच गई है. भाजपा के साथ कई दौर की बातचीत के बाद मुख्य विपक्षी दल अन्ना द्रमुक ने सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर मुहर लगा दी है. चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय में अन्ना द्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि राज्य में एनडीए गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतर रहा है. इस समझौते की सबसे खास बात भाजपा का बढ़ता कद है. समझौते के तहत, बीजेपी इस बार 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. भाजपा अब उत्तर के साथ-साथ दक्षिण के किले को भी भेदने के लिए तैयार है. इस बैठक में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, पीएमके के कद्दावर नेता अंबुमणि रामदास और एएमएमके प्रमुख टीटीबी दिनाकरण मौजूद रहे.

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को फटकारा, कहा

आपके लिए विकास से ज्यादा त्योहार जरूरी

मेट्रो प्रोजेक्ट मामले पर कहा : हम बहाना नहीं देंगे ■ यह केवल अधिकारियों के हठधर्मी रवैये को दर्शाता है

नयी दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फिर एक मामले में फटकार लगाई है. ये फटकार कोलकाता में मेट्रो रेल परियोजना का राजनीतिकरण करने और उसे रोकने के लिए लगाई गई है. सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि आपने हाई कोर्ट में कहा था कि हमें त्योहारों का आयोजन करना है. उन्होंने कहा कि इसलिए हम निर्माण कार्य के लिए पुलिस सहायता नहीं दे सकते हैं. आपके लिए त्योहार विकास से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं.उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकार को यह पसंद नहीं करते कि वह हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आकर हमारी मदद करें. यह परियोजना राष्ट्रीय परिषद की घोषणा से पहले ही घोषित कर दी गई थी. हम आपको इसे विकास रोकने का एक और बहाना नहीं बनाने देंगे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें ये बिल्कुल पसंद नहीं.

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दर्ज किया कि यह केवल अधिकारियों के हठधर्मी रवैये को दर्शाता है. इसके तहत वे कोलकाता शहर में मेट्रो रेल परियोजना में देरी और उसे रोकना चाहते हैं. हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश में कोई खामी नहीं थी, हमें विश्वास है कि परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी हो जाएगी. कोर्ट ने कहा कि हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं है कि राज्य सरकार हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आइए और हमें बचाइए.उन्होंने कहा कि हर चीज का राजनीतिकरण न करें. यह विकास से जुड़ा मुद्दा है. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने यह टिप्पणी की. राज्य सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा और जरूरी सेवाओं से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने पक्ष का बचाव किया.

सरकार ने बताया कि एम्बुलेंस और अंग प्रत्यारोपण वाले वाहन अक्सर इस प्रभावित कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए उसे ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए और समय चाहिए. हालांकि, बेंच इससे संतुष्ट नहीं हुई. चीफ जस्टिस ने कहा कि राज्य के अधिकारियों की तरफ से गंभीर चूक होने के बावजूद, हाई कोर्ट ने काफी संयम दिखाया है.

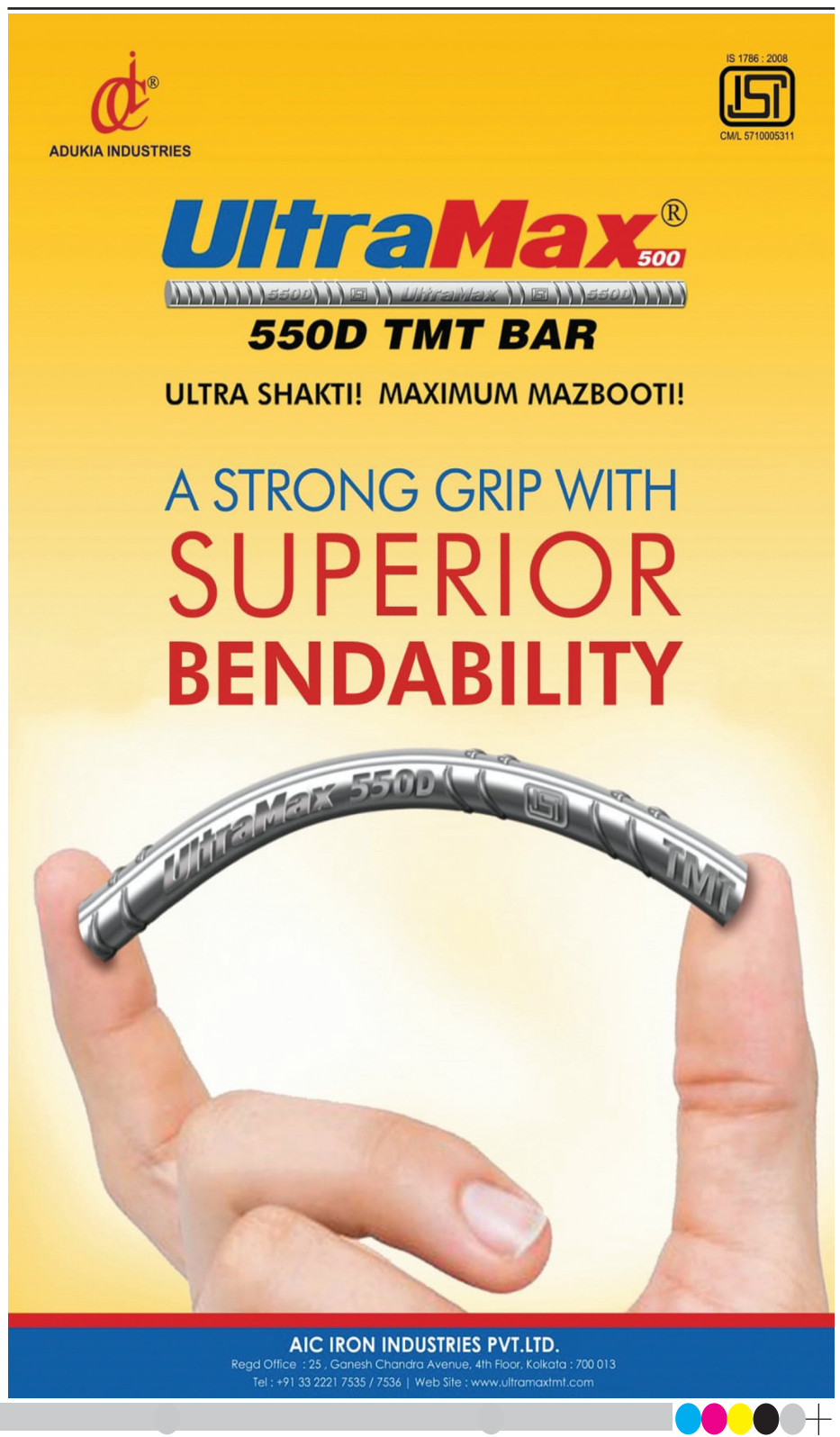

गड्ढे से युवक का शव बरामद, इलाके में सनसनी

हावड़ा : जिले के डोमजुड़ ब्लॉक के निश्रिंदा ग्राम पंचायत क्षेत्र में सोमवार को पानी से भरे गड्ढे से एक युवक का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो सकी थी.पुलिस के अनुसार, घटना देवान चक इलाके की है, जहां स्थानीय लोगों ने पानी से भरे गड्ढे में एक युवक का शव औंधे मुंह पड़ा देखा. सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई.बताया जा रहा है कि यह गड्ढा एक व्यस्त सड़क के पास स्थित है. स्थानीय लोगों ने सड़क से कुछ दूरी पर झाड़ियों के बीच जमा पानी में युवक को पड़ा देखा, यह खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना मिलने पर निश्रिंदा थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया.विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में बढ़े राजनीतिक माहौल के बीच इस घटना ने लोगों में चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है.पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवक की पहचान तथा मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है.

नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में बवाल

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी में एक नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया. यह घटना वार्ड नंबर तीन के दुर्गानगर गुरुंग बस्ती इलाके की है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नाबालिग का एक शादीशुदा युवक के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था. युवक पेशे से शिक्षक है और वही उसे पढ़ाता था. उसकी पत्नी और तीन बच्चे भी है. बताया जा रहा है कि हाल ही में नाबालिग ने युवक से शादी की बात कही, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद हुआ था.सोमवार सुबह परिवार के लोगों ने नाबालिग को घर में फंदे से लटका हुआ पाया. उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया. गुस्साए स्थानीय लोगों ने आरोपित युवक के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की. सूचना मिलने पर प्रधाननगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बल भी तैनात किया गया.घटना के बाद से आरोपी और उसका परिवार फरार बताया जा रहा है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

न्यूज़ कॉर्नर

शिवपुर: भाजपा प्रत्याशी रुद्रनील घोष का टीएमसी पर 'प्रहार'

'हावड़ा/शिवपुर : 2026 विधानसभा चुनाव के बिगुल फूँकने के साथ ही हावड़ा के शिवपुर में राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुँच गया है. सोमवार को सांतपुर इलाके में भाजपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने पहुँचे भाजपा उम्मीदवार और अभिनेता रुद्रनील घोष ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. उन्होंने 'भूमिपुत्र' (मिट्टी का लाल) कार्ड खेलते हुए विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी है.रुद्रनील घोष ने टीएमसी के निवर्तमान विधायक और बाली से लाए गए नए उम्मीदवार पर जमकर निशाना साधा. रुद्रनील ने आरोप लगाया कि निवर्तमान विधायक ने केवल 'चोरी' की और जनता का कोई काम नहीं किया, इसीलिए हार के डर से पार्टी ने इस बार उनका टिकट काट दिया है. उन्होंने टीएमसी के नए उम्मीदवार पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें बाली से यहाँ 'बोझ' बनाकर भेजा गया है. उन्होंने दावा किया कि उस प्रत्याशी ने बाली में भी कोई काम नहीं किया था और अब वहां हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ रही है.खुद को शिवपुर का घर का लड़का बताते हुए रुद्रनील घोष ने स्थानीय भावनाओं को भुनाने की कोशिश की.मैं शिवपुर की गलियों में पला-बढ़ा हूँ, यहाँ का कोना-कोना मेरा देखा हुआ है. शिवपुर की जनता किसी बाहरी व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेगी.भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया. रुद्रनील का मानना है कि शिवपुर की जनता इस बार 'भ्रष्टाचार' और 'बाहरी उम्मीदवार' के खिलाफ वोट करेगी.रुद्रनील ने साफ कर दिया कि उनकी रणनीति स्थानीय मुद्दों और व्यक्तिगत जुड़ाव पर आधारित होगी. इस बयानबाजी के बाद शिवपुर में भूमिपुत्र बनाम बाहरी का मुद्दा गरमा गया है, जिससे आने वाले दिनों में चुनावी मुकाबला और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है.

भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष की 'अभद्र टिप्पणी' पर भड़की टीएमसी

सिलीगुड़ी :सिलीगुड़ी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जंग अब व्यक्तिगत आरोपों और पलटवार तक पहुँच गई है. भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष द्वारा कथित तौर पर की गई 'अशोभनीय' टिप्पणियों के विरोध में दार्जिलिंग जिला तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन (झीशीी उेपषशीशपलश) आयोजित कर कड़ा ऐतराज जताया.सिलीगुड़ी स्थित जिला कार्यालय में आयोजित इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दार्जिलिंग जिला टीएमसी के प्रवक्ता वेदव्रत दत्त, सुप्रकाश राय और सुष्मिता बसु मैत्र उपस्थित थे. प्रवक्ता वेदव्रत दत्त ने सीधा आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष, टीएमसी उम्मीदवार और शहर के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ गौतम देव के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, जो पूरी तरह से निंदनीय है. टीएमसी नेतृत्व ने कहा, एक अनुभवी और वरिष्ठ राजनेता के खिलाफ इस तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग करना बेहद दुखद है. शिलिगुड़ी की जनता इस अपमान का जवाब आने वाले चुनाव में वोट के जरिए देगी.संवाददाता सम्मेलन के दौरान तृणमूल नेताओं ने गौतम देव के लंबे राजनीतिक करियर और शिलिगुड़ी शहर के विकास में उनके योगदान को विस्तार से रेखांकित किया. टीएमसी का दावा है कि वे नकारात्मक प्रचार के बजाय केवल विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं. नेताओं ने विश्वास जताया कि शहर की जनता विकास कार्यों को देखते हुए उनके प्रत्याशी को ही भारी मतों से विजयी बनाएगी.सिलीगुड़ी सिलीगुड़ी में शंकर घोष और गौतम देव के बीच मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है. जहाँ भाजपा आक्रामक रुख अपनाए हुए है, वहीं टीएमसी 'सम्मान और विकास' के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जा रही है. इस जुबानी जंग ने शहर के राजनीतिक तापमान को और बढ़ा दिया है.

कोल्ड स्टोरेज में आलू लोडिंग को लेकर भारी हंगामा; ताला लगा राज्य सड़क किया जाम

पश्चिम मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोणा 1 नंबर ब्लॉक अंतर्गत नेकुड़बाग इलाके में सोमवार को आलू लोडिंग को लेकर जबरदस्त तनाव फैल गया. अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए स्थानीय किसानों ने नारायणचक कोल्ड स्टोरेज के मुख्य गेट को बंद कर दिया और घाटल-आरामबाग राज्य सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया.प्रदर्शनकारी किसानों के अनुसार, सोमवार सुबह 8:00 बजे से कोल्ड स्टोरेज में आलू लोडिंग की प्रक्रिया सामान्य रूप से शुरू हुई थी. लेकिन अचानक सुबह 9:00 बजे के बाद स्थिति बिगड़ गई.गेट बंद होने के कारण आलू से लदी दर्जनों गाड़ियां बीच सड़क पर फंस गईं और लोडिंग का काम पूरी तरह ठप हो गया.किसानों ने कोल्ड स्टोरेज प्रबंधन और स्थानीय बिचौलियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं:

हम जैसे को तैसा जवाब देंगे: दिलीप घोष

पश्चिम मेदिनीपुर: चुनावी माहौल के बीच खड़गपुर टाउन थाना के सामने उस समय राजनीतिक गर्मी बढ़ गई, जब भाजपा नेता दिलीप घोष ने मंच से पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला और विवादित बयान दे डाला. आज सुबह खड़गपुर शहर के गेट बाजार मे एक जनसंपर्क कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि स्थानीय थाना के आईसी भाजपा कार्यकर्ताओं को धमका रहे हैं. उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी कथित तौर पर कार्यकर्ताओं से कह रहे हैं कि वे तृणमूल कांग्रेस के साथ काम करें, नहीं तो उन्हें गोली मार दी जाएगी. इसी मुद्दे पर आक्रामक होते हुए दिलीप घोष ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया और पुलिस अधिकारी को खुली चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि

वे किसी भी तरह की धमकी से डरने वाले नहीं हैं और पहले भी खड़गपुर में बड़े-बड़े गुंडों का सामना कर चुके हैं. अपने भाषण में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी गुंडों और माफियाओं के सहारे चुनाव जीतती रही है और अब भी ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है. दिलीप घोष ने दावा किया कि खड़गपुर की जनता ने उन्हें पहले भी इसलिए समर्थन दिया था क्योंकि उन्होंने इलाके में आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की थी. उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में भी वे इसी तरह सख्त रुख अपनाएंगे और हिसाब बराबर करेंगे. राजनीतिक माहौल गरमाया इस बयान के बाद इलाके में राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है. हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.अब देखना होगा कि इस बयान के बाद चुनावी माहौल में क्या नया मोड़ आता है.

महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाला 'स्कूटी सवार' मनचला गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी शहर में अकेली चलने वाली महिलाओं और छात्राओं को निशाना बनाने वाले एक युवक को सिलीगुड़ी महिला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गए आरोपी की पहचान स्वर्णेंदु मंडल (27) के रूप में हुई है, जो शहर के चयानपाड़ा इलाके का निवासी है..वह अकेली जा रही महिलाओं को निशाना बनाता था और उनके पास से गुजरते समय उन्हें गलत तरीके से छूने जैसी घिनौनी हरकतें कर फरार हो जाता था.

पांडुआ में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, 25 गिरफ्तार

हुगली: हुगली जिले के पांडुआ इलाके के बैची गांव में तब तनातनी का माहौल व्याप्त हो गया जब कथित तौर पर दो गुटों के लोगों के बीच संघर्ष की घटना घटी. हिंसक अशांति के बाद से पूरे गांव में भारी तनाव फैल गया है. रिपोर्टों के अनुसार, रविवार रात बैची गांव के सिमलापाड़ा इलाके में एक गुट के कुछ लोग भक्ति गीत गा रहे थे. तभी कथित तौर पर नशे में धुत एक खास वर्ग के लोगों एक समूह अचानक वहां आ पहुंचा और उन्होंने माइक्रोफोन बंद करने की मांग की. कार्यक्रम स्थल पर मौजूद एक गुट ने इस मांग का कड़ा विरोध किया, जिसके बाद दोनों गुटों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई. इसके बाद, नशे में धुत युवकों ने अचानक वहां रखी मूर्तियों में तोड़-फोड़ किया. इस घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच

इलाके में पुलिस व सीएपीएफ के जवानों की गश्त जारी

हाथापाई शुरू हो गई. दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही, पांडुआ पुलिस थाने से व्यापक संख्या पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी पहुंचे. स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठी भांजना पड़ा.इसके बाद, एक छापेमारी अभियान चलाकर, पुलिस ने दोनों पक्षों के 25 लोगों को गिरफ्तार कर लिया. जब आज उन्हें चुंचुड़ा कोर्ट में पेश किया गया, तो 10 आरोपियों को चार दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया, जबकि शेष 15 को महीने की 6 तारीख तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. इलाके में पुलिस पिकेट तैनात कर दिए गए हैं, और सीएपीएफ के जवान भी गश्त कर रहे हैं. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इलाके में स्थिति फिलहाल शांत है. इस मामले पर पांडुआ के भाजपा नेता सुब्रत दीवान ने कहा, एक खास वर्ग के लोगों पर नशे में होकर तोड़फोड़ का आरोप लगाया. भाजपा नेता के आरोप लगाया और कहा कि, पुलिस ने कुछ निर्दोष युवकों को उठा लिया है और उनके साथ बेरहमी से मारपीट की है.

ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम रैंडमाइजेशन संपन्न, 18 विधानसभा क्षेत्रों के लिए हुआ आवंटन

हुगली : पश्चिम बंगाल विधानसभा आम चुनाव-2026 के मद्देनजर हुगली जिले में ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम रैंडमाइजेशन रविवार को संपन्न हुई. सोमवार को हुगली एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, हुगली की अध्यक्षता में यह प्रक्रिया सर्व शिक्षा मीटिंग हॉल, नया प्रशासनिक भवन, जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, हुगली में भारत निर्वाचन आयोग की ईवीएम प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संपन्न की गई.रविवार को हुई इस रैंडमाइजेशन में हुगली जिले की 18 विधानसभा सीटों - उत्तरपाड़ा, श्रीरामपुर, चांपदानी, सिंगुर, चंदननगर, चुचुड़ा, बालागढ़, पांडुआ, सप्तग्राम, चंडीतला, जांगीपाड़ा, हरिपाल, धनेखाली, तारकेश्वर, पुरसुराह, आरामबाग, गोघाट और खानाकुल के लिए ईवीएम और वीवीपैट का आवंटन किया गया.यह प्रक्रिया बसपा, भाजपा, माकपा, कांग्रेस, एनपीपी, फॉरवर्ड ब्लॉक और तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई. आवंटित ईवीएम और वीवीपैट की सूची सभी मान्यता प्राप्त दलों के साथ साझा कर दी गई है. इन्हें संबंधित विधानसभा स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा.प्रतिस्पर्धी उम्मीदवारों की सूची अंतिम होने के बाद यही सूची उन्हें भी उपलब्ध कराई जाएगी.

पुलिस केस के बाद 22 भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक साथ किया सरेंडर

पूर्व मेदिनीपुर :पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच पूर्व मेदिनीपुर के महिषादल में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला. पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर (ऋखठ) के बाद, भाजपा के लगभग 27 कार्यकर्ता और समर्थक एक साथ बस किराए पर लेकर हल्दिया कोर्ट में जमानत लेने पहुंचे. इस घटना ने पूरे महिषादल इलाके में भारी चर्चा और राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है.घटना की शुरुआत 8 मार्च को हुई थी, जब महिषादल में भाजपा की ओर से एक बड़ी बाइक रैली निकाली गई थी.

पुलिस का आरोप है कि इस बाइक रैली के लिए प्रशासन से कोई लिखित अनुमति नहीं ली गई थी. रैली में लगभग 100 से अधिक कार्यकर्ता शामिल थे.ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी ने नियमों के उल्लंघन की जानकारी महिषादल थाने के ओसी (जउ) को दी. इसके आधार पर पुलिस ने करीब 27 भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की.सोमवार को इस मामले में एक दिलचस्प मोड़ आया जब इन सभी 27 कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से अदालत जाने का फैसला किया.कार्यकर्ताओं ने एक पूरी बस किराए पर ली और महिषादल से हल्दिया कोर्ट के लिए रवाना हुए.

बस भरकर कार्यकर्ताओं का कोर्ट पहुंचना इलाके में चर्चा का केंद्र बन गया है. भाजपा समर्थकों का कहना है कि वे कानून का सम्मान करते हैं,लेकिन पुलिस का यह कदम 'राजनीतिक प्रतिशोध' से प्रेरित है.

स्थानीय भाजपा नेतृत्व का कहना है कि चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को डराने के लिए झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रचार करने और रैली निकालने पर पुलिस बाधा डाल रही है.फिलहाल सभी कार्यकर्ता हल्दिया कोर्ट में अपनी जमानत की अर्जी दे चुके हैं. दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि उन्होंने केवल कानून और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई की है. इस घटना के बाद महिषादल में राजनीतिक पारा काफी चढ़ गया है.

रामनवमी पर सिलीगुड़ी में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सिलीगुड़ी : हर साल की तरह इस साल भी रामनवमी का पर्व धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाएगा. आगामी 27 मार्च को सुबह दस बजे मल्लागुड़ी हनुमान मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी.सिलीगुड़ी रामनवमी महोत्सव समिति के सचिव लक्ष्मण बंसल सहित अन्य पदाधिकारियों ने सोमवार को पत्रकार सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी. डॉ. साध्वी प्राची और समाजसेवी सुलोचना मानसिंह जाजोदिया उपस्थित रहेंगी. यह शोभायात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए हिंदी हाई स्कूल मैदान में समाप्त होगी.

मुर्शिदाबाद: चुनाव से पहले दहशत! समसेरगंज में आम के बगीचे से बाल्टी भर जिंदा बम बरामद,

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की दहलीज पर खड़े मुर्शिदाबाद जिले में बारूद का मिलना जारी है. सोमवार को जिले के समसेरगंज थाना अंतर्गत दोगाछी नोआपाड़ा पंचायत के लश्करपुर गांव में एक आम के बगीचे से बाल्टी भरकर जिंदा बम मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. इस घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आतंक व्याप्त है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह लश्करपुर गांव के पास स्थित एक आम के बगीचे में झाड़ियों के बीच एक संदिग्ध बाल्टी पड़ी मिली. ग्रामीणों ने जब करीब जाकर देखा, तो बाल्टी के अंदर बड़ी संख्या में सुतली और सॉकेट बम रखे हुए थे. स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बाल्टी के अंदर 20 से अधिक सक्रिय और शक्तिशाली बम मौजूद थे. मामले की सूचना तुरंत समसेरगंज थाने को दी गई, जिसके बाद पुलिस की एक विशाल टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी.पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर आम के बगीचे और उसके आसपास के रास्तों को सील कर दिया है और आम लोगों को वहां से सुरक्षित दूरी पर हटा दिया गया है. स्थिति को नियंत्रण में रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. बरामद बमों को निष्क्रिय करने के लिए जिला पुलिस के बम निरोधक दस्ते को सूचित कर दिया गया है.

फिलहाल पुलिस की निगरानी में बमों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया जारी है.

पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि ये देसी बम काफी शक्तिशाली हैं और इन्हें चुनाव के दौरान किसी बड़ी नाशकथा (साजिश) या अशांति फैलाने के उद्देश्य से छिपाकर रखा गया होगा. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन बमों को वहां किसने और कब रखा. हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है.

महिलाओं से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : शहर में महिलाओं से छेड़छाड़ के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार युवक का नाम शरणेंदु मंडल (27) है, जो चयनपाड़ा इलाके का निवासी है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित के अभद्र व्यवहार को लेकर लंबे समय से कई शिकायतें मिल रही थी. आरोप है कि वह स्कूटी से शहर के अलग-अलग गली और सुनसान इलाकों में घूमता था और अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर उनके साथ आपत्तिजनक तरीके से छेड़छाड़ करता था.हाल ही की घटना हाकिमपाड़ा इलाके में सामने आई, जहां एक कॉलेज छात्रा इसके शिकार हुई. इस घटना के बाद 19 तारीख को सिलीगुड़ी महिला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी. मामला सामने आने के बाद कई अन्य महिलाएं भी आगे आईं और अपने साथ हुई इसी तरह की घटनाओं की जानकारी दी.पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर आरोपित की पहचान कर ली.

बक्शीरहाट में सीमा पर सख्त निगरानी के बीच फिर नकदी बरामद

कुचबिहार : बक्शीरहाट में विधानसभा चुनाव से पहले सख्त निगरानी के बीच भारी मात्रा में नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया है.पुलिस के अनुसार, रविवार रात से सोमवार सुबह के बीच असम से बंगाल में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच के दौरान संकोश नाका चेकिंग प्वाइंट पर एक चार पहिया वाहन को रोका गया. तलाशी लेने पर वाहन में रखे एक बैग से कुल 1.99 लाख रुपये नकद बरामद किए गए है.गाड़ी में सवार व्यक्ति की पहचान असम के चिरांग जिले के निवासी टोटन भौमिक के रूप में हुई है. हालांकि, वह इस बड़ी रकम के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे सके.चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, बिना वैध कागजात के तय सीमा से अधिक नकदी ले जाना दंडनीय है. इसी कारण पुलिस ने पूरी रकम जब्त कर ली है.तुफानगंज के

एसडीपीओ मनोज कुमार ने बताया कि नियमों के तहत कार्रवाई की गई है और अंतरराज्यीय सीमा पर निगरानी और कड़ी कर दी गई है.गौरतलब है कि इसी इलाके में 24 घंटे के भीतर दूसरी बार नकदी बरामद हुई है, जिससे पुलिस प्रशासन और ज्यादा सतर्क हो गया है. जांच की जा रही है कि इस पैसे का इस्तेमाल कहीं चुनाव को प्रभावित करने के लिए तो नहीं किया जा रहा था. सीमा के सभी चेक पोस्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है.

लोरी की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

बांकुड़ा : जिले में सोमवार तड़के हुए एक सड़क हादसे में साइकिल सवार युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान श्रीराम ढ्यांग (38) के रूप में हुई है,

जो मेजिया थाना क्षेत्र के रामकृष्णपुर गांव के निवासी थे. घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया.जानकारी के अनुसार, हादसा बांकुड़ा रानीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग 60 पर गंगाजलघाटी थाना क्षेत्र के पालेरबांध मोड़ के पास हुआ. श्रीराम दुर्लभपुर स्थित एक निजी कारखाने में कार्यरत थे और ड्यूटी समाप्त कर सोमवार सुबह साइकिल से घर लौट रहे थे.

गंभीर रूप से घायल अवस्था में दुर्घटना के बाद लॉरी चालक मौके से फरार हो गया. घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया.

सिलीगुड़ी में चुनाव से पहले सुरक्षा कड़ी, केंद्रीय बलों का रूट मार्च

सिलीगुड़ी : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से सिलीगुड़ी में सोमवार को केंद्रीय बलों द्वारा रूट मार्च किया गया. इस दौरान सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर सैयद वाकर राजा और दार्जिलिंग के जिलाधिकारी (डीएम) हरीशंकर पेनिकर मौजूद रहे. उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विभिन्न थानों के आईसी और ओसी सहित केंद्रीय बलों की बड़ी टीम भी शामिल रही. रूट मार्च शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों से गुजरा, ताकि आम लोगों में सुरक्षा और भरोसे का माहौल बनाया जा सके.पुलिस कमिश्नर सैयद वाकर राजा ने बताया कि फिलहाल शहर में पांच कंपनियां केंद्रीय बल की तैनात हैं. उन्होंने कहा

कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, केंद्रीय बलों की संख्या बढ़ाई जाएगी. शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी जाएगी और करीब आठ जगहों पर नाका चेकिंग भी की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके. उन्होंने भरोसा दिलाया कि मतदाता बिना किसी डर के मतदान कर सकेंगे.वहीं, दार्जिलिंग के डीएम हरीशंकर पेनिकर ने कहा कि प्रशासन पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रहा है. केंद्रीय बलों के साथ तालमेल बनाकर रूट मार्च और निगरानी की जा रही है. हर इलाके पर नजर रखी जा रही है, खासकर आम जनता की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है.उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन और केंद्रीय बल मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो. लोगों की किसी भी शिकायत या समस्या का त्वरित समाधान करने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है.इस रूट मार्च के जरिए प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम पूरी तरह से लागू रहेंगे.

नंदीग्राम में तृणमूल को झटका, भाजपा में शामिल कार्यकर्ता

पूर्व मेदिनीपुर : चुनाव घोषणा के बाद पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के दिन ही तृणमूल कांग्रेस में टूट की तस्वीर सामने आई. तृणमूल कांग्रेस छोड़कर 256 नंबर पारुलबाड़ी बूथ के सदस्य देवाशीष दलपति ने भाजपा का दामन थाम लिया.सोमवार को नंदीग्राम में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के बाद भाजपा नेता साहेब दास और जयदेव दास के हाथों उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. देवाशीष दलपति का आरोप है कि लंबे समय तक तृणमूल कांग्रेस से जुड़े रहकर काम करने के बावजूद उन्हें कोई अवसर या सुविधा नहीं मिली.उन्होंने दावा किया कि हाल ही में पवित्र कर के तृणमूल में शामिल होते ही उन्हें चुनाव का टिकट दे दिया गया, जबकि पुराने कार्यकर्ता लंबे समय तक काम करने के बावजूद उचित सम्मान और अवसर से वंचित रह गए. इसी नाराजगी के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया.इस घटना के बाद नंदीग्राम के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है. चुनाव से ठीक पहले हुए इस दल-बदल को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. भाजपा नेतृत्व का दावा है कि आने वाले दिनों में और भी कई कार्यकर्ता उनकी पार्टी में शामिल होंगे.खबर लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.

28 मार्च को अमित शाह जारी करेंगे बीजेपी का संकल्प पत्र

सातवां वेतन आयोग, सरकारी नौकरी भर्ती प्रमुख चुनावी वादे

कोलकाताः बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने अभियान को निर्णायक मोड़ देने की तैयारी कर ली है. परिवर्तन यात्रा और ब्रिगेड रैली की सफलता के बाद, पार्टी अब 28 मार्च को अपना चुनावी घोषणा पत्र यानी संकल्प पत्र जारी करने जा रही है. खबर है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान इसे औपचारिक रूप से जारी कर सकते हैं. राज्य संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष तापस राय के अनुसार, यह दस्तावेज पूरी तरह जनभागीदारी पर आधारित है. भाजपा ने इसके लिए प्रदेश भर में व्यापक अभियान चलाकर ड्रॉपबॉक्स और अन्य माध्यमों से जनता की राय और सुझाव एकत्रित किए थे. पार्टी का मानना है कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा इसकी घोषणा किए जाने से चुनावी वादों की विश्वसनीयता और राजनीतिक प्रभाव, दोनों में वृद्धि होगी. सूत्रों के अनुसार, अमित शाह के दो दिवसीय बंगाल दौरे (27-28 मार्च) के दौरान जारी होने वाले इस संकल्प पत्र में लोक-लुभावन घोषणाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर होगा. इसमें सत्ता में आने के 45 दिनों के भीतर राज्य कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू करने, छह महीने में सभी रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और नौकरियों में आयु सीमा में पांच साल की छूट जैसे क्रांतिकारी वादे शामिल हो सकते हैं. तृणमूल कांग्रेस की लक्ष्मी भंडार तथा युवा साथी जैसी योजनाओं के जवाब में भाजपा अन्नपूर्णा भंडार और युवा शक्ति जैसी रोजगार केंद्रित घोषणाएं कर सकती है. साथ ही, राज्य में केंद्रीय योजनाओं को लागू करने का स्पष्ट रोडमैप भी पेश किया जाएगा. तापस राय ने सत्ताधारी दल के घोषणा पत्र को 'छलावा' बताते हुए दावा किया कि भाजपा का संकल्प पत्र बंगाल की तस्वीर बदलने वाला साबित होगा. पार्टी का लक्ष्य इस दस्तावेज को चुनावी विमर्श के केंद्र में लाकर मतदाताओं को सीधे जोड़ना है.

शहीद दिवस पर ममता बनर्जी ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को किया नमन

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, शिवराम हरि राजगुरु और सुखदेव थापर को श्रद्धांजलि अर्पित की. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए अपने पोस्ट में ममता बनर्जी ने कहा कि इन वीर क्रांतिकारियों का साहस देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव है. उन्होंने कहा कि शहीद दिवस के इस अवसर पर हमें न्याय और स्वतंत्रता के उन आदर्शों को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए, जिनके लिए इन महान सेनानियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के अंत में कहा कि उनका यह बलिदान कभी भुलाया नहीं जाएगा. उन्होंने जय हिंद के साथ अपना संदेश समाप्त किया.

अघोषित आपातकाल लगाकर भी लिखित रूप में चुनाव हारेगी भाजपा: कुणाल घोष

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर राज्य में राजनीतिक बयानबाजी अपने चरम पर है. सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बेलेघाटा से प्रत्याशी कुणाल घोष ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार किया. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के दम पर बंगाल में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा कर रही है, लेकिन जनता इसका करारा जवाब देगी. कुणाल घोष ने मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्र सरकार और भाजपा की रणनीति पर सवाल उठाए. कुणाल घोष के अनुसार, भाजपा राजनीतिक रूप से टीएमसी का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है, इसलिए वह ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का उपयोग कर राज्य में भय का माहौल बना रही है. उन्होंने इसे अघोषित आपातकाल करार देते हुए कहा कि भाजपा चाहे कितनी भी साजिशें रच ले, बंगाल की जनता उन्हें लिखित रूप में चुनाव हराने वाली है. कुणाल घोष ने चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों की ओर भी इशारा किया. उन्होंने दावा किया भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से अपना ब्लूप्रिंट लागू करने की कोशिश कर रही है, लेकिन टीएमसी का एक-एक कार्यकर्ता इसके खिलाफ डटा हुआ है. उनका मानना है कि बंगाल के लोग ममता बनर्जी के विकास कार्यों और उनकी नीतियों पर भरोसा करते हैं, न कि भाजपा के धमकी भरे प्रचार पर. बेलेघाटा निर्वाचन क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी को लेकर कुणाल घोष बेहद आत्मविश्वास में दिखे. बेलेघाटा की जनता जानती है कि कौन उनके सुख-दुख में साथ रहा है. भाजपा जो परिवर्तन की बात कर रही है, वह वास्तव में उनकी अपनी विदाई की शुरुआत होगी. उन्होंने एक बार फिर भाजपा और वामदलों के बीच गुप्त समझौते का आरोप लगाया. कुणाल ने कहा कि तृणमूल को रोकने के लिए ये दोनों दल पर्दे के पीछे से एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं, लेकिन राज्य की जागरूक जनता इस अपवित्र गठबंधन को सफल नहीं होने देगी.

शुभेंदु अधिकारी को कलकत्ता हाई कोर्ट से अंतरिम राहत

12 सप्ताह तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर

कोलकाताः कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी मामले में बड़ी राहत देते हुए किसी भी प्रकार की दंडात्मक पुलिस कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है. न्यायमूर्ति अजय कुमार मुखर्जी की एकल पीठ ने यह अंतरिम राहत 12 सप्ताह के लिए प्रदान की है और निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक पुलिस उनके खिलाफ गिरफ्तारी सहित कोई भी कठोर कदम नहीं उठाएगी. मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होने की संभावना है. उल्लेखनीय है कि, शुभेंदु अधिकारी इस बार पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट से, जहां वे वर्तमान विधायक हैं, चुनाव लड़ रहे हैं. इसके साथ ही वे दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से भी उम्मीदवार हैं, जहां उनका मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से है. खड़दह थाने में उनके खिलाफ 29 दिसंबर, 2020 को आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में स्वतः संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी. चुनाव से पहले किसी संभावित कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने इस शिकायत को निरस्त करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था. इसी मामले में न्यायालय ने शुभेंदु अधिकारी के छोटे भाई और पूर्व लोकसभा सदस्य दिव्येंदु अधिकारी को भी राहत दी. उन्होंने अदालत में याचिका दायर कर शिकायत की थी कि सरकारी आवास खाली करने के बावजूद उन्हें 'नो ड्यूज प्रमाणपत्र' जारी नहीं किया गया. दिव्येंदु अधिकारी पूर्व मेदिनीपुर जिले की एगरा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हैं. उम्मीदवारों की सूची जारी होने से पहले ही उन्होंने नो ड्यूज प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया था, लेकिन संबंधित विभाग से उन्हें यह नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने 10 मार्च को उच्च न्यायालय का रुख किया. सोमवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कृष्णा राव की एकल पीठ के समक्ष राज्य के महाधिवक्ता ने दिव्येंदु अधिकारी के वकील को नो ड्यूज प्रमाणपत्र की एक प्रति सौंप दी. राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रमाणपत्र 19 मार्च को जारी कर दिया गया था और उम्मीदवार तक पहुंचने में कुछ और दिन लग सकते हैं.

आईएसएफ ने अराबुल इस्लाम सहित 23 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

विधायक नौशाद सिद्दीकी खुद भांगड़ सीट से ठोकेंगे चुनावी ताल

कोलकाताः अब्बास सिद्दीकी और नौशाद सिद्दीकी के नेतृत्व वाली इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 23 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी. सूची में सबसे चर्चित नाम भांगड़ के पूर्व विधायक अराबुल इस्लाम का है, जिन्हें कैनिंग पूर्व विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है. तृणमूल कांग्रेस से निष्कासन के बाद अराबुल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी. वहीं आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी खुद भांगड़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं. मध्यग्राम से पूर्व एसएफआई नेता प्रियांका बर्मन को उम्मीदवार बनाया गया है. तृणमूल छोड़कर आईएसएफ में शामिल हुए उत्तर 24 परगना जिला परिषद के सदस्य मफिदुल हक साहाजी को देगंगा से टिकट दिया गया है. कैनिंग पूर्व सीट से मौजूदा विधायक शौकत मोल्ला को इस बार तृणमूल ने भांगड़ से मैदान में उतारा है. शौकत मोल्ला और अराबुल इस्लाम के बीच पहले भी राजनीतिक टकराव सामने आ चुका है. ऐसे में आईएसएफ द्वारा अराबुल को कैनिंग पूर्व से टिकट देना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी खुद भांगड़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं. वहीं, मध्यग्राम से पूर्व एसएफआई नेता प्रियांका बर्मन को उम्मीदवार बनाया गया है. तृणमूल छोड़कर आईएसएफ में शामिल हुए उत्तर 24 परगना जिला परिषद के सदस्य मफिदुल हक साहाजी को देगंगा से टिकट दिया गया है. आईएसएफ की इस सूची से वाम मोर्चा, खासकर माकपा के भीतर असंतोष की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि घोषित सीटों में से चार सीटों पर पहले ही वाम मोर्चा अपने उम्मीदवार घोषित कर चुका है. घोषित उम्मीदवारों में माल्दा के सुजापुर से शिक्षक रकरिमुल्लाह हक, नदिया के पलाशीपाड़ा से शिक्षक शमसुर अली मलिक और चापड़ा से जाकिर मंडल शामिल हैं. उत्तर 24 परगना की सात सीटों-बादुरिया से जाकिर मंडल, अशोकनगर से तापस बनर्जी, आमडांगा से विश्वजीत मइती, मध्यग्राम से प्रियांका बर्मन, देगंगा से मफिदुल हक साहाजी, हावड़ा से पियारुल इस्लाम और बसिरहाट उत्तर से मोहम्मद मूसा करिमुल्लाह पर आईएसएफ ने उम्मीदवार उतारे हैं. दक्षिण 24 परगना में कुलपी से अब्दुल मालेक मोल्ला, कैनिंग पश्चिम से प्रबीर मंडल, कैनिंग पूर्व से अराबुल इस्लाम, मोगराहाट पश्चिम से अब्दुल अजीज अल हसन और भांगड़ से नौशाद सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाया गया है.. इसके अलावा हुगली के हरिपाल से शेख मुजफ्फर अली उर्फ माजा, खानाकुल से शेख सद्दाम हुसैन, पूर्व मेदिनीपुर के पांशकुड़ा पश्चिम से अफजल अली शाह, नंदीग्राम से मौलाना मोहम्मद शबे मिराज खान, पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी से पीयूष हांसदा, पश्चिम बर्धमान के बाराबनी से विश्वजीत बाउरी, बीरभूम के बोलपुर से प्रोफेसर बापी सोरेन और मुरारई से हजरत अली (सौदागर) को उम्मीदवार बनाया गया है. आईएसएफ ने बाकी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा जल्द करने का संकेत दिया है.

आरजी कर अस्पताल में लापरवाही का आरोप, मरीज की मौत

कोलकाताः कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक बार फिर अव्यवस्था के गंभीर आरोप सामने आए हैं. सोमवार को एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है. मृतक की पहचान विश्वजीत सामंत के रूप में हुई है. परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान उन्हें शौचालय जाने के लिए स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं कराया गया. कमजोर हालत में खुद चलकर शौचालय जाने की कोशिश के दौरान वे गिर पड़े और उनकी मौत हो गई. परिवार के अनुसार, विश्वजीत को सांस लेने में दिक्कत और नाक से रक्तपात की शिकायत के साथ अस्पताल लाया गया था. रात में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत कुछ स्थिर हुई, लेकिन जब उन्होंने शौचालय जाने की इच्छा जताई तो पास में कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी. आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने उन्हें बाहर या दूसरी मंजिल पर जाने को कहा, लेकिन वहां ले जाने के लिए स्ट्रेचर भी नहीं दिया गया. मृतक की पत्नी इला सामंत ने बताया कि उन्हें थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन जब उन्होंने शौचालय जाने की बात कही तो किसी ने मदद नहीं की. बीमार व्यक्ति को पैदल जाने के लिए मजबूर किया गया, जिससे यह हादसा हुआ. मृतक के बेटे विशाल सामंत ने कहा कि पास में शौचालय नहीं था. डॉक्टर ने बाहर या दूसरी मंजिल पर जाने को कहा. हम उन्हें किसी तरह ऊपर ले जा रहे थे, तभी वे अचानक गिर पड़े. अगर स्ट्रेचर या पास में शौचालय होता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी. घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. टाला थाना में इस मामले में अस्वाभाविक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है. फिलहाल अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने विकसित भारत के सपने को किया उजागर

कोलकाता : छह साल के लंबे अंतराल के बाद कलकत्ता विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ. विश्वविद्यालय के नव नियुक्त राज्यपाल और कुलाधिपति आर.एन. रवि सोमवार को कॉलेज स्ट्रीट परिसर में आयोजित समारोह में उपस्थित थे. दीक्षांत समारोह में उन्होंने लगभग 1100 शोधकर्ताओं को पीएचडी प्रमाणपत्र प्रदान किए. दीक्षांत समारोह के मंच से अपने संबोधन में राज्यपाल ने विकसित भारत के सपने को उजागर किया. इस दिन आरएन रवि ने कहा कि भारत 2047 तक एक बार फिर विश्व के अग्रणी देशों में शामिल होगा. उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि विज्ञान, अनुसंधान और प्रतिभा के विकास में भारत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. राज्यपाल के शब्दों में, हजारों वर्षों के इतिहास में भारत ज्ञान, चिकित्सा, संस्कृति और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश रहा है. हालांकि, 19वीं शताब्दी से यह स्थिति धीरे-धीरे कमजोर होती गई है. स्वतंत्रता के बाद, और विशेष रूप से पिछले कुछ दशकों में, देश के लिए परिवर्तन की एक नई यात्रा शुरू हुई है. अब समय आ गया है कि उस खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त किया जाए. भारत को 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक आत्मनिर्भर और विकसित देश बनाना होगा. अपने भाषण में आचार्य आर.एन. रवि ने बंगाल की विरासत और विद्वानों को भी याद किया. उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद के योगदान का उल्लेख किया. राज्यपाल ने कहा कि उनके विचारों और कार्यों से विश्व में भारत की छवि को मजबूती मिली है. राज्यपाल ने इस दिन आधुनिक प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है. उन्होंने इन क्षेत्रों से सीधे तौर पर जुड़े न होने वाले लोगों से भी इस नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आग्रह किया. इसके साथ ही, आरएन रवि ने छात्रों के लिए स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी बात की. उनका संदेश था कि नियमित योग अभ्यास और शारीरिक व्यायाम स्वस्थ शरीर और मन को महान कार्य करने की शक्ति प्रदान करते हैं. लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस दीक्षांत समारोह में कुल 1,100 शोधकर्ताओं को पीएचडी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए. इनमें से 602 शोधकर्ता 2026 बैच के थे और 2024 और 2025 बैच के मिलाकर 498 शोधकर्ता थे. इसके अतिरिक्त, एक शोधकर्ता को डीएससी और दो शोधकर्ताओं को डेल्ट डिग्री से सम्मानित किया गया. दीक्षांत समारोह का भाषण आईआईटी खड़गपुर के वर्तमान निदेशक सुमन चक्रवर्ती ने दिया. उन्होंने कहा, आज स्नातक होने वाले सभी छात्रों को याद रखना चाहिए कि यह सिर्फ एक डिग्री नहीं है. आप भविष्य की संभावनाओं को अपने साथ लिए हुए हैं. कृत्रिम बुद्धिमत्ता नए अवसरों के द्वार खोल रही है. एक समय था जब बंगाल ने दुनिया को विचार की स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया था. आज समय आ गया है कि हम उस विचार की लौ को फिर से प्रज्वलित करें, जहां प्रश्न निडर होंगे और ज्ञान मानवता का प्रकाश बनेगा.

शमिक भट्टाचार्य का ममता सरकार पर बड़ा हमला

2026 चुनाव में बंगाल से होगा टीएमसी का विसर्जन

कोलकाता: आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. भाजपा के वरिष्ठ नेता शमिक भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के चुनाव प्रचार पर पलटवार करते हुए तृणमूल कांग्रेस को वायरस करार दिया है. उन्होंने आरजी कर अस्पताल की बदहाली से लेकर मतदाता सूची तक के मुद्दों पर सरकार को घेरा. मुख्यमंत्री और अभिषेक बनर्जी के प्रचार अभियान के जवाब में शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह लड़ाई किसी पार्टी के बीच नहीं, बल्कि आम जनता बनाम टीएमसी है. उन्होंने दावा किया कि 2019 से ही जनता ने यह तय कर लिया है कि केवल भाजपा ही टीएमसी को हरा सकती है. टीएमसी को वायरस बताते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग अब इस सत्ता से मुक्ति चाहते हैं. आरजी कर अस्पताल में लिफ्ट दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत और वहां की जर्जर हालत पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने सवाल उठाया कि अस्पताल में लिफ्ट लगाने का ठेका किस कंपनी को दिया गया था और वह किसके करीबी हैं? शमिक ने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासन में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है. बाथरूम से लेकर लिफ्ट तक, हर जगह लापरवाही का आलम है.

साढ़े तीन लाख से ज्यादा राजनीतिक पोस्टर-बैनरों पर गिरी चुनाव आयोग की गाज

कोलकाताः आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अवैध राजनीतिक विज्ञापनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. आयोग की ओर से रविवार रात जारी बयान में बताया गया कि राज्यभर में अब तक कुल तीन लाख 58 हजार 986 अनधिकृत राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जो चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में आते थे. आयोग के अनुसार इनमें से अधिकांश मामले सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से जुड़े हैं. कुल तीन लाख 11 हजार 829 विज्ञापन सरकारी दीवारों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों से हटाए गए, जबकि 19 हजार 901 मामले निजी संपत्तियों पर बिना अनुमति लगाए गए राजनीतिक प्रचार से संबंधित थे. आयोग ने स्पष्ट किया है कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी. जिलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर बंगाल के कूचबिहार जिले में सबसे अधिक 33 हजार 491 अवैध विज्ञापन हटाए गए. इनमें 29 हजार 474 सार्वजनिक संपत्तियों और चार हजार 17 निजी संपत्तियों से जुड़े थे. इसके बाद उत्तर 24 परगना जिले का स्थान रहा, जहां कुल 31 हजार 920 विज्ञापन हटाए गए. इनमें से 31 हजार 789 सार्वजनिक और 105 निजी संपत्तियों से संबंधित थे. दूसरी ओर कालिम्पोंग जिले में सबसे कम 593 विज्ञापन हटाए गए और ये सभी सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े थे. इसी बीच आयोग ने बताया है कि लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी श्रेणी के अंतर्गत न्यायिक जांच के लिए भेजे गए मामलों की पहली पूरक सूची सोमवार को जारी की जाएगी. अधिकारियों के अनुसार सूची जारी होने के बाद किसी भी संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है. इसी क्रम में कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भी चुनाव तैयारियों का जायजा लेते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि मतदान के दौरान बूथ जाम करने, फर्जी मतदान कराने या बूथ कब्जाने जैसी किसी भी गड़बड़ी को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने दक्षिणी कोलकाता के भांगर थाने का निरीक्षण करने के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में चुनाव आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया.

बंगाल में जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण कई जिलों में हिंदू बन सकते हैं अल्पसंख्यक : सुकांत मजूमदार

कोलकाताः केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासनकाल के दौरान तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण कई जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक बन सकते हैं, जिससे भविष्य में हिंदू उम्मीदवारों के लिए चुनाव जीतना बहुत कठिन हो जाएगा. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष मजूमदार ने एक साक्षात्कार में कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने में असफल रहने के बाद भाजपा ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है. उन्होंने बताया कि पार्टी अब बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, बंगाल-केंद्रित मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध करने पर ध्यान दे रही है, जिससे चुनावी गणित बदल सकता है. मजूमदार ने 2026 के विधानसभा चुनावों को राज्य के लिए एक जनसांख्यिकीय निर्णायक मोड़ करार दिया. उन्होंने कहा, जनगणना अभी नहीं हुई है, लेकिन ममता बनर्जी ने खुद कहा है कि मुस्लिम आबादी लगभग 33 प्रतिशत है, जो 33-35 प्रतिशत तक हो सकती है. अगले पांच वर्षों में यह और बढ़ेगी. इसके बाद हिंदुओं के लिए चुनाव जीतना मुश्किल हो जाएगा. मजूमदार ने यह भी दावा किया कि यदि टीएमसी सत्ता में बनी रहती है, तो 2026 का चुनाव ऐसा आखिरी चुनाव हो सकता है जिसमें बंगाली हिंदू राज्य की चुनावी दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे. केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, जनसांख्यिकी में बदलाव के कारण टीएमसी को धीरे-धीरे हिंदुओं के बजाय मुसलमानों को अधिक टिकट देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. मुस्लिम उपमुख्यमंत्री की मांग अभी से सुनाई दे रही है. ये मांगें भविष्य में पूरी होंगी और अंततः इससे मुस्लिम मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो सकता है. इतिहास का हवाला देते हुए, मजूमदार ने विभाजन के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा और मुस्लिम लीग के सत्ता में रहने के दौरान हुए 'ग्रेट कलकत्ता हत्याकांड' का जिक्र किया. भाजपा लंबे समय से आरोप लगाती रही है कि सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में बदलाव राज्य की राजनीति को प्रभावित कर रहा है और इसी मुद्दे को पार्टी 2026 चुनाव के लिए प्रचार अभियान का प्रमुख विषय बना रही है. मजूमदार ने कहा कि राज्य की लगभग एक-तिहाई विधानसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव है, और यदि यह समुदाय एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ मतदान करता है तो यह भाजपा के लिए एक संरचनात्मक चुनौती बन सकता है . उन्होंने कहा, यह चुनाव सिर्फ बंगाली हिंदुओं को बचाने का नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल को पाकिस्तान या अफगानिस्तान बनने से रोकने का है. केवल भाजपा ही बंगाल को बचा सकती है. मजूमदार ने कहा कि पार्टी बंगाली हिंदू मतदाताओं के बीच एकजुटता और सत्तारूढ़ टीएमसी के प्रति बढ़ते मोहभंग पर भरोसा कर रही है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में कट्टरपंथी ताकतों का प्रभाव बढ़ रहा है, खासकर बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में. उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल का एक बड़ा हिस्सा पहले ही अपराधियों, कट्टरपंथियों और उग्र तत्वों के प्रभाव में है. उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल पहचान की राजनीति के बारे में नहीं है, बल्कि शासन व्यवस्था को लेकर भी है. भाजपा नेता ने आरोप लगाया, बंगाल में पिछले 15 वर्षों में कोई बड़ा निवेश नहीं हुआ. गुजरात को भारत के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का लगभग 17 प्रतिशत मिलता है, जबकि पश्चिम बंगाल को सिर्फ 0.66 प्रतिशत. राज्य की वित्तीय स्थिति कमजोर है और शिक्षा व्यवस्था गिर रही है. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में लगभग 40 प्रतिशत वोट प्रतिशत हासिल करने के बाद, भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनावों में 38 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे, लेकिन यह समर्थन सत्ता में तब्दील नहीं हो सका क्योंकि सत्तारूढ़ टीएमसी ने 294 सीटों में से 213 सीटों पर जीत हासिल की. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर टीएमसी के विरोध को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि कोई नुकसान नहीं हुआ है और भाजपा कार्यकर्ता पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने में मदद कर रहे हैं. उन्होंने कहा, रणनीतिक रूप से, हमने कई पहल की हैं- बूथ संगठन और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मजबूत किया है. हमारी प्रचार रणनीति में भी बदलाव आया है. अब यह अधिक बंगाली या बंगाल-केंद्रित है. भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा न करने पर उन्होंने कहा कि पार्टी टीम गेम में विश्वास करती है. उन्होंने दिल्ली और ओडिशा के उदाहरण दिए, जहां बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव जीते गए. मजूमदार ने बताया कि पार्टी ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भबानीपुर से उतारने का फैसला किया है. उन्होंने कहा, हम ममता बनर्जी को सीधे हराना चाहते हैं.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

धनबाद जिला स्तरीय राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आन्दोलन सम्पन्न

धनबाद: डीआरएम चौक धनबाद से रणधीर वर्मा चौक तक भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, भारतीय विद्यार्थी मोर्चा व अन्य ऑफ़शुट संगठन के द्वारा राष्ट्रव्यापी तीसरे चरण के आन्दोलन तहत के रैली प्रदर्शन का कार्यक्रम किया गया.जाति आधारित जनगणना और ओबीसी की जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर ओबीसी के साथ भाजपा द्वारा की जा रही धोखाधड़ी के खिलाफ, यूजीसी कानून से एससी एसटी ओबीसी के भेद भाव खत्म होता देखकर इस बिल को पास नहीं होने दिया गया. इसलिए एससी, एसटी और ओबीसी को यूजीसी बिल लागू कराने के समर्थन में,पुर्व नियुक्त शिक्षकों की शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त किया जाए. इन सभी विषयों के समर्थन को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा के धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष दास के नेतृत्व में गुड्डू धाढ़ि बहुजन क्रांति मोर्चा, शेखर पासवान शोसल मीडिया प्रभारी, भामुमो, जे.पी.प्रसाद जिला कोषाध्यक्ष भामुमो, गोपाल रजक, सह-कोषाध्यक्ष भा मु मो, सन्तोष बौद्ध बुद्धिस्ट इन्टरनेशनल नेटवर्क झारखण्ड, चन्द्रदेव यादव राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, दिलिप राम आ.भा, एससी एसटी ओबीसी मोर्चा महासचिव गोपाल,यादव, नंद किशोर सिंह,नवल प्रसाद, संतोष कुमार, गणपत महतो, लाली महतो,शिवदत्त दास,गुलशन खातून,अधिवक्ता रणधीर कुमार, दीपक राम, दयाराम यादव,कामेश्वर साव राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, तनवीर आलम भाविमो, गुलशन खातून,गणेश दास,सुप्रभात कुमार भाविमो, मुरली दास, जितेन्द्र पासवान,जितेन्द्र शर्मा, धर्मेन्द्र भुइँया, अशोक भुइँया, कार्तिक हाड़ी, मुरली दास,मनोज हाड़ी,शिवदत दास, बेबी देवी,नवीन पासवान, सुभाष पासवान, आदित्य पासवान एवं अन्य रैली प्रदर्शन में शामिल थे .

मेरा युवा भारत का कार्यक्रम के तहत रैली मे छात्र-छात्राएं हुए शामिल

धनबाद : मेरा युवा भारत धनबाद युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान पर मंथन संस्था द्वारा शहीद दिवस स्थानीय झारखंड पब्लिक स्कूल में मनाया गया इस कार्यक्रम के अवसर पर भगत सिंह सुखदेव एवं राजगुरु के चित्र पर मल्लार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया श्र मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी रवि मिश्रा एवं झारखंड पब्लिक के प्राचार्य शैलेन्द्र भट्ट के द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस रैली में भगत सिंह सुखदेव राजगुरु अमर रहे वंदे मातरम इंकलाब जिंदाबाद भारत माता की जय कि नारो से शहीद दिवस को याद किया गया मंथन के सचिव विप्लव महतो ने कहा कि भगत सिंह राजगुरु सुखदेव स्वतंत्रता सेनानी के असली नायक थे तत्पश्चात झारखंड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं शिक्षक शिक्षिकाओं ने रैली में भाग लिया तत्पश्चात एक बैठक का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य शैलेंद्र भट्ट बीके ठाकुर संजय कुमार मंडल रवि गिरी शक्ति कुमार महतो पंकज कुमार के साथ-साथ मंथन के सारे सदस्यों की उपस्थित रही

उप महापौर अरुण कुमार चौहान ने किया पदभार ग्रहण

धनबाद : उप महापौर अरुण कुमार चौहान ने आज अपना पदभार ग्रहण किया इस मौके पर उपमहापौर अरुण कुमार चौहान ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता पूरी नगर निगम की 55वार्डो के पार्षद से मिलकर उनके हर एक क्षेत्र की समस्या से अवगत होकर इसका निष्पादन जल्द करना है लेकिन पहले हम लोग धनबाद की जल संकट को दूर करना है इस मौके पर उन्होंने सभी धनबाद नगर निगम की जनता का आभार व्यक्त किया!

दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में तीन युवक घायल

साहिबगंज : जिरबाबाड़ी थाना क्षेत्र के जलेबिया घाटी स्थित बजरंगबली मंदिर के पास रविवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में तीन युवक घायल हो गए. हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. घायलों में मदनशाही निवासी मो. सलाउद्दीन का पुत्र राजा अंसारी उम्र 20 गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे पुलिस द्वारा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. मुकेश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया.परिजनों के अनुसार, राजा अंसारी एक अन्य युवक के साथ किसी काम से बाइक से बांझी जा रहा था. इसी दौरान जलेबिया घाटी के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई, जिससे दोनों बाइकों पर सवार कुल तीन लोग घायल हो गए. घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

महिला की संदिग्ध मौत के मामले मे यूडी केस दर्ज

मंडरो : मिर्ज़ाचौकी थाना क्षेत्र के नीमगाछी गांव में बीते शनिवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला प्रकाश में आया था. इस मामले को लेकर मिर्ज़ाचौकी थाना में यूडी केस संख्या 02/2026 दर्ज किया गया है. यूडी केस दर्ज होते ही पुलिस प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है. पुलिस के अनुसार, मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा.

अवैध हथियार के साथ दो आरोपियों की हुई गिरफ्तारी, पुलिस का सख्त एक्शन

जांच के दौरान पता चला दोनों आरोपियों में एक कन्नर है ,किसी बड़े घटना को अंजाम देने के फिराक में तो नहीं थे यह आरोपी

पाकुड : जिले में अवैध हथियार के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच नगर थाना पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. खास बात यह रही कि गिरफ्तार आरोपियों में एक किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय से जुड़ा बताया जा रहा है. पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा भी बरामद किया है.

झगड़े की सूचना पर हरकत में आई पुलिस:
एसडीपीओ डी.एन. आजाद ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि सिद्धो-कान्हु पार्क के पास कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे हैं और उनके पास हथियार भी है. सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस और टाइगर मोबाइल टीम तुरंत मौके पर पहुंची.

पुलिस को देखते ही भागने लगे दोनों संदिग्ध युवक:जैसे ही पुलिस टीम वीआईपी रोड स्थित पार्क के पास पहुंची, वहां मौजूद दो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे. लेकिन पुलिस ने तेजी दिखाते हुए दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया.

तलाशी में मिला देशी कट्टा:
पकड़े जाने के बाद जब दोनों की तलाशी ली गई, तो एक आरोपी के कमर से काले रंग का अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ. इसके बाद दोनों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया.

आरोपी की पहचान:
गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साल्फी शेख (निवासी मनिरामपुर) और सागीर शेख (निवासी अंजना) के रूप में हुई है. इनमें सागीर शेख किन्नर समुदाय से जुड़ा बताया गया है.

आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज:
इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 56/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)a/26/35 के तहत केस दर्ज किया गया है. दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है. एसडीपीओ डी.एन. आजाद ने साफ कहा कि पाकुड़ पुलिस अवैध हथियार और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है. ऐसे मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा.

80 प्रतिशत अनुदान पर मिलेंगे कृषि यंत्र किसानों को: उपायुक्त

पाकुड़: उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केन्द्र प्रायोजित झच-ठघतध योजना के अंतर्गत कृषि यंत्रीकरण उप मिशन उपयोजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई.बैठक में कृषि उपकरण बैंक की स्थापना हेतु कृषि यंत्रों के वितरण के अनुमोदन पर विचार-विमर्श किया गया. समिति द्वारा जिले के 06 महिला सखी मंडलों का चयन किया गया, जिन्हेंइस योजना का लाभ दिया जाएगा.भूमि संरक्षण पदाधिकारी सुचीत एक्का ने बताया कि इस उपयोजना के तहत कृषि उपकरण बैंक की स्थापना के लिए लगभग 10 लाख रुपये के पैकेज पर 80 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा. इसके अंतर्गत मिनी ट्रैक्टर, रीपर (केजव्हील, यंत्र प्रदान किए जाएंगे.

जोखिम भरा सफर करने को मजबूर राहगीर मुख्य सड़क की हालत खस्ता, प्रशासन बेखबर

पाकुड़: पाकुड़ से दुमका को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है. सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. हालत ऐसी है कि गाड़ी चलाते वक्त हर पल हादसे का डर बना रहता है. रोज इस रास्ते से ट्रक, बस, कार और बाइक सैकड़ों की संख्या में गुजरते हैं, लेकिन टूटी सड़क ने सबकी रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है.**बरसात के बाद और बिगड़ी स्थिति:**स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद सड़क की हालत और भी ज्यादा खराब हो गई है. गड्ढों में पानी भर जाने से यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि कहां सड़क सही है और कहां गहरा गड्ढा. कई

बार वाहन चालक अचानक गड्ढे में फंस जाते हैं, जिससे छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं. खासकर बाइक सवारों के लिए यह रास्ता बेहद खतरनाक साबित हो रहा है.

स्कूली बच्चों और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत:इस सड़क से रोज स्कूल बसें, एंबुलेंस और व्यापारिक वाहन गुजरते हैं. स्कूली बच्चों को झटकों के बीच सफर करना पड़ रहा है, वहीं मरीजों को अस्पताल ले जाना भी चुनौती बन गया है.

व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़क की वजह से समय ज्यादा लग रहा है और गाड़ियों का खर्च भी बढ़ रहा है.ग्रामीणों की मांग - जल्द हो मरम्मत नहीं तो होगा आंदोलन जोरदारस्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है. लोगों का साफ कहना है कि अगर समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है. प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह इस दिशा में तुरंत कदम उठाएगा, ताकि लोगों को राहत मिल सके.

मतदाताओं के घर-घर जाकर मकान संख्या अंकित करें : बीडीओ

उधवा : प्रखंड सभागार कक्ष में सोमवार को बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में एसआईआर पर बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान बीडीओ सह सीओ श्री तिवारी ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में बीएलओ को मतदाताओं के घर-घर जाकर मकान संख्या अंकित करने से संबंधित जानकारी दी गई. उन्होंने कहा कि ससमय अनुसार इस कार्य को पूरा करना है. वहीं प्रशिक्षक भरत मंडल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को सुव्यवस्थित व नंबरिंग सिस्टम को दुरुस्त करने के उद्देश्य से प्रत्येक मतदाता परिवार का एक काल्पनिक नंबर अंकित करते हुए मतदाताओं को सुव्यवस्थित मतदाता सूची में किया जाएगा. इसके लिए सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में घर-घर जाकर नंबरिंग करते हुए मकानों पर स्टिकर चिपकाने का कार्य करेंगे. इसके अलावा जिन-जिन बीएलओ द्वारा अब भी कुछ मतदाता की मैपिंग सुनिश्चित नहीं की गई. उन सभी को मैपिंग में अंकित किए जाने का कार्य करेंगे. मतदाताओं की मैपिंग समय रहते पूर्ण करने का निर्देश सभी बीएलओ को दिया गया. मौके पर निर्वाचन नोडल सूरज टुडू,कम्प्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा,जनसेवक सिकंदर अली, प्रेमनंदन चौड़े,पंचायत सचिव संतोष कुमार सुमन व बीएलओ मीरा कुमारी सहित अन्य मौजूद थे.

सड़क किनारे मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

पाकुड़िया : जिले के पाकुड़िया-महेशपुर पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क पर शहरपुर गांव के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलने पर पाकुड़िया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया. मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है. पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए शव को अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल भेज दिया है. थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं. आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके.

टॉय ट्रेन रूट पर भूस्खलन से निपटने की तैयारी, प्री-मानसून ड्राइव शुरू

सिलीगुड़ी :. मानसून आने में अभी कुछ महीने बाकी हैं, लेकिन दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) ने अभी से टॉय ट्रेन रूट पर भूस्खलन से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है. रेलवे की ओर से 'प्री-मानसून स्पेशल ड्राइव' चलाया जा रहा है.इस अभियान के तहत सुकना से लेकर दार्जिलिंग तक फैले पहाड़ी रेलमार्ग पर निगरानी बढ़ा दी गई है. करीब 87 किलोमीटर लंबे ट्रैक की निगरानी के लिए 60 कर्मचारियों को तैनात किया गया है, जो अलग-अलग सेक्शन में बांटकर काम कर रहे हैं.रेलवे सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्षों में बार-बार हुए भूस्खलन को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है. हर कर्मचारी रोजाना ट्रैक पर पैदल निरीक्षण करेगा और कहीं भी दरार,

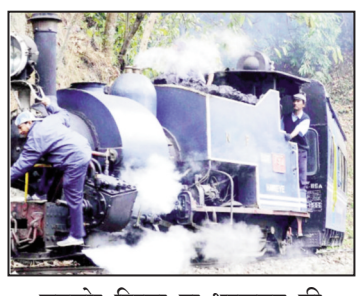

कमजोर हिस्सा या भूस्खलन की आशंका दिखने पर तुरंत रिपोर्ट करेगा.मामूली संकेत मिलने पर भी जानकारी तुरंत अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी, जिसके बाद इंजीनियरिंग विभाग मौके पर जरूरी मरम्मत, ट्रैक की देखरेख और ड्रेनेज सिस्टम सुधार का काम करेगा.
गौरतलब है कि हर साल मानसून के दौरान न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से सुकना, रंगटोंग और तीनधारिया होते हुए दार्जिलिंग जाने वाले इस रूट पर भूस्खलन के कारण ट्रेन सेवा बाधित हो जाती है. इससे डीएचआर को कई बार सवालों का सामना करना पड़ता है और इसकी यूनेस्को हेरिटेज पहचान बनाए रखना भी चुनौती बन जाता है.डीएचआर के डायरेक्टर ऋषभ चौधरी ने बताया कि प्री-मानसून ड्राइव शुरू कर दिया गया है. छोटे भूस्खलनों से निपटने के लिए पहले से तैयारी की जा रही है, वहीं बड़े भूस्खलन की स्थिति में भी तेजी से हालात सामान्य करने के लिए टीम तैयार रखी गई है.जानकारी के मुताबिक, यह विशेष अभियान मानसून सीजन के अंत तक जारी रहेगा, ताकि टॉय ट्रेन सेवा सुचारू रूप से चलती रहे.

अनियंत्रित ट्रक नाले मे धंसा, बड़ा हादसा टला

मिर्ज़ाचौकी : थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्ज़ाचौकी बाजार मे रविवार की रात्रि एक बड़ा हादसा टल गया.
जानकारी के अनुसार केनरा बैंक के सामने मुख्य सड़क पर एक भारी वाहन संख्या एआर 15ए 0151(18चक्का ट्रक)अनियंत्रित होकर ट्रक का एक साइड का चक्का सड़क किनारे नाले मे जा धंसा.
जिससे वाहन एक तरफ झुक गया घटना के समय सड़क पर आवाजाही कम होने के कारण किसी तरह की जान- माल की हानि नहीं हुई.स्थानीय लोगों के अनुसार यदि यह घटना दिन के समय होती तो बड़ा हादसा हो सकता था.
घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया.
स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क किनारे बने नालों की मरम्मत तथा सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृति ना हो.

एडीपीसी ने सीएपीएफ के साथ चुनावी रणनीति को लेकर की समन्वय बैठक

आसनसोल : आसनसोल जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के आसनसोल स्थित पुलिस मुख्यालय में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई. जिसकी अध्यक्षता आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस आयुक्त डॉ प्रणब कुमार ने पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट एस पोन्नमबलम के साथ मिलकर की.इस बैठक में जिला सीएपीएफ बल समन्वयक, जिले में तैनात सीएपीएफ के कंपनी कमांडरों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. इस सत्र का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करना था. जिसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की प्रभावी तैनाती और उपयोग पर विशेष जोर दिया गया.चुनाव के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने, मतदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नागरिक व सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने से संबंधित प्रमुख रणनीतियों पर चर्चा की गई.

प्रचार के दौरान जनता के सवालों से घिरे गौतम देव

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी नगर निगम के वार्ड नंबर 30 के तराई स्कूल मैदान में जनसंपर्क अभियान के दौरान मेयर गौतम देव को मिला-जुला अनुभव हुआ. एक ओर जहां वे बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते हुए नजर आए, वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय लोगों के तीखे सवालों का भी सामना करना पड़ा.सोमवार सुबह से ही उन्होंने इलाके में मॉर्निंग वॉक कर रहे लोगों से बातचीत कर प्रचार शुरू किया. जनसंपर्क के तहत तराई स्कूल मैदान में बच्चों के साथ कुछ समय क्रिकेट भी खेला, जिससे माहौल हल्का और सकारात्मक बना.हालांकि, प्रचार के दौरान स्थानीय महिलाओं ने शहर की पुरानी समस्याओं को लेकर सीधे सवाल उठाए. उन्होंने पीने के पानी की कमी, खराब फुटपाथ और हरियाली की कमी जैसे मुद्दों पर नाराजगी जाहिर की. एक महिला ने सवाल किया कि सत्ता में रहते हुए इन बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए. इस दौरान लोगों ने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की, वहीं मेयर ने सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश की.इसी बीच, इलाके में प्रचार कर रहे भाजपा विधायक और उम्मीदवार शंकर घोष ने भी सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा.उन्होंने कहा, ये आम लोगों की रोजमर्रा की समस्याएं है. मेयर को विकास के लिए पर्याप्त मौका मिला, लेकिन उन्होंने बार-बार अक्षमता दिखाई. लोगों के सवाल अब जवाब मांग रहे है.

आईटी एक्ट मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़िया: थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड संख्या-22/2026 के प्राथमिक अभियुक्त दानिनाथ पाल को गिरफ्तार कर लिया.उसके खिलाफ एक महिला द्वारा भारतीय न्याय संहिता एवं आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया गया था.

तृणमूल की कर्मी सभा का आयोजन किया गया

कुल्टी : कुल्टी विधानसभा अंतर्गत नियामतपुर मेला मैदान में तृणमूल की कर्मी सभा का आयोजन कुल्टी. ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से तृणमूल के कुल्टी विधानसभा प्रत्याशी अभिजीत घटक.और पूर्व विधायक सह प्रदेश तृणमूल के उपाध्यक्ष उज्जवल चटर्जी उपस्थित रहे.सर्वप्रथम श्री घटक और श्री चटर्जी को ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा फूलों को दस्ता और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया.. मौके पर कुल्टी विधानसभा अंतर्गत पड़ने वाली आसनसोल नगर निगम के पार्षद वार्ड अध्यक्ष सहित पार्टी के स्थानीय नेतागण और कार्यकर्ता गन उपस्थित रहे.श्री चटर्जी ने अपने भाषण में कहा कि अभिजीत घटक कोई और नहीं, मेरे भाई हैं और आगे उन्होंने कहा कि मैं तृणमूल कांग्रेस करता था करता हूं और करता रहूंगा. उन्होंने कहा कि जिस समय बर्दवान को लालदुर्ग कहा जाता था, उस समय कुल्टी नगरपालिका में सबसे पहले तृणमूल काबोर्ड का गठन किया गया. और मैं उसका चेयरमैन था. उस समय जो नेता स्थानीय

कार्यकर्ता मेरे साथ थे, उनका सिर्फ एक ही कहना था इस लाल झंडा को हटाना होगा. उसके बाद तृणमूल के टिकट से 3 बार विधायक रहा. 4 बार कुल्टी नगर पालिका अध्यक्ष काफी लंबी पारी खेली है. 2021 में जब मैं चुनाव हार गया, उसके बाद से एक दिन भी.नहीं बैठा गर्मी हो ठंडा हो, बरसात हो जनता के बीच हमेशा रहा. इसी बीच मेरी माँ का देहांत हो गया. हिंदू धर्म में बहुत से नियम का पालन करना पड़ता है. जिसके लिएशीत के मौसम में सुबह सुबह स्नान करना पड़ता था. उसी दौरान मेरी कुछ तबीयत बिगड़ गई, जिसके कारण मुझे उस दिन कलकत्ता के अस्पताल में रहना पड़ा. जिससे कि सभी जगह यह बात फैल गई. कि उज्जल चटर्जी का तबीयत बहुत खराब है,
वह ठीक से चल फिर नहीं सकते. आगे उन्होंने कहा कि कोई भी आदमी सारा जीवन एक ही पद में नहीं रह सकता. नए चेहरे आते हैं. और आते रहेंगे. दल जो सिद्धांत लिया है हम सब उसे मानते हैं और हम सबको मानना भी चाहिए.
आगे उन्होंने कहा कि बहुत सा ऐसे लोग हैं हमारे दल में जो जैसा चेहरा वैसी, बात करते हैं. कुछ लोग तो कह रहे थे कि उज्वल चटर्जी कांग्रेस का टिकट से चुनाव लड़ेंगे.
ये सब वैसे लोग हैं जो दल के कभी नहीं थे इनका काम यही है.ऐसे लोगों से अभिजीत घटक सावधान रहे. आज से सभी कर्मी को लग जाना है और तृणमूल के प्रत्याशी को भारी मतों से जिताना है.वहीं श्री घटक ने कहा कि उज्जवल चटर्जी हमारे अभिभावक हैं और अभिभाग रहेंगे.
कुल्टी के नेता एकमात्र श्री चटर्जी हैं. उन्होंने कहा कि इस बार कुल्टी में परिवर्तन लाए और तृणमूल प्रत्याशी को भारी मतों से विजय दिलाये. ताकि कुल्टी के विकास के लिए हम लोग कंधे से कंधे मिलाकर कार्य कर सकें. उन्होंने आगे कहा कि हम और उज्जवल दा हर घर में जाकर तृणमूल कांग्रेस के लिए वोट मांगेंगे.वहीं उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी कई वक्तव्य रखें, जिसमें इंद्राणी मिश्रा, कंचन राय, बादल पुतुड़ी, बच्चू राय संदीप मुखर्जी,अमित यादव, जाकिर हुसैन मीर हासिम,ममिता सेन गुप्ता सहित काफी नेता कार्यकर्तागण उपस्थित थे.

रामनवमी पर्व व चैती दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

उधवा : रामनवमी पर्व एवं चैती दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर सोमवार को राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. जिसकी अध्यक्षता एसडीओ राजमहल सदानंद महतो व एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया. शांति समिति की बैठक में जनप्रतिनिधि,बुद्धिजीवी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहें. इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने लोगों से रामनवमी पर्व एवं चैती दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील किया.
वहीं एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने रामनवमी पर्व तथा चैती दुर्गा पूजा में जुलूस रूट चार्ट की जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील किया. उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर असामाजिक पोस्ट करने पर कार्रवाई की जाएगी. कहा कि विधि व्यवस्था बनाएं रखने को लेकर अधिक भीड़ लगने वाली जगहों में पुलिस प्रशासन की तैनाती रहेगी. क्षेत्र में पुलिस प्रशासन को ड्यूटी के दौरान सहयोग करने की अपील किया. वहीं बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पर्व मनाने की अपील किया. मौके पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,एसआई पंकज दुबे,एएसआई कान्हु मुर्मू,सुनील प्रमाणिक, विक्रम सरकार,धर्मराज मंडल, भैय्या किस्कू सहित अन्य मौजूद थे.

न्यूज कॉर्नर

चेन स्नैचिंग की कोशिश नाकाम, छीना-झपटी में युवक सड़क पर गिरा

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी :शहर में अपराधियों ने एक युवक के गले से सोने की चेन छीनने का प्रयासल किया.विरोध कारण अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके, लेकिन छीनाझपटी में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया.पीड़ित की पहचान विष्णुपद के दक्षिण दरवाजा निवासी मुकुल किशोर सिन्हा के तौर पर हुई है.वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शशि कुमार के बड़े भाई हैं. घटना रामपुर थाना क्षेत्र के अर्श अस्पताल के पास की है.इलाज के लिए अस्पताल लाया गया.मुकुल ने बताया कि किसी काम से जा रहा था.रास्ते में पहले से घात लगाकर खडे बाइक सावर 2 अपराधियों ने गले से चेन झपटने की कोशिश की.अचानक हुए इस हमले से पहले तो घबरा गया.कुछ देर बाद हिम्मत दिखाते हुए विरोध किया.शोर मचाना शुरू कर दिया.छीना-झपटी चेन टूटकर सड़क पर गिर गई.इस दौरान बैलेंस बिगड़ने से गिर पड़. हाथ और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं.एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है.पीड़ित ने रामपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है.थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है.

2 बाइकों की आमने-सामने टक्कर:गाड़ी के परखच्चे उड़े, मौके पर 2 युवकों की मौत

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : शहर के चंदौती इलाके में सोमवार सुबह तेज रफ्तार ने दो घरों की खुशियां छीन ली.केवाली गांव के पास सुबह साढ़े 7 बजे के करीब 2 बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई.टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई.गाड़ी के परखच्चे उड़ गए.मृतकों की पहचान धरमपुर गांव निवासी जितेंद्र चौधरी के पुत्र अक्षय कुमार उर्फ कारू(22) और पंचानपुर थाना क्षेत्र के बेलमा गांव निवासी भोली साव के पुत्र सुभाष कुमार(25) के तौर पर हुई है.दोनों युवक शादीशुदा थे.हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने रोड जाम कर दिया.इस दौरान दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारें लग गई.टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर गया, मौके पर ही दम तोड़ दिया.जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची.1 घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया.शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है.पुलिस के सीनियर अधिकारियों का कहना है कि परिजनों को हर संभव सहायता दी जाएगी.मामले की जांच की जा रही है.इस हादसे से स्थानीय लोगों में गुस्सा है.दो दिन पहले भी इसी मार्ग पर बैंक आफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक की सड़क हादसे में मौत हो गई थी. लोगों से प्रशासन से सुरक्षा और स्पीड पर लगाम लगाने की मांग की है.

नागरिक स्वास्थ्य संघ का गणगौर मेले में सेवाकार्य

कोलकाता : गवरजा माता के स्वागत में कलाकार स्ट्रीट ने मेले का रूप ले लिया . नागरिक स्वास्थ्य संघ ने परम्परा अनुसार कलाकार स्ट्रीट - माला पाड़ा मोड़ पर नवरूपा गवरजा मंडलियों एवम् शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया . गवरजा गीतों के गायन के साथ भक्तिमय वातावरण में सम्मिलित मंडलियों की जानकारी पोडकास्ट के माध्यम से दी गई, जिसमें संजय मूंधड़ा का सराहनीय सहयोग था . संघ के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, इन्द्र कुमार डागा के मार्गदर्शन में आयोजित समारोह में राज्य की मंत्री डॉ. शशि पांजा, पार्षद मीना पुरोहित, पार्षद विजय उपाध्याय, पार्षद विजय ओझा, पार्षद महेश शर्मा, एलोरा साहा, पूर्व विधायक संजय बक्शी, स्मिता बक्शी, समाजसेवी नन्द किशोर भूतड़ा, श्रीगोपाल लाखोटिया, स्वपन बर्मन, गणेश चांडक, राकेश मोहता, अशोक चांडक एवम् अतिथियों का स्वागत संघ के मैनेजिंग ट्रस्टी सुरेन्द्र अग्रवाल, सचिव विकाश चन्द चांडक, गोवर्धन मूंधड़ा, नरेन्द्र अग्रवाल, आलोक दमानी, अशोक द्वारकानी, वर्षा डागा, सीमा डागा, सुनीता दुजारी, सुधा मूंधड़ा एवम् कार्यकर्ताओं ने किया . संजय सांगानेरिया, हरि प्रकाश सोनी, सुरेश राठी, गिरिराज सोनी एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे .

बदलाव का सपना लेकर घर-घर पहुंच रहे भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं. इसी कड़ी में आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी घर-घर पहुंच कर जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं.कृष्णेंदु मुखर्जी का कहना है कि वे क्षेत्र में जो बदलाव लाना चाहते हैं, उसे साकार करने के लिए हर घर तक पहुंचना जरूरी है. उन्होंने दावा किया कि उन्हें लोगों की आंखों में भाजपा के प्रति भरोसा साफ दिखाई दे रहा है.

शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर रिषड़ा में विचार गोष्ठी आयोजित

हुगली : शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस के अवसर पर हुगली जिले के रिषड़ा स्थित वेलिंग्टन जूट मिल मैदान में सोमवार को एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का आयोजन रिषड़ा बोधिसत्व डॉ. बी. आर. आंबेडकर जागृति समिति की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और युवा शामिल हुए.इस अवसर पर युवा नेता शुभम कुमार हेला, विनोद कुमार राम, अभय दास, बिट्टू, गुड्डू और अनिकेत सहित कई लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को याद किया.वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्शों को अपनाकर ही समाज में न्याय और समानता स्थापित की जा सकती है.कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से जुड़े विचारों और शहीदों के योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई.

जामुड़िया में आईएसएफ कार्यकर्ता पर हमला, आरोप तृणमूल समर्थकों पर

आसनसोल :. विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राखाकुरिया इलाके में एक (आईएसएफ) कार्यकर्ता हफीजुल रहमान पर कथित रूप से हमला कर दिया गया. हमले में उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान हो गया. घायल कार्यकर्ता को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. आईएसएफ नेताओं के अनुसार, घटना उस समय हुई जब हफीजुल रहमान एक चुनावी बैठक से लौट रहे थे. आरोप है कि रास्ते में माजीरूल रहमान और उसके समर्थकों ने उनका रास्ता रोक लिया और एक कार्यकर्ता पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया. गंभीर रूप से घायल उन्हें जामुड़िया थाना में शिकायत दर्ज कराने के लिए लाया गया. घटना के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव का माहौल बन गया है.हाफिजुल रहमान ने बताया कि वह आइएसएफ पार्टी का कार्यकर्ता है. सोमवार सुबह एक राजनीतिक बैठक थी वहां से जब लौट रहे थे तो तृणमूल कार्यकर्ता में उन पर हमला किया और कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया. जिसमें उनका सिर फट गया है.हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश कमेटी सचिव वी. शिवदासन् दासू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस घटना या मारपीट से उनकी पार्टी का कोई संबंध नहीं है.

चचेरे भाई ने पेंटर को मारी गोली,जमीन विवाद में वारदात, घर से बुलाकर मर्डर

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के चेरकी थाना क्षेत्र में पेंटर अक्षय यादव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है.जमीन विवाद में चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी.शव नदी में फेंक दिया.इस मामले में 24 घंटे के अंदर पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार आरोपियों में सिंपल कुमार, दीपक कुमार और रोहित कुमार शामिल है.सिंपल कुमार मृतक का चचेरा भाई है.खास बात यह भी कि पुलिस अब तक हत्या में इस्तेमाल किए हथियार को बरामद नहीं कर सकी है.पुलिस ने अब तक सिर्फ आरोपियों के दो मोबाइल ही बरामद किए हैं.हत्या की सूचना पर मौके पर जुटी लोगों की भीड़.परिजनों को मुताबिक 18 मार्च को घर पर कुछ लोग आए थे.काम के बहाने उसे बाहर ले गया.देर रात तक

नहीं लौटा.काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला.अगले दिन 19 मार्च को पत्नी ने थाने में अपहरण की सूचना दी.पुलिस ने शुरुआती तौर पर अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन 20 मार्च को कहानी पलट गई.भुसिया घाट से एक शव मिलने की खबर इलाके में तेजी से फैली.मृतक की पहचान अक्षय यादव के तौर पर हुई.बॉडी नदी किनारे पड़ी थी, सिर में गोली मारी गई थी.

इससे साफ हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साजिश के तहत सोची-समझी हत्या है.इसके बाद केस को हत्या में बदलते हुए 21 मार्च को प्राथमिकी दर्ज की गई.नदी से शव बरामद, मौके पर पहुंची पुलिस.पुलिस के सीनियर अफसरों ने टीम बनाई. बोधगया एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी और लोकल इनपुट खंगालना शुरू किया.मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और आसपास के नेटवर्क को खंगाला गया. केस दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर तीन आरोपी पकड़े गए. पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि जमीन विवाद को लेकर पहले से तनातनी चल रही थी.इसी रंजिश में अक्षय को बहाने से घाट पर ले गए.वहां गोली मारकर हत्या कर दी और शव पानी में फेंक दिया.

अवैध टिकट कारोबार में तीन गिरफ्तार

खड़गपुर : अवैध रेलवे टिकट दलाली के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने न्यू दीघा मार्केट क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.डिविजनल टास्क टीम, खड़गपुर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट दीघा के सहयोग से यह अभियान चलाया गया. वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में टीम ने न्यू दीघा मार्केट इलाके में विशेष निगरानी और जांच अभियान शुरू किया.कार्रवाई के दौरान करीब सोमवार सुबह 11 बजे टीम ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को अलग-अलग दिशाओं से आकर एक होटल के पास मिलते देखा संदेह होने पर आरपीएफ ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की.

शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया

युवा शक्ति न्यूज

बोधगया(गया) : मगध विश्वविद्यालय कैंपस स्थित फाउंटेन गोलंबर के पास महापुरुष विचार मंच के तत्वावधान में सोमवार को शहादत दिवस समारोह में संगोष्ठी का आयोजन किया गया.मौके पर उपस्थित शिक्षक, कर्मचारी,शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं ने शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर उनके चैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया.संगोष्ठी का मुख्य विषय भगत सिंह का समाजवाद और वर्तमान भारतीय राजनीति रहा, जिस पर उपस्थित वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखा.मौके पर उपस्थित डॉ .अनुज कुमार तरुण ने कहा कि भगत सिंह का समाजवाद केवल आर्थिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि वह सामाजिक न्याय और वैचारिक स्वतंत्रता का भी प्रतीक है.आज के समय में उनके विचार युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं.डॉ. अम्बे मैम ने कहा कि भगत सिंह का जीवन हमें संघर्ष, त्याग और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है.शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही हम उनके सपनों का भारत बना सकते हैं.

छात्र नेता दीपक कुमार दांगी ने कहा कि भगत सिंह ने केवल अंग्रेजों से लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि उन्होंने उस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई जो इंसान को इंसान से अलग करती है, जो शोषण और असमानता को जन्म देती है.

आज सवाल यह है कि क्या हम उनके सपनों का भारत बना पाए हैं? जहां शिक्षा सबके लिए हो, जहां अवसर बराबर हो,जहां युवा डर के नहीं, अधिकार के साथ जिए.सच यह है कि आज भी शिक्षा में असमानता, बेरोजगारी और भेदभाव हमारे सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है.छात्र सनोज ने कहा कि भगत सिंह युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं.हिंदी विभाग के शोधार्थी रवि रंजन निलय ने कहा कि भगत सिंह का समाजवाद शोषणमुक्त समाज की परिकल्पना करता है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है.पूर्व छात्र नेता सह कवि इंदल जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शहादत दिवस हमें यह याद दिलाता है कि देश के लिए किए गए बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता.साथी उन्होंने अपने मधुर गायकी से सभी का मन मोह लिया.कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन प्रतिभागियों को डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया.कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कमलेश यादव द्वारा किया गया.कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन छात्र नेता दीपक कुमार दांगी ने किया.इस मौके पर विक्रम, पंकज, कुंदन, अभिषेक, मनीष, अभिनाश, मनीष एवं सैकड़ो छात्र मौजूद रहे.

भाजपा नेताओं ने शहीदी दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : शहीद दिवस के पावन अवसर पर भाजपा नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता, संतोष ठाकुर ने सोमवार को भारत मां के वीर सपूत महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई.इन महान क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने की लड़ाई में जो योगदान दिया, वह सदैव अमर रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा.आज शहीद दिवस के अवसर पर अपने प्राणों का आहुति देने वाले भारत मां के वीर सपूत महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर आज उनको नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया इस शहीदी दिवस के अवसर पर भाजपा नेता डॉ मनीष मिश्रा ने कहा आज शहीद दिवस के अवसर पर वीर महान सपूत को नमन वंदन करते महान बलिदानों की याद दिलाने का दिन है, जिनकी वजह से हम आज स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं. उनका यह बलिदान हमें यह सिखाता है कि देश के प्रति सच्चा प्रेम और समर्पण ही सबसे बड़ा धर्म है.डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का जीवन हमें अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है.

आग लगने से चार घर और दो दुकानें जलकर राख

दार्जिलिंग : जिले के कर्सियांग महकमा के मंगपू में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ है. आग में चार घर और दो दुकानें जलकर राख हो गये.जानकारी के अनुसार, चौरस्ता इलाके में एक घर से आग की शुरुआत हुई और देखते ही देखते पास के घरों और दुकानों में फैल गई. पहाड़ों की तेज हवाओं के कारण आग ने जल्दी ही विकराल रूप ले लिया,

सशक्त समाज के निर्माण में नैतिक सोच की भूमिका अहम : प्रो. उर्मिल वत्स

युवा शक्ति न्यूज

टेकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आयोजित समाज में मीडिया की भूमिका और लैंगिक समानता को सुदृढ़ बनाने में उसकी जिम्मेदारी विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया.कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा मुखर्जी महाविद्यालय की प्राध्यापिका और राजनीतिक विज्ञान की विशेषज्ञ एवं प्रख्यात स्त्रीवादी चिंतक प्रो. उर्मिला वत्स ने विद्यार्थियों को संबोधित किया.अपने संबोधन में प्रो. वत्स ने कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण है.उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है, क्योंकि यह जनमत निर्माण करने और समाज के विचारों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है.ऐसे में मीडिया को चाहिए कि वह निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ समाज के हर वर्ग की आवाज को सामने लाए. प्रो. वत्स ने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि मीडिया स्त्रियों की समस्याओं, उनके संघर्षों और उपलब्धियों को प्रमुखता देकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है.उन्होंने कहा कि आज भी कई स्तरों पर लैंगिक असमानता देखने को मिलती है, जिसे दूर करने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है.उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे भविष्य के पत्रकार के रूप में अपने कार्य में सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखें.अतिथि वक्ता ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है.यदि पत्रकार संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएं और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को प्रमुखता दें, तो यह लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बना सकता है.उन्होंने डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा पत्रकारों के पास व्यापक अवसर हैं, लेकिन उन्हें इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों को भी समझना होगा.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने सोमवार को बताया कि इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. के. शिवाशंकर सहित विभाग के प्राध्यापकगण प्रो. आतिश पराशर, प्रो. सुजीत कुमार, प्रो. अनिंद्य देब, डॉ. नेहा सूर्यवंशी एवं डॉ. अनुज कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपने प्रश्न पूछे.प्रश्न उत्तर सत्र में प्रो वत्स ने विस्तार पूर्वक उत्तर देते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में संवेदनशील और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा दी.

अमर शहीदों के सपने को सत्ता के सौदागरों ने चकनाचूर कर दिया : डॉक्टर विवेकानंद मिश्र

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : शहर के स्थानीय गोल बगीचा स्थित डॉ.विवेकानंद विवेकानंद मिश्र के आवास पर, भारतीय राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा एवं कौटिल्य मंच के तत्पावधान में अमर बलिदानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के प्रति समारोह पूर्वक श्रद्धा सुमनकर अर्पित किया गया.सजल नेत्रों से इन महान क्रांतिवीरों को नमन करते हुए समारोह का शुभारंभ महासभा एवं मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विवेकानंद मिश्र ने किया.समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि अखंड भारत के लिए उनका सर्वस्व बलिदान को, आजादी के बाद हमारे रहनुमाओं ने क्षुद्र राजनीति कर सत्ता सुख प्राप्ति का लक्ष्य रखकर बलिदानों के सपने को सत्ता के सौदागरों ने चकनाचूर कर दिया.हमने राष्ट्र को भुला दिया. आज मात्र एक दिखावा बनकर रह गया है

.यह सभा केवल एक कर्मकांड नहीं, बल्कि राष्ट्र की मृतप्राय चेतना को झकझोरने वाला एक वैचारिक प्रहार थी.डॉ.विवेकानंद मिश्र ने वर्तमान व्यवस्था पर अत्यंत कठोर प्रहार किया. उन्होंने गहरे क्षोभ के साथ कहा कि जिन भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने भारत माता की जय करते इंकलाब का उद्घोष करते हुए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को चूम लिया था, आज के स्वार्थलोलुप और दिशाहीन तंत्र ने उनके सर्वोच्च त्याग को पूरी तरह व्यर्थ कर दिया है. उनका वह पावन स्वप्न आज की भ्रष्ट और मूल्यहीन राजनीति के तले पूरी तरह धरा का धरा रह गया है.

सम्मानित साहित्यकार आचार्य राधा मोहन मिश्रा माधव ने समाज के खोखले राष्ट्रप्रेम और पाखंड की कटु भर्त्सना की.महासभा में मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य सच्चिदानंद मिश्रा ने बलिदानियों के सपनों की उपेक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम केवल आज के दिन इन वीरों पर पुष्प चढ़ाने का जो औपचारिकताएं पूरा कर जो मिथ्या प्रपंच रचते हैं,

वह उन शहीदों का अपमान है.सत्य, त्याग और वैचारिक क्रांति का वह दुर्गम मार्ग आज अंधी विलासिता और पतन की भेंट चढ़ चुका है, और देश के जगरूक एवं तथाकथित बुद्धिजीवी समाज उनके आदर्शों का नित्य ही गला घोंट रहा है.

अंत में, छात्र प्रतिनिधि के रूप में दिव्यांशु कुमार ने युवा वर्ग की ओर से इस जड़ व्यवस्था पर सबसे तीखा प्रहार किया.

उसने स्पष्ट किया कि आज की खोखली शिक्षा ने युवाओं को वैचारिक रूप से पंगु बना दिया है.

प्रसिद्ध समाजसेवी, महासभा एवं मंच के सचिव चंदना पाठक का दृढ़ मत था कि जब तक आज का युवा अपनी शून्यता को त्याग कर भगत सिंह के विचारों को अपने रक्त में नहीं उतारेगा और इस सड़ी-गली व्यवस्था से प्रश्न नहीं पूछेगा, तब तक शहीदों के सपनो का भारत एक क्रूर परिहास और हमारे माथे पर कलंक ही बना रहेगा.अंततः सभा ने एक स्वर में यह वेदना प्रकट की कि आज का यह सोया हुआ राष्ट्र, उन महान वीरों के असीम त्याग के साथ एक खुला और निर्लज्ज विश्वासघात कर रहा है.समारोह में जिन प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया, अपने विचार प्रकट उनमें प्रमुख रूप से डॉक्टर प्रेमा प्रसाद, डॉक्टर दीपक कुमार, डॉक्टर ज्ञानेश भारद्वाज, डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह, डॉक्टर रविंद्र कुमार, मनीष कुमार, डिंपल कुमारी, रामजन्म प्रसाद, शंभू यादव, हरेंद्र सिंह, राजदेव शर्मा, बृजेश राय, दीपक कुमार पाठक, प्रोफेसर सुनील, शंभू गिरी, कुमार मिश्रा, डॉक्टर छोटे बाबू, नीरज वर्मा, दिलीप कुमार, शिवजी सिंह, हरेंद्र यादव, मनीष गुप्ता, आचार्य अभय पाठक, आचार्य सुनील पाठक, निरंजन कुमार, नीलम कुमारी, मृदुला मिश्रा, मोहम्मद याहिया, जगन गिरी, खोलो फातिमा, आयशा ताज, फातिमा हिबा, हसरत खातून, तस्लीम नुसरत जहां, अमरनाथ पांडे, रवि कुमार दास, कुंदन मिश्रा, गुंजन कुमार मिश्रा, सुनील कुमार, महेश मिश्रा, सत्येंद्र यादव, जय रामदास, अरुण ओझा, हरिनारायण त्रिपाठी, मनीष मिश्रा, सत्येंद्र दुबे, डॉ विनोद कुमार, विनय मिश्रा, रंजीत पाठक, पवन मिश्रा, राजीव पांडे, हर्ष मिश्रा, शीतल चौबे, विश्वजीत चक्रवर्ती, प्रेरणा अच्युत मराठे, ज्योति मिश्रा, किरण पाठक, राजीव गुर्दा, शिवम गौड, कविता राऊत, रंजना पांडे, सूर्य देव प्रसाद, अमरनाथ, आदि उपस्थित रहे.

मानवाधिकार की सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी :संजय सिन्हा

आसनसोल:औद्योगिक शहर दुर्गापुर में इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल की ओर से ह्यूमन राइट्स पर आधारित सेमिनार में मुख्य वक्ता और संस्था के चेयरमैन संजय सिन्हा ने कहा कि ,'मानवाधिकारों की आधुनिक व्याख्या से बहुत पहले, हमारे ऋषियों और शास्त्रों ने धर्म की रक्षा, करुणा से कार्य करने और न्याय सुनिश्चित करने के कर्तव्य की बात की थी. यह स्थायी नैतिक आधार आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है. यह हमें याद दिलाता है कि मानवाधिकारों की सुरक्षा न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि एक आध्यात्मिक और नैतिक अनिवार्यता भी है, जो भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग है.' श्री सिन्हा ने आगे कहा कि ,' भारत ने मानवाधिकारों का एक मज़बूत और व्यापक ढांचा तैयार किया है. वर्ष 1993 में अपनी स्थापना के बाद से, भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दुनिया के सबसे सम्मानित मानवाधिकार संस्थानों में से एक के रूप में विकसित हुआ है. दूसरी तरफ इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल सिर्फ़ एक संस्थागत उपलब्धि ही नहीं बल्कि यह हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के शाश्वत मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का समय है.' इस मौके पर दूसरे वक्ताओं ने भी सेमिनार को संबोधित किया.चेयरमैन संजय सिन्हा ने समाज सेवी दीपक मुखर्जी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया और उन्हें तमाम दस्तावेज सौंपे.उपस्थित थे रंजीत राम दे,चंदन कुंडू,अंजन दे,कौशिक आदि.

डीएम एवं एसएसपी ने रामनवमी आयोजन समिति के सदस्यों के साथ पूरे रूट लाइन का पैदल निरीक्षण किया

युवा शक्ति न्यूज

गया : आगामी 26 मार्च को ज़िले में भव्य रूप से मनाए जाने वाले रामनवमी पर्व के अवसर पर जिले के डीएम शशांक शुभंकर एवं एसएसपी सुशील कुमार द्वारा सोमवार को रामनवमी आयोजन समिति के सदस्यों के साथ पूरे रूट लाइन का पैदल निरीक्षण किया गया.सर्वप्रथम आजाद पार्क पहुच कर भीड़ नियंत्रण के बारे में जानकारी लिया बताया गया कि रामनवमी के दिन विभिन्न स्थानों से आने वाले शोभा यात्रा आजाद पार्क में एकत्रित होते हैं और यही से निर्धारित रुट से विष्णुपद जाकर शोभा यात्रा समाप्त होती है.निरीक्षण के दौरान उन्होंने आजाद पार्क के समीप मेडिकल फैसिलिटी, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था इत्यादि पूरी मुकम्मल रखवाने का निर्देश दिए हैं.इसके पश्चात सभी अधिकारी पैदल तेलबीघा काली मंदिर पहुचकर शोभायात्रा का रुट देखा, खुली नाली के ऊपर ढक्कन लगवाने को कहा साथ ही रास्ता को समतलीकरण करवाने को कहा है.

इसके पश्चात मुरारपुर काली मंदिर पहुचकर मजबूती से बैरिकेडिंग करवाने को कहा है साथ ही पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी, प्रशासनिक पदाधिकारी का डेपुटेशन करवाने का निर्देश दिए हैं.साथ ही मिनी कंट्रोल रूम भी उक्त स्थान पर संचालित करवाने का निर्देश दिए हैं.इसके पश्चात खैरात अहमद सड़क, दवा मंडी रोड का निरीक्षण किया, सड़क को ठीक करवाने, नाला के ऊपर ढक्कन लगवाने एवं रौशनी की व्यवस्था करवाने को कहा है.इसके पश्चात टेकारी रोड, गोसाई बाग रोड, ढोलकिया गली, केपी रोड, छत्ता मस्जिद, पीर मंसूर, नादरागंज, चांद चौरा होते हुए विष्णुपद तक पैदल निरीक्षण किया.शोभा यात्रा मार्ग में कहीं भी कोई डार्क स्पॉट नहीं रहे इसके लिए रात्रि में सभी पदाधिकारी घूम कर रोशनी का आकलन कर ले, जहां भी रोशनी की कमी पाई जाएगी वहां पर वैकल्पिक लाइट की व्यवस्था करवाये.शोभा यात्रा मार्ग में जहां भी बैरिकेडिंग की आवश्यकता है, सदर एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल के माध्यम से बैरिकेडिंग, वॉच टावर, ड्रॉप गेट इत्यादि लगवाना सुनिश्चित करें.

शोभा यात्रा मार्ग में जहां भी सीसीटीवी, ड्रोन, वीडियोग्राफी की आवश्यकता है उसका रिपोर्ट एसडीओ अभिलंब उपलब्ध करवाए ताकि उक्त स्थान पर व्यवस्था सुनिश्चित करवाया जा सके.शोभा यात्रा मार्ग में जहां भी मिश्रित आबादी है या संवेदनशील स्थान है उन संबंधित स्थान पर विशेष निगरानी एवं सतर्कता के उद्देश्य से पर्याप्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करवाने का निर्देश दिए हैं.शोभा यात्रा मार्ग में जहां कहीं भी आवारा पशु है उसे काऊ कैचर के माध्यम से नगर निगम द्वारा सुरक्षित स्थान पर रखवाया जाए.

उन्होंने सदर एसडीओ एवं ट्रैफिक डीएसपी को निर्देश दिए हैं कि ट्रैफिक प्लान तैयार कर उसे प्रसारित करवाये. अवैध रूप से रास्ते में जहां भी पार्किंग है उसे तुरंत हटवाए ताकि शोभा यात्रा में कहीं कोई दिक्कत नहीं हो.उन्होंने कार्यपालक अभियंता बिजली विभाग को निर्देश दिए हैं कि शोभा यात्रा के दिन बिजली काटने संबंधित सूचना पहले ही सभी लोगों को एसएमएस के माध्यम से जानकारी उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें.शोभा यात्रा के मार्ग में जितने भी लूज वायर हैं उसे तुरंत ठीक करवाने का निर्देश दिए हैं.

उन्होंने अग्निशमन विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रमुख मार्ग एवं विष्णुपद के समीप अग्निशमन वाहन मौजूद रखे.नगर आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि शोभा यात्रा के प्रमुख मार्गो एवं विभिन्न स्थानों पर चलंत वाहनों पर लाइट लगवाकर रौशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करवाये.निरीक्षण में नगर आयुक्त, एडीएम विधि व्यवस्था, सदर एसडीओ, डीटीओ, सीटी डीएसपी एक, सहित विभिन्न थानों के थाना प्रभारी, शोभा यात्रा के आयोजन समिति के सदस्य गण सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 24 मार्च, 2026

फिलहाल आर्थिक मंदी नहीं

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का मानना है कि ईरान युद्ध के कारण विश्व खतरनाक ऊर्जा-संकट की दहलीज पर है. युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से तेल-गैस ठिकानों को इतना तबाह, बर्बाद किया गया है कि उनकी भरपाई में सालों का वक्त लगेगा. ऊर्जा-संकट के साथ खाद्य-संकट भी जुड़ा है. इस समय करीब 32 करोड़ लोग दुनिया में खाद्य-सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं. इसी दौरान 'मूडीज' जैसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का आकलन सामने आया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं. जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी, उसी देश में, 12 माह की अवधि में, करीब 49 फीसदी आर्थिक मंदी की संभावनाएं हैं. अमरीका की जीडीपी 2934 लाख करोड़ रुपए (करीब 30.6 ट्रिलियन डॉलर) की है, जबकि कर्ज 3640 लाख करोड़ रुपए (करीब 39 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है. अमरीका में पेट्रोल-डीजल के दाम भी 17-20 फीसदी तक बढ़ गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-गैस का उत्पादक देश है. नतीजतन अब अमरीका की जनता और विपक्ष राष्ट्रपति ट्रंप को गरियाते हुए सवाल करने लगे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध क्यों छेड़ा गया? यह सरासर अवैध, अनैतिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ यौद्धिक कार्रवाई है. 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' की एक रपट के मुताबिक, इस साल के अंत तक वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0.7 फीसदी की कमी हो सकती है. यह अरबों रुपए की राशि बनती है. कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तो 1929 वाली महामंदी का दौर भी आ सकता है. यदि कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत में भी महंगाई दर 5-6 फीसदी तक बढ़ सकती है. यदि ईरान के दावों के मुताबिक, कच्चा तेल 200 डॉलर तक उछलता है, तो भारत में महंगाई दर 7-8 फीसदी तक पहुंच सकती है. फिलहाल महंगाई दर 3 फीसदी से कुछ अधिक है. वैसे भारत 12-14 फीसदी तक की मुद्रास्फीति झेल चुका है. भारत की जीडीपी भी 1-2 फीसदी कम हो सकती है, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था 'क्रैश' होने की स्थिति में नहीं है और न ही मंदी के पुख्ता आसार हैं. अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के बाद भी भारत की विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक होगी. यदि विकास दर 7 फीसदी से अधिक से लुढ़क कर 3 फीसदी पर आती है, तो हमें आर्थिक मंदी की चिंता करनी होगी. अर्थशास्त्री भारत सरकार से यह आग्रह भी कर रहे हैं कि सरकार तेल से करीब 7 लाख करोड़ रुपए सालाना कमाती है. ईरान युद्ध हमारे लिए एक 'झटका' है, फिलहाल 'संकट' की स्थिति नहीं है. झटके के असर को कम करने के लिए सरकार तेल की कमाई में से कुछ खर्च कर उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है. अभी हमें प्रतीक्षा करनी होगी कि युद्ध के बाद कच्चे तेल के दाम कहां स्थिर होते हैं-80 या 90 डॉलर प्रति बैरल! उसके मुताबिक ही नई नीतियां बनानी होंगी. फिलहाल डॉलर के मुकाबले हमारी मुद्रा 'रुपया' सार्वकालिक निचले स्तर पर है. यह भी हमारी अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार, अंतरराष्ट्रीय खरीद और भुगतान आदि को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है. ईरान ने अभी तक 9 देशों के 39 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं, नतीजतन तेल-गैस की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि उन्होंने या तो उत्पादन बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम कर दिए हैं. भारत में तेल की किल्लत नहीं है. बहरहाल समस्याएं और सवाल तो हैं, लेकिन मंदी की भयावह स्थिति नहीं है.

अखिलेश का मुस्लिम दांव, आजम की कमी या ओवैसी का डर

– संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक दिलचस्प खेल चल रहा है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव एक के बाद एक मुस्लिम नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कराते जा रहे हैं. ईद के बाद से यह सिलसिला और तेज हो गया है. पहले नसीमुद्दीन सिद्दीकी का सपा में आना, फिर बहुजन समाज पार्टी के पूर्व नेता और प्रवक्ता डॉ. एमएच खान का समाजवादी पार्टी में शामिल होना यह महज संयोग नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति है, जिसकी जड़ें कई राजनीतिक मजबूरियों और महत्वाकांक्षाओं में एक साथ गुंथी हुई हैं.सबसे पहले उस खालीपन की बात करते हैं, जो सपा की राजनीति में पिछले कुछ समय से महसूस किया जा रहा है. सपा के बड़े मुस्लिम चेहरे आजम खान जेल में हैं, ऐसे में अखिलेश यादव को एक प्रभावशाली मुस्लिम नेता की जरूरत महसूस हो रही थी. आजम खान सिर्फ एक नेता नहीं थे, वे समाजवादी पार्टी का एक पूरा चेहरा थे. रामपुर और उसके आसपास के इलाकों में उनकी जड़ें इतनी गहरी थीं कि उनके बिना सपा का मुस्लिम वोट बैंक अधूरा लगता था. मंच पर उनकी गैरहाजिरी सपा के लिए एक बड़ा राजनीतिक घाटा रही है. अखिलेश इस घाटे की भरपाई एक नेता से नहीं, बल्कि कई नेताओं को जोड़कर करने की कोशिश में हैं.इसी कड़ी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी का सपा में आना एक बड़ी घटना है. 2007 से 2012 तक चली बसपा सरकार में नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पास करीब 18 विभागों की जिम्मेदारी थी, जिस वजह से राजनीतिक हलकों में उन्हें 'मिनी सीएम' तक कहा जाने लगा था. बसपा से निकाले जाने के बाद वे कांग्रेस में गए, लेकिन वहां भी उनकी राजनीतिक भूख शांत नहीं हुई. अब सपा में आकर उन्होंने न सिर्फ खुद के लिए एक नया मंच तलाश किया है, बल्कि अखिलेश को भी एक ऐसा मुस्लिम चेहरा मिल गया है, जिसे पूरे उत्तर प्रदेश में पहचाना जाता है. नसीमुद्दीन सिद्दीकी करीब 1600 समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुए हैं, जिससे कई जिलों में पार्टी को संगठनात्मक मजबूती मिल सकती है. बसपा के प्रवक्ता डॉ. एमएच खान का सपा में आना भी इसी रणनीति का हिस्सा है. सपा नेतृत्व ने उनका स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि उनके अनुभव और संवाद कौशल से पार्टी को मजबूती मिलेगी और उन्हें सपा का आधिकारिक पैनलिस्ट बनाया गया है. यानी मीडिया की बहसों में, जहां आजम खान की आक्रामक आवाज की कमी खलती थी, वहां अब डॉ. खान जैसे अनुभवी प्रवक्ता पार्टी का पक्ष रखेंगे. यह एक व्यावहारिक और चतुर राजनीतिक कदम है.लेकिन अखिलेश की यह बेचैनी केवल आजम खान की अनुपस्थिति से नहीं उपजी है. इसके पीछे एक और बड़ा कारण है और वह है असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी एआईएमआईएम. जान लें कि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम यूपी में 200 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है. भले ही यूपी में ओवैसी का पिछला प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा हो, पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम 95 सीटों पर लड़ी और 94 में उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी, लेकिन मुस्लिम वोटों के बिखराव का डर सपा को हमेशा सताता रहता है. बिहार में ओवैसी ने दिखाया है कि वे छोटी-छोटी जगहों पर चुनाव जीत सकते हैं. यूपी में अगर उन्होंने 10-15 सीटें भी निकाल लीं, तो वह सीधे सपा का नुकसान होगा. अखिलेश यादव ने खुद कहा कि ओवैसी को अगर यूपी आना है तो वो साइकिल पर सवार होकर आएं, नहीं तो माना जाएगा कि उनके अंडरग्राउंड तार भाजपा से जुड़े हैं. यह बयान बताता है कि अखिलेश ओवैसी को कितनी गंभीरता से लेते हैं. उनके लिए ओवैसी एक सीधा प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि वह 'वोट कटुआ' है, जो चुनाव के नतीजे पलट सकता है. इसीलिए अखिलेश की पूरी कोशिश यह है कि मुस्लिम मतदाता को यह संदेश दिया जाए कि उनका असली और ताकतवर नेतृत्व सपा के पास है, ओवैसी के पास नहीं. यूपी में करीब 19 फीसदी मुस्लिम वोट हैं और 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को 79 फीसदी मुस्लिम वोट मिला था. यह आंकड़ा देखने में बड़ा लगता है, लेकिन इसी में सपा की चुनौती भी छुपी है. जब इतना बड़ा वोट बैंक आपके साथ हो, तो उसे बनाए रखना और भी मजबूत करना दोनों जरूरी हो जाता है. 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को 92 फीसदी मुस्लिम वोट मिला. यह उछाल सपा को उत्साहित करता है, लेकिन यह भी डराता है कि इतना बड़ा वोट बैंक एकजुट रहे, इसके लिए लगातार मेहनत करनी होगी.राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अखिलेश यादव जिस तरह से बसपा और कांग्रेस के कद्दावर नेताओं को अपनी टीम में शामिल कर रहे हैं, उससे 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात अभी से बिछ गई है. मुस्लिम नेताओं को जोड़ने के साथ-साथ अखिलेश अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉर्मूले को धार देने में लगे हैं. यह फॉर्मूला 2027 में उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है.कुल मिलाकर ,अखिलेश यादव की यह मुस्लिम नेताओं को जोड़ने की मुहिम कई परतों वाली राजनीति है. एक तरफ आजम खान की कमी पूरी करने की जरूरत है, दूसरी तरफ ओवैसी के बढ़ते प्रभाव को रोकना है और तीसरी तरफ 2027 के लिए एक ऐसा गठजोड़ तैयार करना है, जो भाजपा को सत्ता से बाहर कर सके. यह खेल जितना आसान दिखता है, उतना है नहीं. लेकिन अखिलेश की चालें बता रही हैं कि वे इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे हैं. *(वरिष्ठ पत्रकार)*

नक्सल मुक्त भारत की संकल्पना होने लगी साकार

– विक्रम उपाध्याय

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत को नक्सल-मुक्त बनाने की समय सीमा 31 मार्च 2026 तय की थी. इसलिए यह जानना जरूरी है कि क्या सचमुच सरकार ने इतनी बड़ी सफलता हासिल कर ली है? क्या अब नक्सल हिंसा में किसी नागरिक को बेवजह जान नहीं गंवानी पड़ेगी? यह कहने में अब किसी को संकोच नहीं होना चाहिए कि भारत सचमुच वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में ऐतिहासिक सफलता हासिल कर चुका है. आंकड़े इसके गवाह हैं. जहां 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, वह 2025 के अंत तक घटकर सिर्फ तीन ही रह गई और उनमें भी कोई बड़ा नक्सली नेता जीवित या सक्रिय नहीं बचा. यानी नक्सल हिंसा से मुक्ति की संकल्पना सच होने लगी है. एक समय था जब छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और बिहार समेत आधा दर्जन राज्यों में रेड कॉरिडोर स्थापित था. जहां से नक्सली बड़े बड़े हिंसक अभियान चलाते थे. लेकिन 2014 के बाद शुरू हुए नक्सल उन्मूलन अभियान ने तस्वीर बदल कर रख दी है. एक दशक से भी कम समय में नक्सल प्रभावित इलाकों में 600 से ज्यादा नए और आधुनिक पुलिस थाने बनाए गए हैं और हर जगह आसानी से सुरक्षा बलों को पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तैयार किए गए हैं. लेकिन जो नक्सली हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के लिए तैयार हुए, उन्हें आत्मसमर्पण के लिए सम्मानजनक जीवन के विकल्प भी दिए गए . उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के लिए विकास और सुरक्षा की योजनाएं ईमानदारी से लागू की गई हैं और और जिन अतिवादियों ने फिर भी हिंसा का मार्ग नहीं छोड़ा, उनके सफाए के लिए सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) को पूर्ण अधिकार दे दिया गया. सुरक्षा बलों को जब ऑपरेशन वाले क्षेत्र के नक्शे, हेलीकॉप्टर और अन्य सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए गए तो कुछ समय बाद ही नक्सलियों की बादशाहत खत्म होने लगी. घात लगाकर हमलों और छापों के जरिए निर्दोष लोगों को मारने वाले नक्सली खुद को बचाने में ही परेशान होने लगे. सबसे बड़ी बात यह रही कि नक्सल विरोधी अभियानों में नियमित सैनिकों को शामिल नहीं किया गया. इतिहास की बात करें तो 60 के दशक में नक्सल आंदोलन का जन्म बंगाल में आदिवासियों के खिलाफ पुलिस और जमींदारों के बीच संघर्ष के कारण हुआ, लेकिन जब पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना के नेता माओ जेडोंग इस आंदोलन के वैचारिक केंद्र बन गए तो इसका स्वरूप भारतीय सरकारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में बदल गया. नक्सलियों के लिए हथियार पश्चिम बंगाल में ही बनाए जाने लगे. कोलकाता का प्रेसीडेंसी कॉलेज नक्सलवाद का गढ़ बन गया. फिर सान्याल और मजूमदार के गुट वाली वामपंथी पार्टी ने हिंसक क्रांति का मार्ग चुना और भारतीय राज्य की नींव को ही उखाड़ फेंकने का विचार फैलाया . बाद में कुछ राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता के लिए नक्सलियों का इस्तेमाल करने लगीं. वर्ष 2004 में जब पीपुल्स वार ग्रुप और माओइस्ट कॉम्युनिस्ट सेंटर का विलय हुआ तो हिंसा उन इलाकों में भी फैल गई जहां पहले शांति थी. भारतीय सत्ता के खिलाफ लगातार हिंसक संघर्ष देखा गया. छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा नक्सल गतिविधियों का एक बहुत बड़ा केंद्र बन गया. वर्ष 2010 में 76 सी आरपीएफ जवानों का कत्ल हुआ तो 2012 में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कलेक्टर का अपहरण हो गया और फिर 2013 में सलवा जुडूम शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा समेत कई बड़े नेताओं और सुरक्षा कर्मियों की हत्या नक्सलियों ने कर दी. लेकिन 2014 में अपनी सरकार बनाने से पहले ही नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की धरती से ही यह ऐलान कर दिया कि धरती को लाल करने का नारा देने वाले या तो धरती को हरा-भरा करने के उद्देश्य के साथ मुख्यधारा में लौट आएं या फिर आरपार की लड़ाई के लिए तैयार हो जाएं. जब गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने जिम्मेदारी संभाली तो तय हो गया कि अब भारत वामपंथी उग्रवाद को सहन नहीं करेगा और इसे पूरी तरह से खत्म करने का अभियान शुरू किया जाएगा. इसके लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ स्पष्ट रणनीति बनाई गई. माओवादी हिंसा के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' की दृढ़ नीति बनाकर इसे व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का हिस्सा बना दिया गया. गृह मंत्रालय के नेतृत्व में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित अभियान शुरू किए गए और एक मजबूत खुफिया तंत्र विकसित किया गया. शीर्ष माओवादी नेतृत्व के मूवमेंट के बारे में रियल टाइम की सूचनाएं प्राप्त कर उनको खत्म किया जाने लगा. जो आत्मसमर्पण करना चाहते थे उन्हें पुनर्वास का विकल्प दिया गया. ऑपरेशन इतना सटीक चलाया गया कि 2025 तक, नक्सलवाद के नेतृत्व को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया. गृहमंत्री अमित शाह ने अभी हाल ही में फिर दावा किया कि मार्च के अंत तक भारत नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा. सरकार के दावे को नकारा नहीं जा सकता. नक्सली उग्रवाद पर लगाम के जो आकड़े उपलब्ध हैं, उससे यह निष्कर्ष निकलता है कि केंद्र और प्रभावित राज्यों ने मिलकर छह दशक से भी पुराने इस हिंसक आंदोलन को पहली बार पूरी तरह से कुचलने में कामयाब हुए हैं. 2014-24 के बीच हिंसक घटनाओं में भारी कमी आई. नक्सलियों के हाथों सुरक्षा बलों के मारे जाने की घटनाओं में लगभग 73 प्रतिशत और नागरिकों की मौतों में लगभग 70 प्रतिशत की सीधी कमी देखी गई. अब केवल छत्तीसगढ़ के तीन जिलों के कुछ हिस्सों में ही नक्सलियों की उपस्थिति सीमित रह गई है और उन्हें भी नक्सल मुक्त करने का अभियान जारी है. कई राज्यों ने तो आधिकारिक तौर पर खुद को नक्सल-मुक्त घोषित कर दिया है. बिहार और मध्य प्रदेश इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं. माओवादी नेता देवूजी के आत्मसमर्पण के बाद तेलंगाना भी अब नक्सल मुक्त हो चुका है. नक्सल कैडर अब किस तरह से हताश हो चुके हैं, वे इन आकड़ों से पता चलता है कि अकेले 2024-25 में ही लगभग 2,900 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया और 1,900 से अधिक की गिरफ्तारियां हुईं. यही नहीं 600 से अधिक माओवादियों को मुठभेड़ में खत्म भी किया गया. पांच, दस नहीं, बल्कि 28 शीर्ष माओवादी नेताओं को भी खत्म कर दिया गया. जिनमें माओवादी वाम महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू, केंद्रीय समिति के सदस्य पतिराम मांझी और गणेश उइके जैसे बड़े नक्सली नेता शामिल हैं. केंद्र सरकार ने एक तरफ सख्त सुरक्षा अभियान और कोइ ढिलाई नहीं की नीति अपनाई वहीं, विकास के वृहद कार्यक्रम चलाए और सबके पसंद के पुनर्वास प्रोग्राम भी शुरू किये. इस रणनीति के कारण ही स्थानीय लोगों का माओवादी नेताओं से मोहभंग हुआ और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल हुईं. मोदी सरकर ने एक तरफ सुरक्षा और नक्सल विरोधी अभियान को नई धार दी तो वहीं उग्रवाद प्रभावित लोगों की सामाजिक व आर्थिक जरूरतों का भी पूरा ख्याल किया. इसके कारण ही ऑपरेशन आक्टोपस, डबल बुल, चक्रबंध और ब्लैक फॉरेस्ट को

कामयाबी मिली. स्थानीय लोगों ने भी सरकार के खुफिया-आधारित अभियानों का समर्थन किया. मोदी सरकार ने नक्सल विरोधी अभियान के लिए केवल सुरक्षा बल के प्रयोग को प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि लगभग 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण जंगल क्षेत्रों में कर डाला, 6,500 से अधिक मोबाइल टावरों की स्थापना की और 1,800 से अधिक शाखाओं के साथ बैंकिंग के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया, ताकि योजनाओं के पैसे लोगों तक आसानी से पहुंच सके. नक्सल उन्मूलन की यह सफलता बताती है कि दृढ़ इच्छा शक्ति और स्पष्ट नीति के साथ कोई काम किया जाए तो उसके सफल होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं.

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

24 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 24 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शुक्र है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आप वृहस्पति एवं शुक्र ग्रह के सम्मिलित प्रभाव से युक्त होंगे. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा. कार्यों में अनिश्चिंतता का समावेश रहेगा. दूसरों की प्रगति देखकर उससे आगे निकल जाने की अद्भुत क्षमता है. सौन्दर्य प्रसाधन वस्तुओं के क्रय में अधिक व्यय करेंगे. जनसम्पर्क का लाभ मिलेगा. प्रमुख उद्देश्य सुख-शांति का जीवन व्यतीत करना होगा. विद्या-अध्ययन में व्यवधान रहेगा. किसी की चापलूसी या झूठी प्रशंसा करना पसंद नहीं करेंगे. सज-संवर कर रहना अधिक पसंद करेंगे. जीवन में आकस्मिक घटनायें अधिक घटित होंगी. कार्यों में अनिश्चिंतता का समावेश रहेगा. शारीरिक श्रम की अपेक्षा मानसिक श्रम को अधिक महत्व देंगे. स्वयं के प्रयत्न से ही सफलता प्राप्त करेंगे. त्वरित निर्णय व दूरदर्शिता सफलता में सहायक सिद्ध होगा. जीवन में परेशानी की स्थिति में अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना बराबर करें. अपने दैनिक जीवन में हल्का नीला एवं सफेद रंग का प्रयोग अधिकतम करें. कुँवारी कन्याओं को सफेद सामान दान में देवें. गाय को नियमित रूप से मीठी रोटी अवश्य खिलावें. सदाचार का पालन सदैव करें. परोपकार अवश्य करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शुं शुक्राय नम:	मास	:	फरवरी, अप्रैल एवं नवम्बर
व्रत	:	शुक्रवार	वर्ष	:	6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	हल्का नीला एवं सफेद
दिनांक	:	6, 15, 24	जन्मरत्न	:	हीरा
अंक	:	4, 5, 8	उपरत्न	:	सफेद पुखराज

यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 अप्रैल से 21 मई, 23 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : निराशा का समापन, शारीरिक कष्ट में कमी, समझदारी से लिया गया निर्णय हितकर, लाभ का सिलसिला, जीवन साथी से सामंजस्य, राजनीतिक कृत्यों में वृद्धि.

वृषभ : सोचे हुए कार्य पूर्णता की ओर, उच्चाधिकारियों से अपेक्षित सहयोग, कठिनाइयों का निराकरण, धन की प्राप्ति, दाम्पत्य जीवन मधुर, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त.

मिथुन: शारीरिक मानसिक कष्ट, कार्यों में व्यवधान, समस्या से तनाव, विचारों में उग्रता, अशांति, परिवार में अनावश्यक खर्च, किसी से विश्वासघात की आशंका.

कर्क : वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि का प्रयास, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, भौतिक सुख के साधन उपलब्ध, विवाद का निर्णय पक्ष में, वांछित सफलता.

सिंह : सामयिक सिद्धि का प्रयास सार्थक, कुछेक समस्याएं सुलझने की ओर, श्रेष्ठजनों से अनुकूलता, मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय, कर्ज की अदायगी संभव.

कन्या: अभिलाषा की पूर्ति, आशानुकूल घटनाएं घटित, संतान पक्ष से चिन्ताएं कुछ कम, राजनैतिक पक्ष से लाभान्वित, अध्यावसाय की ओर रुझान, दाम्पत्य जीवन में मधुरता.

तुला: स्वास्थ्य में शिथिलता, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर, नवउत्तरदायित्व को निभाने में मुश्किलें, आय की तुलना में व्यय की अधिकता, चोट-चपेट संभव.

वृश्चिक : किसी योजना की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील, आत्मसंयम से कार्यों में प्रगति का सिलसिला, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, मनोविनोद के अवसर सुलभ, हर्ष भी.

धनु : व्यावसायिक प्रगति हेतु विचार विमर्श, शुभ भावनाओं का उदय, विरोधी परास्त, अपने स्तर को बनाए रखने के लिए व्यय, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, यात्रा सफल.

मकर : परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, आर्थिक स्थिति में सुधार, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि, प्रतियोगिता में सफलता, मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय.

कुम्भ: कार्यों में अवरोध, जोखिम से हानि संभव, एकाग्रता का अभाव, वरिष्ठजनों की सलाह अमान्य, आपसी जनों से अनबन, शारीरिक मानसिक कष्ट, चोट-चपेट.

मीन: अभीष्ट सिद्धि का प्रयास सार्थक, विशिष्टजनों से सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त, किसी विवाद का समापन, आहार-विहार में नवीनता, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

बदल गया है दिल्ली का राजनीतिक भूगोल

– मनोज कुमार मिश्र

बांग्लादेश की सीमा से लगे राज्यों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार इत्यादि राज्यों की तरह दिल्ली का भी राजनीतिक समीकरण पिछले कुछ सालों में बेहिसाब बदल गया है. इसी का परिणाम है कि चुनाव जीतने के हर तरकीब अपनाने के बावजूद 27 साल बाद पिछले साल फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में करीब तीन फीसदी के अंतर से भाजपा चुनाव जीत पाई. सीटों में काफी अंतर रहा. 70 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा को 48 और दस साल से प्रचंड बहुमत से सरकार में काबिज आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली. यह साबित हो चुका है कि बिहार से सीमांचल में मुस्लिम आबादी इतनी ज्यादा हो गई कि भाजपा की जीत तभी हो पाई जब एआईएआईएम जैसी मुस्लिम पार्टी ने पांच सीटें जीतीं और कई सीटों पर अच्छी संख्या में वोट हासिल पर पाई. यही स्थिति असम में भी पिछले चुनाव में हुई. दिल्ली में 2011 की जनगणना के हिसाब से मुस्लिम आबादी 15 फीसदी हैं. उससे पहले उनका औसत 12 फीसदी था. अब जब भी जनगणना होगी इसमें और बढ़ोतरी होना तय सा है. आजादी के बाद से दिल्ली की आबादी का अनुपात या यूं कहें तो जातीय समीकरण बदलता रहा है. आजादी के बाद बड़ी संख्या में पाकिस्तान से हिंदू और सिख दिल्ली आए. उनमें कांग्रेस का भी समर्थन करने वालों की संख्या थी लेकिन ज्यादातर जनसंघ (आज की भाजपा) के समर्थक थे. यह मान लिया गया था कि पाकिस्तान से आए विस्थापित, सरकारी कर्मचारी, सवर्ण हिंदू और वैश्य इत्यादि जनसंघ के और दिल्ली देहात के गांव के रहने वाले, पुरानी दिल्ली के मुसलमान और गरीब बस्तियों में रहने वाले कांग्रेस के समर्थक होते हैं. दिल्ली में शुरू से ही रोजगार, कारोबार और पढ़ाई करने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते रहा हैं. अपना समर्थन बढ़ाने के लिए कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने इमरजेंसी में अनेक पुनर्वास कालोनियां बसाईं और उस इलाके से कांग्रेस लगातार जीतती रही. 1982 के एशियाड खेलों के आयोजन में बड़े पैमाने पर दिल्ली में निर्माण हुए. उसके लिए बाहर से मजदूर आए और फिर बाहर से आने वालों का सिलसिला बढ़ता गया. माना गया कि दिल्ली की स्वाभाविक आबादी में होने वाली बढ़ोतरी के साथ-साथ हर साल करीब पांच साल अतिरिक्त आबादी दिल्ली में जुड़ जाती है. इसी की आड़ में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी दिल्ली में भी घुसपैठ करके वोट और नोट की राजनीति में दिल्ली के नागरिक बनते जा रहे हैं. उन्होंने कई नए इलाकों को मुस्लिम बहुल बना दिया है. यह आबादी पहले आंख मूंदकर भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस को वोट करती रही. मुस्लिम आबादी के चक्कर में भाजपा के नेता झुग्गी और अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों का विरोध करके एक बड़े वर्ग को अपना विरोधी बना लिया. पहले यह वर्ग कांग्रेस के साथ था, आप ने राजनीति ही इन्हीं लोगों को अपने पक्ष में करने से किया. उनका हर तरह से समर्थन करने के साथ-साथ आप ने मुफ्त की रेवड़ियां बांटी. कांग्रेस के नेता छुप-छुपाकर इनका समर्थन करते थे, आआपा के शीर्ष नेता अरविंद केजरीवाल समेत हर नेता इन घुसपैठियों का खुलेयाम समर्थन करते हैं. उल्टे-सीधे प्रयासों से आआपा ने कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले कमजोर वर्गों, अल्पसंख्यक और पूर्वांचल(पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड आदि के मूल निवासी) के प्रवासियों को अपना स्थाई वोटर बना लिया. 2013 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली के अल्पसंख्यकों ने गलतफहमी में कांग्रेस के वोट दिया. तब उन्हें लगा कि भाजपा को कांग्रेस हरा रही है. उसके बाद के दोनों विधानसभा चुनावों में इस वर्ग ने आप को वोट किया. आप रिकार्ड सीटों से सत्ता में रही. आजादी के समय मुस्लिम आबादी पुरानी दिल्ली तक सिमटी हुई थी. जामिया मिल्लिया इस्लामिया बनने के काफी सालों बाद जामिया के आस-पास के नए और पुराने मोहल्ले मुस्लिम आबादी वाले हुए. बल्कि 2019 में नागरिक संशोधन एक्ट (सीएए) लागू किए जाने के खिलाफ सबसे बड़ा आंदोलन उसी इलाके के शाहीन बाग में 15 दिसंबर, 2019 से 8 फरवरी,2020 तक चला. उस कानून में पड़ोसी देशों में रहने वाले हिंदू, सिख, बौध, जैन, पारसी और ईसाई को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया था. कहा जा रहा था कि विरोध सीएए लागू होने से ज्यादा यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर(एनआरसी) लागू किए जाने से रोकने के लिए किया गया था. उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहली राज्य बन गया है. इन दोनों को देश भर में कब लागू किया जाएगा कहा नहीं जा सकता है. दिल्ली में पहले विधानसभा की चार सीटें ऐसी थीं जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसदी से ज्यादा थी. पहले मुस्लिम आबादी का औसत दस फीसदी से नीचे थी. 2001 में 12 फीसदी हुआ और 2011 में यह 12 से बढ़कर अब 15 फीसद से ज्यादा हो गई है. नई जनगणना में यह और बढ़ने की संभावना है. 70 में से 17 सीटें ऐसा हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 फीसद से ज्यादा हैं. इनमें सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमरान, ओखला, मुस्तफाबाद, किराड़ी, चांदनी चौक, गांधीनगर, करावल नगर, विकास पुरी, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, बाबरपुर, मोतीनगर, मालवीय नगर, सीमापुरी और छत्तरपुर शामिल हैं. यह संख्या लगातार बढ़ रही है. इस बदले अनुपात के चलते ही अनुसूचित जाति का औसत 18 से घटकर 17 हो गया. इसके चलते अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 13 से घट कर 12 हो गई. दिल्ली के 70 में से 42 सीटों पर पूरबियों (पूर्वांचल के प्रवासी) का वोट 20 फीसद से ज्यादा है. इसके चलते पिछले कई चुनावों से पूरबिए नेताओं को दिल्ली की राजनीति में महत्व मिलने लगा. सबसे पहले बिहार मूल के महाबल मिश्र को कांग्रेस ने पहले विधायक और सांसद का टिकट दिया. उसके बाद भाजपा ने भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकार मनोज तिवारी को सांसद और प्रदेश का अध्यक्ष बनाया. 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए पहले बिहार मूल के नेता कीर्ति आजाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाना तय किया गया. वे पहले भाजपा के दिल्ली से विधायक और बिहार से सांसद थे. अचानक कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता सुभाष चोपड़ा को अध्यक्ष और आजाद को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बना दिया गया. गुटबाजी में आजाद अलग-थलग हो गए, उन्हें दिल्ली कांग्रेस दफ्तर में नियमित बैठने के लिए कमरा तक नहीं दिया गया. बाद में चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर लोकसभा के सदस्य बन गए. 2020 के विधानसभा चुनाव के कुछ समय बाद कांग्रेस के पूर्वांचल के सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे पूर्व सांसद महाबल मिश्र भी कांग्रेस छोड़कर आआपा में शामिल हो गए. इस बार आआपा ने उन्हें पश्चिमी दिल्ली से लोक सभा उम्मीदवार बनाया. उनके पुत्र विनय मिश्र पहले से ही आआपा में शामिल होकर विधायक बने. इस बार वे भी पराजित हुए. पुरबिए वोट तो प्रयास करने से कम-ज्यादा भाजपा को मिलते रहे हैं और भविष्य में भी मिलेंगे. उत्तराखंड के प्रवासियों का लगातार समर्थन भाजपा को मिलता रहा है. उसमें कम विभाजन हुआ है. इसके अलावा भाजपा को परंपरागत वोट भी मिलते रहे हैं, अब समीकरण बदल गए हैं और लगातार बदलते जाएंगे. दिल्ली विधानसभा पिछले कई चुनावों में भाजपा केवल इसलिए हार रही थी कि उसके खिलाफ वोट करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. भाजपा के लिए आसान विकल्प तो यह है कि वह असम और बिहार जैसे मजबूत तीसरा विकल्प बनाए जैसा अगले महीने होने वाले चुनाव में भाजपा असम का फार्मूला पश्चिम बंगाल में आजमाने की कोशिश कर रही है. यह विकल्प स्थाई नहीं हो सकता है. जिस तरह से नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च,2026 तक देश को नक्सल मुक्त करने के अपने वादे को पूरा करके दिखाया, उसी तरह सरकार को देश को तय समय सीमा में विदेशी घुसपैठ से मुक्त करने का संकल्प लेना होगा. देश की राजधानी दिल्ली इस बार तो हर संभव प्रयास करके भाजपा जीत ली है लेकिन आगे जीतना संभव नहीं होगा. तीन फीसदी का अंतर स्थाई नहीं माना जा सकता है. इस तर्क में कोई दम नहीं है कि कई बार से लगातार दिल्ली की लोकसभा की सभी सीटें भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर जीतती रही है. अगर ऐसा होता तो पहले भी जीत होती. इस विधानसभा चुनाव में भी मिली जीत में एक बड़ा योगदान प्रधानमंत्री का नाम होगा, वोट समीकरण ठीक किए बिना स्थाई जीत संभव नहीं हैं. केन्द्र सरकार को अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक खत्म करने और सीएए जैसे कड़े फैसले लेने होंगे. *(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)*

न्यूज कॉर्नर

सिलीगुड़ी से शुरू होकर भवानीपुर में खत्म हो सकता है प्रधानमंत्री मोदी का चुनाव अभियान

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने राज्य में 14 चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले हैं. उनके चुनाव अभियान की शुरुआत दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी से होने की संभावना है, जबकि समापन दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में एक बड़े रोड शो और जनसभा के साथ हो सकता है. सिलीगुड़ी में पहले चरण के तहत 23 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि भवानीपुर में दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे. भवानीपुर सीट इस बार काफी चर्चित मानी जा रही है क्योंकि यहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है.
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री के कोलकाता में दो कार्यक्रम प्रस्तावित हैं. इनमें से एक उत्तर कोलकाता की किसी विधानसभा सीट पर और दूसरा दक्षिण कोलकाता में जनसभा आयोजित होगी. दक्षिण कोलकाता के कार्यक्रम के लिए भवानीपुर को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही जा रही है क्योंकि इस सीट पर इस बार हाई प्रोफाइल मुकाबला होने जा रहा है.
प्रधानमंत्री के इन 14 कार्यक्रमों में जनसभाओं के साथ रोड शो भी शामिल रहेंगे. इससे पहले उन्होंने कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन तय है और राज्य की जनता बदलाव चाहती है. उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य में वर्तमान व्यवस्था को समाप्त करने की मांग तेज हो रही है.
सूत्रों ने यह बताया कि प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी राज्य में आठ चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, जिनमें जनसभाएं और रोड शो शामिल हैं. वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सात जनसभाओं को संबोधित करेंगे. इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी छह जनसभाओं को संबोधित करेंगे. भाजपा के शीर्ष नेताओं की इन सक्रिय चुनावी रैलियों से राज्य का चुनावी माहौल और अधिक तेज होने की संभावना जताई जा रही है.

वाम मोर्चा के 15 उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी, फॉरवर्ड ब्लॉक को एक सीट पर मौका

कोलकाता: बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए वाम मोर्चा ने अपने 15 उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी की है. सोमवार की शाम जारी की गयी लिस्ट में सबसे ज्यादा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम के उम्मीदवार हैं. इस लिस्ट में लेफ्ट फ्रंट के सहयोगी दलों में शामिल ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) को एक सीट पर चुनाव लड़ने का मौका दिया गया है. फॉरवर्ड ब्लॉक के टिकट पर सिताई (एससी) सीट पर अरुण कुमार वर्मा चुनाव लड़ेंगे.
लेफ्ट फ्रंट ने अब तक कुल 239 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. पहले चरण में 192, दूसरे चरण में 32 और तीसरे चरण में 15 उम्मीदवारों की घोषणा की. सोमवार 23 मार्च को वामदलों ने अलीपुरदुआर, चोपड़ा, इस्लामपुर, लालगोला, हरिहरपाड़ा, हरिनघाटा, भाटपाड़ा, फालता, एंटाली, श्यामपुकुर, बागनान, चंद्रकोना (एससी), गड़बेता और सालतोरा (एससी) विधानसभा सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं.
लेफ्ट के उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट: 1. सिताई (एससी) अरुण कुमार वर्मा (एआईएफबी) 2. अलीपुरदुआर- श्यामल रॉय (सीपीआईएम) 3. चोपड़ा-मालेकेर रहमान (सीपीआईएम)4. इस्लामपुर- बाजिल अख्तर(सीपीआईएम) 5. लालगोला-बबलुज्जमां (सीपीआईएम) 6. हरिहरपाड़ा-जमीरुद्दीन मोल्ला (सीपीआईएम)7. हरिनघाटा (एससी)-स्वपन सरकार (सीपीआईएम)8. भाटपाड़ा-आसनारायण सिंह (सीपीआईएम)9. फालता- शंभु कुइली (सीपीआईएम) 10. एंटाली- अब्दुर रऊफ (सीपीआईएम)12. श्यामपुकुर- झुमा दास (सीपीआईएम) 13. बागनान- भास्कर रॉय (सीपीआईएम)14. चंद्रकोना (एससी)- सुपर्णा दोलुई (सीपीआईएम)15. गड़बेता- तपन घोष (सीपीआईएम) 16. सालतोरा (एससी)- नंदलाल बाउड़ी (सीपीआईएम).

चुनाव से पहले कार्रवाई: बंगाल से 180 करोड़ से ज्यादा की नकदी सहित शराब व ड्रग्स जब्त

जगदीश यादव

कोलकाता: बंगाल के वातावरण में चुनावी सरगर्मी देखी जा रही है. चुनाव प्रचार जम गया है और नेतागण धूप में भी डगर-डगर से लेकर घर-घर की खाक छान रहे हैं. ऐसे में चुनाव आयोग की भी इस राज्य में अभूतपूर्व सक्रियता देखी जा रही है. दिन हो या रात सुबह हो या तड़के, चुनाव आयोग अपने कार्य में वक्त को नहीं देख रही है. इसी क्रम में चुनाव आयोग ने चुनाव से पहले और इस खबर के लिखे जाने तक 180 करोड़ से ज्यादा नकदी व शराब-ड्रग्स जब्त चुकी थी. साफ कहें तो बंगाल के सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (एमसीसी) को सख्ती से लागू किया जा रहा है. चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है. मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने जारी एक बयान में कहा गया है कि सभी जिलों में बड़े पैमाने पर पब्लिक और प्राइवेट प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने वाले सामान को हटा दिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि एमसीसी लागू होने के बाद से कई प्रवर्तन एजेंसियां नकदी, शराब और नशीले पदार्थों की आवाजाही पर व्यापक निगरानी रख रही हैं. चुनाव अधिकारियों के अनुसार, 22 मार्च तक कुल जब्ती लगभग 181.31 करोड़ तक पहुंच गई है. आयोग के अनुसार कैश और दूसरे सामान के गैर-कानूनी आवाजाही को रोकने के लिए 1,800 से ज्यादा फ्लाइंग स्क्वाड टीम (एफएसटी) और 2,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) तैनात की गई हैं. इन टीमों को शिकायतों पर कार्रवाई करने, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करने और मतदाताओं को प्रभावित कर सकने वाले धन और अन्य सामग्रियों के अवैध परिवहन को रोकने का कार्य सौंपा गया है. जारी बयान में कहा गया है कि पुलिस ने क्रिमिनल इंटिमिडेशन और वोटर को डराने-धमकाने से जुड़े मामलों में भी गिरफ्तारियां की हैं, जबकि कड़ी निगरानी के तहत बिना लाइसेंस वाले हथियार और विस्फोटक जब्त किए गए हैं. बहरहाल जो भी हो बंगाल में चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद चुनाव आयोग ने निष्पक्ष मतदान को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने 50 से अधिक टॉप अधिकारियों का तबादला कर दिया है. हालांकि चुनाव आयोग के इस कदम की राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कड़ी आलोचना की है और इसे राज्य में अघोषित राष्ट्रपति शासन करार दिया है. मामले पर एक अधिकारी ने कहा कि, जिस तरह से चुनाव आयोग सक्रिय है वह अपने आप में उल्लेखनीय है. बंगाल के इतिहास में इस आयोग की सक्रियता इस तरह से नहीं देखे जाने की बात कही जा रही है.

बंगाल में चुनाव पूर्व कूचबिहार में केंद्रीय बलों को दी जाएगी बुनियादी बांग्ला की ट्रेनिंग

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कूचबिहार जिला प्रशासन ने केंद्रीय सुरक्षा बलों और आम लोगों के बीच बेहतर संवाद सुनिश्चित करने के लिए जवानों को बुनियादी बांग्ला भाषा का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है. इसका उद्देश्य संचार की कमी से होने वाली गलतफहमियों को रोकना और मतदाताओं का विश्वास बढ़ाना है. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह पहल शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है. इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जितिन यादव ने अपने कार्यालय में केंद्रीय बलों के नोडल अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की. बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से सामने आया कि दूसरे राज्यों से आए जवानों को स्थानीय भाषा समझने में कठिनाई होती है. इसे दूर करने के लिए अब उन्हें बुनियादी बांग्ला के साथ आम बोलचाल में उपयोग होने वाले हिंदी-बांग्ला मिश्रित वाक्य भी सिखाए जाएंगे. अधिकारियों का मानना है कि, इससे क्षेत्र में गश्त के दौरान जवान मतदाताओं से प्रभावी संवाद कर सकेंगे और यह जान सकेंगे कि क्या उन्हें कोई समस्या है, क्या वे किसी तरह के दबाव में हैं या उन्हें सुरक्षा सहायता की जरूरत है. इससे मतदाताओं का भरोसा बढ़ेगा और वे खुलकर अपनी बात रख सकेंगे. प्रशासन ने सीतलकुची फायरिंग घटना से भी सबक लिया है, जहां 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी. इस घटना को ध्यान में रखते हुए जिले के संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष सुरक्षा योजना बनाई गई है.
वर्तमान में जिले में केंद्रीय बलों की लगभग 15 कंपनियां पहुंच चुकी हैं. जिले में 2,500 से अधिक मतदान केंद्रों होने के कारण यह संख्या बढ़ाकर करीब 200 कंपनियां किए जाने की संभावना है, ताकि सभी क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सके. प्रशासन ने केंद्रीय बलों को निष्पक्षता और अनुशासन बनाए रखने के सख्त निर्देश भी दिए हैं. उन्हें रात्रि मार्च के दौरान लोगों से भोजन या आतिथ्य स्वीकार नहीं करने को कहा गया है, ताकि किसी भी प्रकार के पक्षपात की आशंका न रहे.

पश्चिम बंगाल में डेमोग्राफिक बदलाव बना बड़ा फैक्टर

घुसपैठ और जनसंख्या बदलाव ने बढ़ाई चिंता

कोलकाता: बंगाल में विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एक बार फिर सीमा सुरक्षा, अवैध घुसपैठ और डेमोग्राफी में बदलाव का मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आ गया है. बंगाल की करीब 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है, जो देश की सबसे लंबी, जटिल और संवेदनशील सीमाओं में गिनी जाती है.
बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण पिछले कुछ वर्षों में विशेषकर राज्य के सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या संरचना में तेजी से आए बदलाव, अंतरराष्ट्रीय सीमा के बड़े हिस्से में अब भी तारबंदी नहीं होना और घुसपैठ के आंकड़ों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने इस बहस को और तीखा बना दिया है. बीते दशकों में कई इलाकों में आबादी में वृद्धि की दर भी औसत से कहीं अधिक रही है, जो इस बिंदु पर सवाल के साथ चिंता भी खड़े करती है. राज्य के सीमावर्ती जिलों विशेषकर मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर तथा उत्तर व दक्षिण 24 परगना में जनसंख्या वृद्धि दर औसत से अधिक दर्ज की गई है.
2001 से 2011 के बीच मुर्शिदाबाद की आबादी में लगभग 21 प्रतिशत और मालदा में करीब 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो राज्य की औसत वृद्धि (13-14 प्रतिशत) से काफी ज्यादा है. सूबे के

बंगाल में डेमोग्राफी बदलाव का प्रश्न केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है | सीमावर्ती जिलों में आबादी वृद्धि राज्य औसत से काफी अधिक

नौ जिलों- मुर्शिदाबाद, मालदा, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर, नदिया, उत्तर व दक्षिण 24 परगना की सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है.

हर साल सीमा पर पकड़े जाते हैं छह-सात हजार घुसपैठिए: सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में हर साल बंगाल सीमा से औसतन 6,000 से 7,000 घुसपैठियों को सीमा पार करते पकड़ा गया है. बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में दक्षिण व उत्तर बंगाल फ्रंटियर इलाके से अवैध तरीके से सीमा आर-पार करते पकड़े जाने से लेकर पुशबैक (घुसपैठियों को वापस भेजने की कार्रवाई) को मिलाकर 25,000 से ज्यादा मामले पकड़े गए.
हालांकि सुरक्षा एजेंसियां मानती हैं कि पकड़े गए लोगों की संख्या वास्तविक घुसपैठ का केवल एक मामूली हिस्सा भर है. पिछले साल बंगाल में एसआईआर की घोषणा के बाद डर के चलते बड़ी संख्या में घुसपैठिए वापस भी भागे. कई जिलों में मुस्लिम आबादी बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंची बंगाल में डेमोग्राफी बदलाव का प्रश्न केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर चुनावी गणित पर भी पड़ता है.
कई सीमावर्ती विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संरचना में बदलाव ने राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित किया है. बीते दशकों में बांग्लादेश से लगे जिलों मुर्शिदाबाद व मालदा में मुस्लिम आबादी बढ़कर 55-60 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना आदि जिलों में चुनाव के दौरान निर्णायक भूमिका निभाते हैं.

सीमा के 550 किलोमीटर से अधिक हिस्से में अब भी फेंसिंग नहीं: बीएसएफ के अनुसार सीमा पर कड़ी निगरानी व्यवस्था के बावजूद कई इलाकों में भौगोलिक परिस्थितियां चुनौती पैदा करती है, जिसके चलते पूरी तरह से घुसपैठ रोक पाना चुनौती बना हुआ है. कई जगहों पर नदियों, दलदली जमीन और आबादी वाले इलाकों के बीच से सीमा गुजरती है, जिसकी निगरानी आसान नहीं है. जमीन अधिग्रहण संबंधी जटिलताओं के कारण लगभग 550 किलोमीटर से अधिक हिस्से में अब भी फेंसिंग नहीं है, जिससे अवैध आवाजाही और तस्करी की घटनाएं होती रहती हैं. मवेशी तस्करी, नकली नोट और अन्य अवैध गतिविधियां भी इसी के साथ जुड़ी हुई हैं. दूसरी ओर, राज्य सरकार का तर्क है कि सीमा सुरक्षा पूरी तरह केंद्र के अधीन विषय है और इसमें किसी भी तरह की कमी के लिए केंद्र जिम्मेदार है.

मुख्यमंत्री की दौड़ में 'दीदी' अब भी पहली पसंद

कोलकाता: चुनावी आचार संहिता जारी हो गया है. सियासत की बिसात भी बिछ गई है. पश्चिम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सामने आए पहले ओपिनियन पोल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति चाहत बरकरार नजर आ रही है. ओपिनियन पोल के रिजल्ट में 48.5 फीसदी लोगों ने ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री के रूप में पहली पसंद बताया है. सर्वे एजेंसी वोट ट्रैकर की ओर से किए गए ओपिनियन पोल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी को 33.4 फीसदी ने अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताया है. कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को 3.7,कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ मार्क्सिस्ट (सीपीएम) के नेता मो. सलीम को 4.3 फीसदी लोगों ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पसंद बताया है. इसके अलावा 4.9 फीसदी अन्य चेहरों और 5.2 फीसदी लोगों ने मुख्यमंत्री के चेहरों को लेकर कुछ कह नहीं सकते वाला जवाब दिया है. वोट ट्रैकर की ओर से किए गए ओपिनयन पोल में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस की पसंदगी को लेकर सवाल पूछे गए. इस सरकार से 32.7 फीसदी लोग काफी संतुष्ट दिखे. 10.6 फीसदी ने अच्छा, 10.2 फीसदी ने औसत प्रदर्शन वाली सरकार बताया. 18.3 फीसदी लोग इस सरकार को खराब और 20.6 फीसदी ने बेहद खराब बताया. वहीं 17.6 फीसदी लोगों ने कहा कि वह मौजूदा सरकार को लेकर कुछ कह नहीं सकते.

रिकॉर्ड जीत ही मेरे जेल जाने के पीछे की साजिश का जवाब होगी : तृणमूल नेता ज्योतिप्रिय मलिक

कोलकाता: एक वक्त उत्तर 24 परगना में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगी माने जाने वाले तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्योतिप्रिय मलिक का मानना है कि विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड जीत ही उनके खिलाफ हुई साजिश का जवाब होगी, जिसके कारण उन्हें राशन वितरण घोटाले में जेल जाना पड़ा. पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच 'बालू' के नाम से लोकप्रिय मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि जनादेश ही उन लोगों को जवाब देगा, जिन्होंने उन्हें ''राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश की. उन्होंने कहा, मेरी रिकॉर्ड जीत ही उस साजिश का जवाब होगी, जिसके कारण मुझे जेल जाना पड़ा.
उत्तर 24 परगना जिले की हाबरा सीट 2026 के विधानसभा चुनावों में सबसे चर्चित सीटों में से एक बन गई है. इसकी वजह मलिक की जेल से वापसी के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरना है, साथ ही भाजपा द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुख चुनावी हथियार बनाना भी है. मलिक को कथित राशन घोटाले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के सिलसिले में जेल जाना पड़ा था. हालांकि, मलिक ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया. उनका दावा है कि

उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी या मामला दर्ज नहीं था, फिर भी उन्हें महीनों तक हिरासत में रखा गया. उन्होंने कहा कि जमानत मिलने के बाद उन्हें पता चला कि किसी थाने में उनके खिलाफ कोई शिकायत ही नहीं थी.
मलिक के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी का समय भी राजनीतिक रूप से अहम था, ताकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बनगांव क्षेत्र में तृणमूल को कमजोर किया जा सके. उन्होंने कहा, वे मुझे लोकसभा चुनावों के दौरान दूर रखना चाहते थे ताकि मैं राजनीतिक रूप से काम न कर सकूं. अगर मैं सक्रिय होता तो बनगांव सीट जीती जा सकती थी.
उल्लेखनीय है कि ईडी ने अक्टूबर 2023 में धन शोधन मामले की जांच के तहत उन्हें गिरफ्तार किया था. वह 2011 से 2021 के बीच राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री रहे थे. एक वर्ष से अधिक समय जेल में बिताने के बाद जनवरी 2025 में उन्हें 50 लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिली. इसके बावजूद तृणमूल नेतृत्व ने उन पर भरोसा बनाए रखा और उन्हें हाबरा से फिर उम्मीदवार बनाया, जिसे लेकर भाजपा ने पार्टी पर निशाना साधा. मलिक के लिए यह चुनाव केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का सवाल नहीं, बल्कि उस क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पकड़ साबित करने का भी अवसर है, जहां उन्होंने एक दशक पहले वाम दलों को कमजोर किया था.
उन्होंने बताया कि पार्टी ने चुनाव की तैयारी पांच-छह महीने पहले ही शुरू कर दी थी और कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं. मलिक ने अपनी जीत को लेकर पूरा विश्वास जताया और कहा कि बनगांव उपखंड में तृणमूल को व्यापक समर्थन मिलेगा. उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बार भाजपा की सीट घट जाएंगी. उन्होंने सत्ता विरोधी लहर से भी इनकार करते हुए कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में व्यापक विकास हुआ है और कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को आर्थिक मजबूती मिली है.
हाबरा सीट की सामाजिक संरचना भी दिलचस्प है, जहां लगभग 80 प्रतिशत मतदाता हिंदू और 20 प्रतिशत मुस्लिम हैं. मतुआ समुदाय यहां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे यह सीट तृणमूल और भाजपा के बीच अहम मुकाबले का केंद्र बन गई है. मलिक ने पार्टी द्वारा 74 विधायकों के टिकट काटे जाने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह नेतृत्व का अधिकार है. उन्होंने भविष्यवाणी की, तृणमूल कांग्रेस 231 से 242 के बीच सीट जीतेगी. उन्होंने भविष्य में राजनीति से हटने के संकेत भी दिए, लेकिन फिलहाल ढचउ की जीत को लेकर आश्वस्त दिखे और 231 से 242 सीटें जीतने का दावा किया.
हाबरा का जनादेश यह तय करेगा कि मलिक की वापसी राजनीतिक पुनरुत्थान की कहानी बनेगी या पश्चिम बंगाल की कड़ी चुनावी जंग का एक अध्याय भर रह जाएगी.

ममता बनर्जी की रैलियों का खर्च उठा रही जनता, पीडब्ल्यूडी बना टीएमसी का प्राइवेट ठेकेदार : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के रण में ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर विधानसभा सीट से उतरे शुभेंदु अधिकारकी ने बंगाल की मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाये हैं. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक रैलियों के लिए सरकारी धन का दुरुपयोग कर रही है. राज्य का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तृणमूल कांग्रेस के प्राइवेट ठेकेदार की तरह काम कर रहा है. भाजपा नेता ने इसे दिनदहाड़े डकैती करार देते हुए चुनाव आयोग से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है. शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सोमवार को एक विस्तृत पोस्ट साझा किया. इसमें लिखा कि ममता बनर्जी की चुनावी रैलियों में केवल मुख्य मंच का निर्माण टीएमसी द्वारा किया जाता है. अन्य सारे बुनियादी ढांचे सरकारी खजाने से तैयार किये जाते हैं. उन्होंने पीडब्ल्यूडी द्वारा किये जा रहे कार्यों की एक सूची भी जारी की. भाजपा नेता ने दावा किया कि पीडब्ल्यूडी के सिविल और इलेक्ट्रिकल कर्मचारी, जो सरकारी वेतन पर हैं, वे चौबीसों घंटे टीएमसी उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के लिए काम कर रहे हैं. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है. ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के पीडब्ल्यूडी का अपनी पर्सनल इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह इस्तेमाल कर रही हैं.
शुभेंदु अधिकारी ने चुनाव आयोग से मांग की है कि इस 'महा-घोटाले' का तत्काल संज्ञान लिया जाये. इन रैलियों के लिए झथऊ द्वारा किये गये खर्च की हाई लेवल जांच के आदेश दिये जायें. राज्य सरकार को निर्देश दिया जाये कि टीएमसी के कार्यक्रमों पर खर्च हुए एक-एक पैसे की वसूली की जाये.

शत्रुघ्न सिन्हा के नीली बत्ती लगी गाड़ी के इस्तेमाल पर घमासान

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा द्वारा नीली बत्ती लगी गाड़ी के उपयोग को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मामले को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है. विवाद उस समय शुरू हुआ जब शत्रुघ्न सिन्हा रविवार को पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार हरेराम सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी कार्यक्रम में पहुंचे. वह जिस वाहन से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, उस पर नीली बत्ती लगी थी और आगे की ओर सांसद, आसनसोल का बोर्ड तथा अशोक स्तंभ का प्रतीक चिह्न लगा हुआ था. इस घटना के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद क्या किसी जनप्रतिनिधि द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान नीली बत्ती लगी गाड़ी का उपयोग किया जा सकता है. भाजपा ने इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई है.
जामुड़िया से भाजपा उम्मीदवार बिजन मुखर्जी ने शत्रुघ्न सिन्हा पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि वह इस मामले को चुनाव आयोग के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर न्यायालय तक भी ले जाएंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार नियमों की अनदेखी कर रही है और यह घटना उसी का उदाहरण है. उनका कहना था कि आचार संहिता लागू होने के बाद किसी को भी नीली बत्ती या अशोक स्तंभ लगे वाहन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. हालांकि, शत्रुघ्न सिन्हा ने इन आरोपों को खारिज किया है. उन्होंने कहा कि यह नीली बत्ती विशेष रूप से इस कार्यक्रम के लिए नहीं लगाई गई थी और न ही इसे उन्होंने खुद लगवाया था. उन्होंने यह भी कहा कि बत्ती चालू नहीं थी और वह हमेशा कानून का पालन करते हैं. उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी काम में विश्वास नहीं करते जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे.

मध्य वर्ग की उपेक्षा की जा रही, कॉरपोरेट को कर में राहत दे रही सरकार: सौगत रॉय

नई दिल्ली/कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार मध्य वर्ग की उपेक्षा कर रही है और कॉरपोरेट जगत को कर में राहत दे रही है, जबकि उसे पता होना चाहिए कि कॉरपोरेट समूहों से देश विकसित नहीं बन सकता. उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि देश के बाहर नहीं, बल्कि देश के अंदर शादियां हों, लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विदेश में शादी के लिए कर में राहत देना चाहती हैं. उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरीकरण पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है. रॉय ने कहा कि इस साल एक फरवरी को जब वित्त मंत्री ने जब अपना नौंवां बजट पेश किया था तो उस दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई और बाजार में मांग की कमी जैसे पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. तृणमूल नेता ने कहा कि मध्य वर्ग की उपेक्षा की गई और उसे कोई बड़ी राहत नहीं दी गई. उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट समूहों को बड़ी राहत दी जा रही है, लेकिन सरकार को समझना चाहिए कि निजी कंपनियां देश को विकसित नहीं बनाने वाली हैं. रॉय ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने बजट और बकाये राशि के संदर्भ में पश्चिम बंगाल की लगातार अनदेखी की है तथा राज्य में अगले महीने होने जा रहे विधानसभा चुनाव में जनता उसे सबक सिखाएगी. शिवसेना (उबाठा) के सांसद अनिल देसाई ने कहा कि महाराष्ट्र में सिर्फ निवेश की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन वास्तविकता के धरातल पर कुछ नहीं उतरता.

चांपदानी के चुनावी समीकरण पर मुद्दे भारी या सियासी रणनीति?

हुगली: जिले की चांपदानी विधानसभा सीट इस बार महज राजनीतिक टक्कर तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय समस्याएं चुनावी विमर्श के केंद्र में आ गई हैं. डीवीसी खाल की गंदगी, मच्छरों का बढ़ता प्रकोप, जर्जर बुनियादी ढांचा और रोजगार का संकट यहां के मतदाताओं के लिए अहम मुद्दे बन चुके हैं. इलाके से होकर गुजरने वाली डीवीसी खाल (नहर) की स्थिति लंबे समय से खराब है. इसमें जमा कचरा और ठहरा पानी अब गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या का रूप ले चुका है.
चांपदानी नगरपालिका के चेयरमैन सुरेश मिश्रा के अनुसार, खाल की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे हर साल डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है. मानसून के बाद खाल किनारे बसे इलाकों में हालात और खराब हो जाते हैं. मच्छरों का बढ़ता प्रकोप स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुका है. नगर पालिका द्वारा फॉगिंग और सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन कई वार्डों में इसका असर सीमित नजर आता है.
निवासियों का कहना है कि शाम के समय बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है और स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है. बुनियादी ढांचे की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है. कई इलाकों में सड़कें जर्जर हैं, नालियों की नियमित सफाई नहीं होती और जलनिकासी व्यवस्था कमजोर है. बारिश के दौरान जलभराव आम समस्या बन जाती है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है.
रोजगार का संकट भी चुनावी मुद्दों में प्रमुखता से उभरा है. चांपदानी और आसपास के क्षेत्रों में पहले सक्रिय कई छोटे-बड़े उद्योग बंद हो चुके हैं या कमजोर पड़ गए हैं जिससे स्थानीय

युवाओं के रोजगार हेतु पलायन की प्रवृत्ति बढ़ी है.
चांपदानी की जनसंख्या संरचना भी चुनावी समीकरण को प्रभावित करती है. इस विधानसभा क्षेत्र में लगभग ढाई लाख मतदाता हैं, जिनमें अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत मानी जाती है. इसके अलावा हिंदीभाषी, बंगाली और प्रवासी श्रमिकों का मिश्रित वोट बैंक चुनाव को बहुआयामी बनाता है. ऐसे परिदृश्य में तृणमूल कांग्रेस के अरिंदम गुईन, भाजपा के दिलीप सिंह और माकपा के चंद्रनाथ बनर्जी के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है. हालांकि कांग्रेस ने अब तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, जिससे उसके समर्थकों और संभावित वोट बैंक में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है.
उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि भी इस चुनाव को रोचक बनाती है. अरिंदम गुईन स्नातक हैं और उनकी मजबूत सांगठनिक पकड़ मानी जाती है. भाजपा के दिलीप सिंह दसवीं पास हैं, लेकिन बाहरी उम्मीदवार का मुद्दा और पार्टी के भीतर गुटबाजी उनके लिए चुनौती बन रही है. वहीं, चंद्रनाथ बनर्जी पेशे से अधिवक्ता हैं और मजदूरों के मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं, हालांकि माकपा की कमजोर सांगठनिक स्थिति उनके लिए बाधा बनी हुई है.
पिछले चुनावी आंकड़े इस सीट के बदलते राजनीतिक मिजाज को दर्शाते हैं. वर्ष 2011 में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच गठबंधन था, जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस ने करीब 57 प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जबकि माकपा को लगभग 35 प्रतिशत और भाजपा को करीब पांच प्रतिशत वोट मिले थे.
वर्ष 2016 में वाम-कांग्रेस गठबंधन के तहत कांग्रेस को करीब 44 प्रतिशत वोट मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस को लगभग 40 प्रतिशत और भाजपा को करीब 13 प्रतिशत वोट हासिल हुए.
2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने बढ़त बनाते हुए करीब 50 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि भाजपा का वोट शेयर बढ़कर लगभग 35 प्रतिशत हो गया. कांग्रेस का वोट शेयर घटकर करीब 11 प्रतिशत रह गया. उल्लेखनीय है कि 2016 और 2021 में वाम और कांग्रेस के बीच गठबंधन का असर चुनावी नतीजों पर पड़ा.
राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार भाजपा के सामने अंदरूनी गुटबाजी एक बड़ी चुनौती बन सकती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस अपनी सांगठनिक मजबूती के सहारे बढ़त बनाए रखने की कोशिश में है. माकपा के लिए यह चुनाव अपने खोए जनाधार को पुनर्जीवित करने का अवसर माना जा रहा है.

न्यूज कॉर्नर

गौशाला की आड़ में पशु तस्करी का खुलासा

कटिहारः जिले के आजमनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गौशाला की आड़ में संचालित एक बड़े पशु तस्करी और सरकारी अमानत में ख्यानत के मामले का खुलासा किया है. मुख्य आरोपी मो. महबूब आलम को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस के अनुसार, गौशाला में कुल 270 मवेशी होने चाहिए थे, लेकिन 155 मवेशियों को बिना किसी कागजात एवं वैध साक्ष्य के अवैध रूप से तस्करी कर दिया गया था. इस संबंध में आजमनगर थाना कांड संख्या-112/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. मुख्य आरोपी मो. महबूब आलम का आपराधिक इतिहास रहा है, कई मामलों में पहले भी शामिल रहा है. उसके खिलाफ बारसोई, बलरामपुर, कदवा और आजमनगर थानों में विभिन्न मामलों में केस दर्ज हैं. पुलिस ने बताया कि आरोपी मो. महबूब आलम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न थानों में कांड में जब्त मवेशियों को जिम्मेनामा पर रखता था और बाद में उन्हें चोरी-छिपे बेच देता था. पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है.

देश विरोधी पोस्ट करने पर युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र): मुजफ्फरनगर जिले में मीरापुर थानाक्षेत्र के संभलहेड़ा गांव में सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी सामग्री पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को एक युवक को गिरफ्तार किया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार युवक की पहचान शानू मलिक के रूप में हुई है. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने आज यहां पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने शानू मलिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला कार्य) और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1967 की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया. बंसल ने कहा कि यह कदम इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद उठाया गया है जिसमें राष्ट्रविरोधी सामग्री पाई गई थी. पुलिस अधीक्षक के अनुसार शानू का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है.

एनडीपीएस मामले में दंपति को 15-15 वर्ष की सजा, एक-एक लाख का जुर्माना

किशनगंजः जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी के एक गंभीर मामले में विशेष एनडीपीएस अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए एक दंपति को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही दोनों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है.इस फैसले को जिले में नशे के खिलाफ चल रही कार्रवाई में अहम माना जा रहा है. जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश सुरेश कुमार सिंह की अदालत ने सोमवार को विशेष एनडीपीएस कांड संख्या 44/2024 में यह फैसला सुनाया. मामला किशनगंज थाना कांड संख्या 302/2024 से संबंधित है. दोषी जाहनाज़ खातून एवं उसके पति सुबोध प्रसाद उर्फ रहमान अंसारी, निवासी खगड़ा माछमारा को अदालत ने दोषी करार दिया. लोक अभियोजक सुरेन प्रसाद साहा ने बताया कि अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोनों को 15 वर्ष का कठोर कारावास एवं एक-एक लाख रुपये का जुर्माना सुनाया है. जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में प्रत्येक 10 हजार रुपये पर एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा. साथ ही, पूर्व में बिताई गई हिरासत अवधि को सजा में समायोजित करने का निर्देश दिया गया है. इधर, किशनगंज पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी है. पुलिस के अनुसार, नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए नियमित छापेमारी, सर्च ऑपरेशन और सख्त कार्रवाई की जा रही है. ऐसे मामलों में त्वरित सुनवाई और कड़ी सजा सुनिश्चित कर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं.

कांग्रेस सदस्य ने की बिहार में 5-6 एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की मांग

नई दिल्लीः औद्योगीकरण के मामले में बिहार के राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे रहने का दावा करते हुए सोमवार को राज्यसभा में कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद सिंह ने अमृतसर-दिल्ली-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के तहत बिहार में 5-6 एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की मांग की. शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सिंह ने कहा कि देश की लगभग नौ प्रतिशत आबादी होने के बावजूद बिहार का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान केवल करीब तीन प्रतिशत है. उन्होंने कहा कि बिहार औद्योगीकरण के मामले में राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है. सिंह ने कहा कि रोजगार के अवसरों की कमी के कारण हर साल लगभग 20 लाख लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में पलायन करते हैं. कांग्रेस सदस्य ने अमृतसर-दिल्ली-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के तहत बिहार में 5-6 एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की मांग की और कहा कि इससे राज्य में औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा और पूर्वी भारत में संतुलित विकास सुनिश्चित होगा.

बेटे के लव मैरिज से आहत पिता ने की आत्महत्या

नालंदा: बिहार के नालंदा में बेटे के लव मैरिज से आहत होकर पिता ने ऐसा कदम उठाया, जिससे लोगों की रूह कांप उठी. खौफनाक कदम उठाते हुए अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. दिल दहला देने वाली घटना खुदागंज थाना के बनबाग गांव की है. मृतक की पहचान दिनेश कुमार (45) के रूप में हुई है. घटना को याद कर फुफेरा भाई पिंटू कुमार दहशत में आ जाते हैं. बताते हैं कि पेशे से किसान दिनेश कुमार के पुत्र प्रवीण कुमार का गांव की एक लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. दोनों चोरी छिपे एक-दूसरे से मिला करते. फोन पर भी बातें करते थे. दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा तो घर से भागकर शादी करने और साथ जीने मरने की कसमें खाने लगे. 15 फरवरी को पहले लड़की घर से भाग गयी. इसके बाद 17 फरवरी को प्रवीण कुमार भी घर से भाग गया. जब लड़की के परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने प्रवीण कुमार पर अपहरण का केस दर्ज करा दिया. जैसे ही लड़का-लड़की के गांव से भागने की बात सामने आई जंगल में लगे आग की तरह फैल गई. मामला इतना बढ़ गया कि गांव में दोनों परिवार के बीच पंचायती हुई. पंचायत में फरमान जारी करते हुए पंचों ने दोनों प्रेमी जोड़े को गांव से 14 साल के लिए निष्काषित कर दिया. शर्त रखी गयी कि अगर इस बीच दोनों वापस गांव लौटते हैं तो जुर्माना के तौर पर 5 लाख रुपए चुकाना पड़ेगा. कुछ दिनों के बाद दोनों परिवार में मामला सुलझाने का फैसला हुआ, लेकिन बाद में लड़की पक्ष समझौते से मुकर गया. इससे दिनेश कुमार सदमे में आ गए. दिनेश कुमार खुद को कमरे में बंद कर लिया. इसके बाद एलपीजी गैस की पाइप खोल ली और खुद को आग लगा ली. घटना के समय दिनेश कुमार घर पर अकेले थे. जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया. आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तबतक देर हो जाने की वजह से मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही खुदागंज थानाध्यक्ष दुर्गेश गहलोत ने मौके पर पहुंचे. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है. फिलहाल दोनों प्रेमी जोड़े की तलाश की जा रही है.

ससुराल वालों ने नौकरी करने से रोका तो नव विवाहिता ने की आत्महत्या

नोएडाः ससुराल वालों द्वारा नौकरी करने से रोकने पर 19 वर्षीय विवाहिता ने सोमवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है. थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि दीपिका पत्नी निशांत कुमार उम्र 19 वर्ष थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के छिजारसी कॉलोनी में रहती थी. उनकी एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी. उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से जनपद मुंगेर बिहार की रहने वाली थी. उन्होंने बताया कि दीपिका शादी के बाद से अपने ससुराल वालों से यह कह रही थी कि वह नौकरी करेगी, लेकिन उसके ससुराल वाले कह रहे थे कि तुम घर पर रहो और घर संभालो. इस बात को लेकर वह तनाव में थी. उन्होंने बताया कि सोमवार को उसने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया. उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार पहुंचे तथा उनकी देखरेख में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतका के मायके वालों ने अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है. अगर वे कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस मामले की जांच करेगी.

समस्तीपुर के आदित्य प्रकाश अमन ने बिहार बोर्ड 12वीं में किया टॉप

आर्ट्स में निशु कुमारी और कॉमर्स में अदिति कुमारी ने मारी बाजी

पटनाः बिहार बोर्ड 12वीं परीक्षा 2026 के नतीजों में इस बार आदित्य प्रकाश अमन ने पूरे राज्य में अपनी मेहनत और लगन की मिसाल कायम कर दी. आदित्य प्रकाश अमन ने 96.20% अंक हासिल कर पूरे राज्य में किया टॉप किया है. आदित्य प्राकाश इसके साथ ही 12वीं साइंस स्ट्रीम से टॉपर भी हैं. वहीं आर्ट्स और कॉमर्स में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान अपने नाम किया. आर्ट्स में निशु कुमारी ने 479 अंक और 95.80% के साथ पहला स्थान हासिल किया. वहीं कॉमर्स में अदिति कुमारी ने 480 अंक के साथ 96.00% हासिल कर टॉप किया.

नतीजे आते ही साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स तीनों संकायों के टॉपर्स की लिस्ट भी सामने आ गई, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा विज्ञान स्ट्रीम के शानदार नतीजों की हो रही है. इस साल साइंस में समस्तीपुर के रहने वाले आदित्य प्रकाश अमन ने पूरे सूबे में पहला मुकाम हासिल किया है. आदित्य ने अपनी लगन और दिन-रात की कड़ी मेहनत से यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं है.

समस्तीपुर की धरती ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. जैसे ही परिणाम घोषित हुआ गांव से लेकर शहर तक खुशी की लहर दौड़ गई. हर कोई इस होनहार बेटे की सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है. लगातार तीन वर्षों से समस्तीपुर के छात्र मैट्रिक और इंटर परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं. इस बार आदित्य ने टॉप कर इस परंपरा को और मजबूत कर दिया है. उनकी सफलता यह साबित करती है कि छोटे शहरों और गांवों में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है. बस जरूरत है सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत की.

आदित्य प्रकाश अमन जो समस्तीपुर जिला के दलसिंहसराय प्रखंड क्षेत्र के मुख्तियारपुर सलखनी के रहने वाले हरेंद्र कुमार के पुत्र है. उनके पिता एक सरकारी शिक्षक हैं. जबकि माता गृहिणी हैं. सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने हमेशा शिक्षा को प्राथमिकता दी. यही कारण है कि आज उनका बेटा पूरे बिहार में टॉपर बना है. आदित्य ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया. उन्होंने कहा कि उनके पिता ही उनके सबसे बड़े गुरु हैं. जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन किया. पिता के अनुशासन और पढ़ाई के प्रति समर्पण ने उन्हें प्रेरित किया. उन्होंने उसी रास्ते पर चलकर यह मुकाम हासिल किया. परिवार का सहयोग और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बना.

आदित्य के बाद जिन नामों ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, वे हैं सीतामढ़ी की साक्षी कुमारी और नवादा की सपना कुमारी. इन दोनों ही होनहार छात्राओं ने विज्ञान जैसे मुश्किल समझे जाने वाले विषय में संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया है.

वहीं आर्ट्स स्ट्रीम में निशु कुमारी ने 479 अंक (95.80%) के साथ पहला स्थान हासिल किया. उनका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि अब आर्ट्स स्ट्रीम में भी छात्राएं लगातार आगे बढ़ रही हैं और अपनी मजबूत पकड़ से टॉप रैंक हासिल कर रही हैं. यह ट्रेंड पिछले कुछ वर्षों से लगातार देखने को मिल रहा है.

कॉमर्स स्ट्रीम में अदिति कुमारी ने 480 अंक (96.00%) के साथ टॉप किया. कॉमर्स में इतने उच्च अंक गौरतलह है इस स्ट्रीम में भी प्रतिस्पर्धा अब काफी तेज हो चुकी है और छात्र के साथ-साथ छात्राएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं.

गौरतलब है कि इस साल बिहार बोर्ड की परीक्षाएं 2 फरवरी से 13 फरवरी 2026 के बीच आयोजित की गई थीं. परीक्षा खत्म होने के बाद कॉपियों को जांचने का काम फरवरी के आखिरी हफ्ते से शुरू होकर मार्च के मध्य तक पूरी मुस्तैदी के साथ किया गया. बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर के मुताबिक, नतीजों में किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी न हो और पूरी पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए खास इंतजाम किए गए थे. रिजल्ट को अंतिम रूप देने से पहले संभावित टॉपर्स को बोर्ड कार्यालय बुलाकर उनका बाकायदा इंटरव्यू लिया गया और उनकी हैंडराइटिंग का भी मिलान किया गया. इस कड़े वेरिफिकेशन प्रोसेस के बाद ही इन होनहारों के नामों पर अंतिम मुहर लगाई गई. इस शानदार नतीजे ने एक बार फिर उन तमाम छात्रों में एक नई ऊर्जा भर दी है, जो आगे चलकर अपने सपनों को उड़ान देना चाहते हैं.

केवल आपराधिक इतिहास से नहीं रोकी जा सकती जमानत: हाईकोर्ट

83 आपराधिक केस वाले की जमानत मंजूर

प्रयागराजः इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी अभियुक्त के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या के आधार पर उसे जमानत से वंचित नहीं किया जा सकता. जमानत अन्य साक्ष्यों पर निर्भर करेगी. कोर्ट ने 83 मुकदमों के आपराधिक इतिहास वाले अभियुक्त दिनेश पाल सिंह उर्फ मुन्ना को बड़ी राहत देते हुए उसकी दस साल की सजा निलम्बित कर दी है और सजा के खिलाफ अपील लम्बित रहने के दौरान सशर्त जमानत मंजूर कर ली है. यह आदेश न्यायमूर्ति राजवीर सिंह ने दिया है.

शाहजहांपुर जनपद के थाना तिलहर क्षेत्र का मामला है. ट्रायल कोर्ट ने अभियुक्त को धारा 307/34 (हत्या का प्रयास), 323/34 (मारपीट) आईपीसी एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. जिसे अपील में चुनौती दी गई है.

अभियोजन के अनुसार होटल में खाने के पैसे मांगने को लेकर विवाद हुआ, आरोपित ने फायरिंग कर दी. हालांकि पीड़ित को कोई गंभीर चोट नहीं लगी और उसे केवल साधारण चोट पाई गई. याची अधिवक्ता ने तर्क दिया कि मामले में साक्ष्य पर्याप्त रूप से अभियोजन के पक्ष में नहीं हैं. गवाह पक्षद्रोही हो चुका है. अधिकांश आपराधिक केसों में याची बरी हो चुका है. याची 66 साल का है, कई बीमारियो से ग्रस्त है. मुकदमों की बड़ी संख्या को देखते हुए अपील शीघ्र सुने जाने की संभावना नहीं है. अभियुक्त एक साल की सजा काट चुका है. इसलिए अपील लम्बित रहने तक जमानत पर रिहा किया जाए.

वहीं, राज्य सरकार ने अभियुक्त के खिलाफ 83 मामलों के आपराधिक इतिहास का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि केवल आपराधिक इतिहास के आधार पर जमानत आवेदन खारिज करना उचित नहीं है, यदि मामले के साक्ष्य राहत देने के पक्ष में हों. कोर्ट ने पाया कि पीड़ित को गंभीर चोट नहीं लगी है और अभियोजन के साक्ष्य अपेक्षाकृत कमजोर हैं. कोर्ट ने 75 फीसदी जमा जुर्माना राशि की वसूली स्थगित कर दी है.

मुठभेड़ में बकरी चोर गिरोह का बदमाश घायल, आठ गिरफ्तार

फतेहपुरः उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार को पुलिस और बकरी चोर गिरोह के बीच मुठभेड़ हो गई. इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि गिरोह के अन्य आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया.पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गुनीर तिराहे पर सोमवार सुबह पुलिस और बकरी चोर गिरोह के बीच मुठभेड़ हो गई. इसमें एक बदमाश घायल हुआ, जबकि उसके 08 साथियों को पुलिस ने घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया है.ये सभी बदमाश तीन कारों में सवार थे, जब पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी. पुलिस कि जवाबी कार्रवाई में गिरोह के सदस्य लवलेश निषाद के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया. वही गिरोह के अन्य 08 सदस्यों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने चोर गिरोह के कब्जे से 03 चार पहिया वाहन, 10 मोबाइल फोन, 58,100 रुपये नकद, 6 बकरा-बकरी और 315 बोर तमंचा मय कारतूस बरामद कर लिया गया. एसपी ने बताया कि चोर गिरोह कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गुगौली गांव से बकरी चोरी करने के साथ गाजीपुर थाना और जहानाबाद थाना क्षेत्र में भी वारदातें की है.

उप्र कैबिनेट बैठक : राजस्व संहिता में बड़ा बदलाव, नक्शा पास होते ही माना जाएगा लैंड यूज परिवर्तन

लखनऊ : प्रदेश सरकार ने भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को सरल बना दिया है. अब किसी भी भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका लैंड यूज स्वतः बदल जाएगा और इसके लिए अलग से जिलाधिकारी या एसडीएम से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभाग के इस प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी से तहसीलों का जहां अधिकार छीन गया है, वहीं एसडीएम से लेकर लेखपाल स्तर तक होने वाले भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा-80 में संशोधन हेतु अध्यादेश 2026 को मंजूरी दे दी गई. इस अहम फैसले के तहत विकास प्राधिकरणों, औद्योगिक विकास प्राधिकरणों, विनियमित क्षेत्रों तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अधीन क्षेत्रों में गैर-कृषि उपयोग (लैंड यूज़) परिवर्तन की प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया गया है. अब इन क्षेत्रों में अलग से लैंड यूज बदलवाने की आवश्यकता नहीं होगी. यदि किसी भूखंड का नक्शा प्राधिकरण द्वारा पास हो जाता है, तो उसी को भूमि उपयोग परिवर्तन माना जाएगा. इससे पहले लोगों को दोहरी प्रक्रिया (पहले लैंड यूज परिवर्तन और फिर नक्शा पास कराने) से गुजरना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी.

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि नई व्यवस्था में नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में ही सभी औपचारिकताएं समाहित कर दी गई हैं. इससे न केवल आमजन को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि निवेशकों के लिए भी प्रक्रिया आसान और पारदर्शी बनेगी. इस सुधार से प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योग स्थापना में तेजी आएगी और उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी.

अब तक की व्यवस्था में किसी कृषि भूमि को आवासीय या व्यावसायिक उपयोग में बदलने के लिए एसडीएम, तहसीलदार और लेखपाल स्तर पर लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था. प्राधिकरण क्षेत्र में भू-उपयोग परिवर्तन के लिए मुख्य नगर और ग्राम नियोजक के यहां प्रस्ताव भेजे जाते थे लेकिन उन पर त्वरित फैसला नहीं हो पाता था. इस दौरान फाइलें महीनों तक लंबित रहती थीं और कई मामलों में विचौलियों के माध्यम से लाखों रुपये की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आती थीं. आम लोगों और छोटे निवेशकों के लिए यह प्रक्रिया बेहद कठिन और महंगी साबित होती थी. नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह पूरा तंत्र लगभग समाप्त हो जाएगा. अब विकास प्राधिकरण द्वारा नक्शा पास होते ही भूमि उपयोग परिवर्तन स्वतः मान्य हो जाएगा, जिससे तहसीलों में चल रहे भ्रष्टाचार के एक बड़े नेटवर्क पर सीधा प्रहार माना जा रहा है. सरकार का मानना है कि इस फैसले से निर्माण कार्यों में तेजी आएगी, निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और शहरी विकास परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी. साथ ही आम नागरिकों को भी अनावश्यक चक्कर और खर्च से राहत मिलेगी. विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम न केवल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करेगा, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ाएगा.

सीवान में अवैध रूप से रखे गए हाथियों पर कार्रवाई, दो का रेस्क्यू, एक की पहले हो चुकी थी मौत

सीवानः सीवान जिला पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़हरिया थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रखे गए दो हाथियों को सकुशल रेस्क्यू किया. रेस्क्यू किए गए हाथियों मे सुमन, भोला एवं बसंती नामक तीन हाथियों के समूह में से शेष बचे दो हथिया है. इस संबंध में सीवान के पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बताया कि उक्त तीनों हाथियों को कथित तौर पर पश्चिम बंगाल से बिहार लाया गया था. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन हाथियों को पहले पड़ोसी जिले के एक आश्रम में रखा गया था, लेकिन सत्यापन के दौरान वे वहां नहीं पाए गए.जांच के दौरान वन विभाग को सूचना मिली कि ये हाथी बड़हरिया क्षेत्र में रह रहे हैं. इसी सूचना के आधार पर वन विभाग एवं बड़हरिया थाना पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर दो हाथियों को सुरक्षित बरामद कर लिया. बताया गया कि इस समूह के एक हाथी की मृत्यु फरवरी 2026 में ही हो चुकी थी, जबकि शेष दो हाथियों को अब सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया

जमानत पर जेल से बाहर आए बाहुबली विधायक अनंत सिंह

पटना : बिहार के बाहुबली विधायक अनंत सिंह बेऊर जेल से बाहर आ गए हैं. बड़ी संख्या में छोटे सरकार के समर्थक बेऊर जेल के बाहर बैठे हुए थे. अपने नेता को बाहर आता देख समर्थकों में उत्साह भर गया. अनंत सिंह जेल से सीधे अपने पटना स्थित सरकारी आवास की ओर जा रहे हैं, जहां उनके स्वागत की तैयारी की गई है. जानकारी के अनुसार अनंत सिंह करीब चार महीने से राजद नेता दुलारचंद यादव हत्याकांड में न्यायिक हिरासत में बेउर जेल में बंद थे. हाल ही में पटना हाईकोर्ट से उन्हें जमानत मिली, जिसके बाद आज उनकी रिहाई सुनिश्चित हुई है. रिहाई की खबर मिलते ही उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई.

विधायक के पटना स्थित आवास पर स्वागत को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं. समर्थकों द्वारा खाने-पीने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है. मौके पर रसगुल्ला, समोसा, पूरी-सब्जी, पुलाव समेत कई तरह के व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं. सुबह से ही समर्थकों का जुटान शुरू हो गया था. उनके जेल से बाहर आने पर मोकामा और पटना के सरकारी आवास के आसपास हलचल बढ़ गई है.

समर्थकों का कहना है कि अनंत सिंह की रिहाई उनके लिए खुशी का बड़ा मौका है. एक समर्थक ने बताया कि विधायक के पटना पहुंचने के बाद मंगलवार को वे मोकामा जाएंगे. इस दौरान मोकामा में उनका रोड शो प्रस्तावित है, जिसमें बड़ी संख्या में समर्थकों के शामिल होने की संभावना है. इसके साथ ही वे बड़हिया स्थित महारानी स्थान मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद भी लेंगे. बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ही पिछले साल 30 अक्टूबर 2025 को दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1 नवंबर को पटना के मोकामा स्थित आवास से अनंत सिंह को गिरफ्तार किया था. इसके बाद 2 नवंबर को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए बेउर जेल भेज दिया गया था. अनंत सिंह जेल में रहते हुए ही चुनाव लड़े और जीते थे.

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कई बिंदुओं पर पड़ताल की और इस हत्याकांड को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई थी.

हॉस्टल में शिफ्ट होने के 3 घंटे बाद ही नीट छात्रा की मौत, हत्या या आत्महत्या?

भागलपुर: बिहार के भागलपुर में नीट छात्रा का शव मिला है. जिले के बरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत खंजरपुर स्थित एक हॉस्टल में संदिग्ध हालत में शव मिला है. जिस हालत में लाश मिली है, उसमें अभी ये साफ नहीं हो पाया है कि उसने आत्महत्या की है या उसकी हत्या हुई है? मृतक छात्रा मूल रूप से अररिया की रहने वाली थी. वह नए हॉस्टल में शिफ्ट हुई थी. शिफ्टिंग के दौरान उसके माता-पिता भी मौजूद थे, जो बाद में वापस लौट गए. वहीं माता-पिता के लौटने के कुछ ही घंटे बाद उसका शव मिला है. हॉस्टर संचालक ने बताया कि बगल के कमरे में रहने वाली छात्राओं ने दरवाजा नहीं खुलने पर शोर मचाया, जिसके बाद उनको इस बारे में पता चला. इस बीच मृतक छात्रा के लोकल गार्जियन और उसके मौसेरे भाई को भी फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद वह भी वहां पहुंचे. उसने बताया कि जब उसे हॉस्टर में शिफ्ट कराया जा रहा था, तभी तो वह खुश थी. पता नहीं इस बीच क्या हुआ?

वहीं, घटना की सूचना मिलने पर बरारी थानाध्यक्ष बिट्टू कमल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. थानाध्यक्ष ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा. फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य इकट्ठा किए हैं. पुलिस को छात्रा के मोबाइल से व्हाट्सएप चैट भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है

मुख्यमंत्री ने जहानाबाद जिले को दी 252 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को समृद्धि यात्रा के क्रम में जहानाबाद जिले में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने जिले को 252 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी.मुख्यमंत्री ने मौके पर जहानाबाद पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर में जीविका दीदियों का सिलाई प्रशिक्षण सह उत्पाद केंद्र का उद्घाटन किया. उद्घाटन के पश्चात् सिलाई प्रशिक्षण सह उत्पाद केंद्र का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया. इस दौरान वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने वहां स्कूली बच्चों के लिए बनाए जा रहे ड्रेस के संबंध में भी जानकारी ली. सिलाई केंद्र से जुड़ी जीविका दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपलोग अच्छे से काम करिए,सरकार हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा रही है. आपलोगों को स्व-रोजगार देने के लिए सरकार हर संभव कार्य कर रही है. इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने जिले में चलाई जा रही विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने जहानाबाद जिला में एनएच 110 से एसएसकॉलेज तक पथ निर्माण कार्य, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य, घोसी के अधीन मंडई वीयर एवं उससे निकलने वाली दायां एवं बायां मुख्य नहर प्रणाली तथा संरचनाओं का निर्माण कार्य,प्रखंड सह अंचल कार्यालय काको, घोसी, मखदुमपुर के भवन का निर्माण कार्य सहित अन्य विकासात्मक योजनाओं की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया. इस क्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया.

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम स्थल से रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर जहानाबाद जिले के लिए 70 करोड़ रुपये की लागत से 88 योजनाओं का उद्घाटन एवं 182 करोड़ रुपये की लागत से 73 योजनाओं का शिलान्यास किया.इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकासात्मक कार्य से संबंधित स्टॉलों का निरीक्षण किया. जीविका के स्टॉल के निरीक्षण के दौरान स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदियों द्वारा जीविकोपार्जन कार्य से जुड़े हुए विभिन्न गतिविधियों एवं उत्पादों की जानकारी ली. वहां उपस्थित जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने महिलाओं की तरक्की के लिए काफी काम किया है. हम सभी जीविका दीदियां आपकी कृपा से जीवन में आगे बढ़ रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपलोग ऐसे ही काम करते रहिए और आगे बढ़िए.

मुख्यमंत्री ने 9066 जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियों को 145 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया. साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के उद्यमियों के बीच 1 करोड़ 82 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया. मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पंचायती राज विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उद्योग विभाग और समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को सांकेतिक चेक प्रदान किया.

न्यूज कॉर्नर

बीएसई में 24 मार्च को सूचीबद्ध होगा एनएचएआई का पब्लिक इन्विट

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) का पहला सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (पब्लिक इन्विट) 24 मार्च को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध किया जाएगा. समारोह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ मंत्रालय और एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे.केंद्रीय राजमार्ग एवं परिवहन मंत्रालय के अनुसार इस आईपीओ को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और यह लगभग 14 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ. इसमें विभिन्न श्रेणियों के निवेशकों ने भाग लिया. मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत सब्सक्रिप्शन भारत की विकास गाथा, वित्तीय बाजारों की मजबूती और सरकार की पारदर्शी एवं सुधारोन्मुख परिसंपत्ति मुद्रीकरण नीति में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है. इस नीति का उद्देश्य पूंजी का प्रभावी पुनर्चक्रण और अवसंरचना विकास को गति देना है.

आरबीआई ने जनवरी में शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर खरीदे

मुंबईः भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर की खरीदारी की. आरबीआई ने सोमवार को जारी अपने मासिक बुलेटिन में यह कहा. केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर की यह खरीद लगातार सात महीनों की शुद्ध डॉलर बिक्री के बाद की है.आरबीआई ने पिछली बार, मई, 2025 में हाजिर मुद्रा बाजार से 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद की थी.मासिक बुलेटिन के आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई ने दिसंबर में 10.02 अरब अमेरिकी डॉलर, नवंबर में 9.71 अरब अमेरिकी डॉलर, अक्टूबर में 11.88 अरब अमेरिकी डॉलर, सितंबर में 7.91 अरब अमेरिकी डॉलर, अगस्त में 7.69 अरब अमेरिकी डॉलर, जुलाई में 2.54 अरब अमेरिकी डॉलर और जून में 3.66 अरब अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री की.सकल आधार पर केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 27.99 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और 25.473 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री की.विदेशी निवेश और भारत-अमेरिका के अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा से फरवरी के पहले सप्ताह में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ और उसके बाद लगभग स्थिर बना रहा.पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण मार्च में अब तक (20 मार्च तक) रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ा और उसमें गिरावट आई है.

कच्चे तेल की वायदा कीमतों ने निचले सर्किट को छुआ

नयी दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर सैन्य हमलों को अस्थायी रूप से रोकने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में शुरुआती बढ़त कम हो गई और सोमवार को इसमें निचला सर्किट लग गया, जिससे वायदा कारोबार में इसकी कीमत नौ प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,431 रुपये प्रति बैरल रह गई.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी वाला अनुबंध आरंभ में 362 रुपये या चार प्रतिशत की तेजी के साथ 9,620 रुपये प्रति बैरल के दिन के उच्चतम स्तर को छू गया.हालांकि, बाद में कीमतों का रुख पलट गया और यह 827 रुपये अथवा नौ प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,431 रुपये प्रति बैरल तक नीचे चला गया जो दैनिक कारोबार की निम्नतम सीमा (लोअर सर्किट) थी.विश्लेषकों ने कहा कि ईरानी ऊर्जा सुविधाओं पर संभावित हमलों को रोकने के अमेरिकी फैसले के बाद भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद तेज बदलाव आया है.वैश्विक बाजारों में भी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई. वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल के मई डिलिवरी अनुबंध की कीमत 7.24 डॉलर या 7.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 90.99 डॉलर प्रति बैरल रह गई, जबकि मई डिलिवरी वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 6.70 डॉलर या 6.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.71 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था.

ईरान के साथ बातचीत में प्रगति के ट्रंप के दावे के बाद बाजारों में उछाल, तेल की कीमतों में गिरावट

तोक्योः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को महत्वपूर्ण 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को फिर से खोलने के लिए समयसीमा बढ़ाने के बाद सोमवार को वॉल स्ट्रीट (अमेरिकी शेयर बाजार) में जबर्दस्त उछाल आया और वैश्विक तेल कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई.ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अगले पांच दिन तक ईरानी बिजली संयंत्रों और अन्य ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हमले नहीं करेगा. इसके साथ ही ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत में प्रगति हुई है.ईरान के साथ युद्ध के चौथे हफ्ते में प्रवेश करने के बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इन हमलों को टालने की जानकारी साझा की. इस खबर के आने से 'एसएंडपी 500' और 'डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज' के वायदा कारोबार में बाजार खुलने से पहले ही 2.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई.दूसरी ओर, कच्चे तेल की कीमतों में तुरंत अपना रुख बदल लिया और इनमें 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई. बेंचमार्क अमेरिकी कच्चा तेल 8.23 डॉलर गिरकर 90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक 'ब्रेंट क्रूड' भी 9.02 डॉलर की गिरावट के साथ 103.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया.

एनसीएलएटी ने वेदांता की याचिका पर सुनवाई कल तक टाली, अदाणी को पक्षकार बनाने का निर्देश

नयी दिल्लीः राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को वेदांता समूह को आदेश दिया कि वह जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी देने वाले एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी अपीलों में अदाणी समूह को भी पक्षकार बनाए. एनसीएलएटी की अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा वाली दो सदस्यीय पीठ ने वेदांता समूह को निर्देश दिया कि वह सफल समाधान आवेदक अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिन के अंत तक याचिका की प्रति उपलब्ध कराए और उसे मामले में पक्षकार बनाए.पीठ ने मामले की सुनवाई मंगलवार के लिए निर्धारित करते हुए कहा कि इस मामले में वह एकतरफा आदेश पारित नहीं कर सकती.पीठ ने कहा, ''हम इस मामले में एकतरफा आदेश पारित नहीं करेंगे आपने उन्हें पक्षकार नहीं बनाया है.''इस मामले में अदाणी एंटरप्राइजेज एनसीएलएटी के समक्ष पहले ही आपत्ति दर्ज करा चुकी है.पहली अपील में समाधान योजना की वैधता को चुनौती दी गई है, जबकि दूसरी अपील में ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण(एनसीएलटी) द्वारा योजना को दी गई मंजूरी को चुनौती दी गई है.अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाला वेदांता समूह दिवाला प्रक्रिया के तहत जेएएल के अधिग्रहण की दौड़ में शामिल था, लेकिन पिछले वर्ष नवंबर में ऋणदाताओं ने अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की समाधान योजना (बोली) को मंजूरी दे दी थी.एनसीएलटी की इलाहाबाद पीठ ने 17 मार्च को दिवाला प्रक्रिया के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दे दी.अब खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता ने उक्त एनसीएलटी आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील दायर की है.पिछले वर्ष नवंबर में ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने उद्योगपति गौतम अदाणी की ओर से जेएएल के अधिग्रहण के लिए प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दी थी.

सेबी बोर्ड ने एफपीआई निपटान नियमों को दी मंजूरी, हितों के टकराव पर सिफारिशें स्वीकार की

मुंबईः बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी. इनमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए धनराशि निपटान के नियमों को सरल बनाना और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामक ढांचे में बदलाव शामिल हैं. इसके अतिरिक्त, निदेशक मंडल (बोर्ड) ने सेबी अधिकारियों से संबंधित 'हितों के टकराव' और संपत्तियों का खुलासे करने पर बनी उच्च स्तरीय समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दे दी है.इस समिति की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त प्रत्यूष सिन्हा ने की थी.समिति का गठन सेबी अधिकारियों द्वारा संपत्ति, निवेश, देनदारियों और अन्य संबंधित मामलों के खुलासे से जुड़े मौजूदा प्रावधानों की व्यापक समीक्षा के लिए किया गया था.बोर्ड ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट), बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) और वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) से संबंधित 'कारोबार सुगमता' के प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी है. इसके तहत एआईएफ को किसी योजना को बंद करने की प्रक्रिया में ढील देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है. साथ ही, बोर्ड ने बाजार मध्यस्थों के लिए 'योग्य और उचित इकाई' होने के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है. इसमें आर्थिक अपराध के मामलों में केवल प्राथमिकी या आरोप पत्र दाखिल होने मात्र से किसी व्यक्ति को काम करने से रोकने या अयोग्य ठहराने के नियम को हटाने का प्रावधान शामिल है.

पश्चिम एशिया संकट समेत पांच कारणों से घरेलू शेयर बाजार में मचा कोहराम

नई दिल्लीः घरेलू शेयर बाजार में आज आई गिरावट ने कारोबारियों को जोरदार झटका दिया. सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही सेंसेक्स 1,836.57 अंक गिर कर बंद हुआ. निफ्टी ने 601.85 अंक की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया. माना जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग के चलते इन्वेस्टर सेंटीमेंट्स पर काफी निगेटिव असर पड़ा है. इसके साथ ही इकोनॉमिक ग्रोथ और अर्निंग आउटलुक पर भी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बन गई है. इसी वजह से घरेलू शेयर बाजार भी दुनिया के दूसरे शेयर बाजार की तरह ही आज जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया.

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से बनी जियो पॉलिटिकल टेंशन की स्थिति, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, कमजोर ग्लोबल संकेत, विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार की जा रही बिकवाली और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में आए उछाल की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज बुरी तरह से धराशायी हो गया.

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार अमेरिका और ईरान की जवाबी हमला करने की चेतावनी देने की वजह से जियो पॉलिटिकल टेंशन अपने चरम पर पहुंच गया था. हालांकि, ईरान की ओर से जवाबी हमला करने की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर ढीले पड़ गए और उन्होंने अगले 5 दिन तक ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने का भी ऐलान किया. ट्रंप के इस ऐलान के पहले ही दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के एनर्जी और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की धमकी देने की वजह से पूरी दुनिया में

डर का माहौल बन गया था, जिसकी वजह से वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार गिरावट का शिकार हुए. इसका असर भारतीय शेयर बाजार में भी साफ-साफ नजर आया.

इसी तरह पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी लगातार तेजी बनी हुई है. पिछले कुछ दिन से क्रूड ऑयल अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है. आज ब्रेंट क्रूड 114.10 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था. क्रूड ऑयल की अपनी कुल जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करने वाले भारत जैसे देश के लिए कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी बड़ी चुनौती बन गई है. तेल की ऊंची कीमत से महंगाई की रफ्तार में भी तेजी आने की आशंका बन गई है. इसके साथ ही व्यापार घाटा बढ़ने और रुपये के कमजोर होने की आशंका भी बन गई है. इस आशंका ने भी घरेलू शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स को काफी हद तक प्रभावित किया है.

इसी तरह धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से ही विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं. मार्च के महीने में किसी भी कारोबारी दिन विदेशी निवेशकों ने खरीदारी नहीं की है. प्रत्येक दिन विदेशी निवेशक बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं. एक मार्च से बीस मार्च तक विदेशी निवेशक इक्विटी मार्केट में शेयरों की बिक्री कर लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं. हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार खरीदारी कर बिकवाली के दबाव को काम करने की कोशिश में जुटे हुए हैं. इसके बावजूद विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली कर मार्केट सेंटीमेंट्स को काफी खराब कर दिया है.

पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण एशियाई बाजार में हाहाकार बचा हुआ है. एशियाई बाजार में अभी तक तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है. अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है. अभी इसके शीघ्र थमने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं. इस वजह से एशिया के हर स्टॉक मार्केट में घबराहट का माहौल बना हुआ है, जिससे भारतीय शेयर बाजार भी प्रभावित हो रहा है.

प्रशांत धामी के अनुसार पश्चिम एशिया संकट के कारण इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) में भी जबरदस्त उछाल आया है. मार्केट के सेंटीमेंट्स और निवेशकों की बेचैनी को दर्शाने वाला यह सूचकांक लगभग 10 प्रतिशत उछल कर 25.03 के स्तर पर आ गया है. इंडिया वीआईएक्स की इस उछाल के कारण भी घरेलू शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स प्रभावित हुए हैं और इसकी गिरावट बढ़ती जा रही है.

वित्त मंत्री ने लोकसभा में 'कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' किया पेश

निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

नई दिल्लीः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में 'कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया. यह विधेयक 'सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008' और 'कंपनी अधिनियम, 2013' में आगे संशोधन करने के लिए पेश किया गया है. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को 10 मार्च को मंजूरी दे दी थी. केंद्रीय वित्त मंत्री ने लोकसभा में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 आज पेश किया. इसका मकसद छोटे कारोबारियों, स्टार्टअप्स और किसानों की उत्पादक कंपनियों के लिए नियमों को आसान बनाना और गैर-जरूरी कानूनी जटिलताओं को कम करना है. लोकसभा एजेंडा के मुताबिक यह विधेयक सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करने के लिए लाया जा रहा है.

इस विधेयक के मुख्य प्रावधान:-

विधेयक का मुख्य प्रावधान छोटे-मोटे अपराधों को डी-क्रिमिनलाइज (अपराध की श्रेणी से बाहर) करना है. कुछ आपराधिक प्रावधानों की जगह सिविल पेनल्टी (जुर्माना) लागू करना है. इसके साथ ही छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और किसान उत्पादक कंपनियों के लिए कंप्लायंस बोझ कम करना है. इसके अलावा कंपनियों के लिए व्यापार करने में आसानी के साथ जीवन की सुगमता को बढ़ावा देना है.

क्यों जरूरी हैं ये बदलाव?

सरकार का मानना है कि कई मामलों में मामूली प्रक्रियात्मक चूक को आपराधिक अपराध मानना व्यवसायों के लिए अनावश्यक दबाव पैदा करता है. ऐसे प्रावधानों को हटाकर या सरल बनाकर कंपनियों को अधिक लचीलापन दिया जाएगा.

पहले भी हो चुके हैं बदलाव

कंपनी अधिनियम, 2013 में 2015 के बाद से अब तक चार बार संशोधन किए जा चुके हैं, ताकि नियमों को सरल बनाया जा सके. एलएलपी अधिनियम, 2008 में भी 2021 में इसी दिशा में बदलाव किए गए थे.

सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्लीः घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है. आज सोमवार के दिन कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,960 रुपये से लेकर 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

स्टॉक मार्केट में इनोविजन की कमजोर लिस्टिंग, पहले ही दिन आईपीओ निवेशक निराश

नई दिल्लीः टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 519 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 466 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 467.70 रुपये के स्तर पर हुई. इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को लगभग 10 प्रतिशत का नुकसान हो गया. कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस शेयर में और गिरावट आ गई, जिसके कारण सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 384.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों 134.20 रुपये प्रति शेयर यानी 25.86 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था.

इनोविजन का आईपीओ 10 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. पहले इसकी क्लोजिंग की तारीख 12 मार्च और लिस्टिंग की तारीख 17 मार्च तय की गई थी, लेकिन 12 मार्च तक काफी कम सब्सक्रिप्शन आने के कारण क्लोजिंग को बढ़ा कर 17 मार्च और लिस्टिंग की तारीख को बढ़ा कर 20 मार्च कर दिया गया. इसके साथ ही इनवेस्टर्स को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने आईपीओ के प्राइस बैंड और इश्यू साइज में भी बदलाव किया. इस इश्यू के लिए पहले तय 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड को बदल कर 494 रुपये से लेकर 519 रुपये प्रति शेयर कर दिया गया.

क्लोजिंग की तारीख बढ़ाने और इश्यू के प्राइस बैंड को कम करने के बाद भी इनवेस्टर्स की ओर से इस इश्यू को एवरेज रिस्पॉन्स ही मिल सका, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 14.30 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.60 गुना

सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.60 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,91,284 शेयर जारी किए गए हैं.

में 255 करोड़ रुपये के 46,53,284 नए शेयर और 68 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं. आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.27 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 29.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है.

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 257.62 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 512.13 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 895.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 483.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है.

इस अवधि में कंपनी के कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया. वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 33.34 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 48.15 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 79.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 112.39 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में उतार चढ़ाव होता रहा. वित्त वर्ष 2022-23 में ये 38.91 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में घट कर 33.45 करोड़ रुपये हो गया. वहीं 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 62.98 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 83.43 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 16.36 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 19.66 करोड़ रुपये हो और 2024-25 में उछल कर 51.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 30.42 करोड़ रुपये के स्तर पर था.

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला टिपको इंजीनियरिंग का आईपीओ, एक अप्रैल को हो सकती हैं लिस्टिंग

नई दिल्लीः इंडस्ट्रियल मशीनरी कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी टिपको इंजीनियरिंग इंडिया का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर एक अप्रैल को बीएसई के एनएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं.

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,84,800 रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 68,03,200 शेयर जारी हो रहे हैं. इनमें 39 करोड़ रुपये के 44,27,200 नए शेयर और 12 करोड़ रुपये के 13,55,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं. वहीं 10,20,800 शेयर मार्केट मेकर्स के लिए रिजर्व किए गए हैं.

कंपनी के आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.87 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.84 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इसके अलावा मार्केट मेकर्स के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है. वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.45 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 13.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है. इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 35.98 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 101.36 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 133.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 86.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है.

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 8.42 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 25.68 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 37.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 37.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में ये 2.56 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 12.50 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 33.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त कमजोरी के संकेत, एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्लीः पश्चिम एशिया में जारी तनाव के और बढ़ जाने तथा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से ऑयल टैंकर्स की आवाजाही को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण ग्लोबल मार्केट में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दो प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार हो गए. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा. वहीं एशियाई बाजार भी आज बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं.

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होने की आशंका की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान डर का माहौल बना रहा. इस डर के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए. एस एंड पी 500 इंडेक्स 100.01 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,506.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 443.08 अंक यानी 2.01 प्रतिशत टूट कर 21,647.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.17 प्रतिशत फिसल कर 45,504.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही. एफटीएसई इंडेक्स 145.17 अंक यानी 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,918.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 142.25 अंक यानी 1.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,665.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 459.37 अंक यानी 2.05 प्रतिशत लुढ़क कर 22,380.19 अंक के स्तर पर

बंद हुआ.एशिया में भी आज चौतरफा गिरावट के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है. एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं. इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है. गिफ्ट निफ्टी 430.50 अंक यानी 1.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,706 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.87 प्रतिशत टूट कर 1,406.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है. कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है. फिलहाल यह सूचकांक 337.97 अंक यानी 5.85 प्रतिशत लुढ़क कर 5,443.23 अंक के स्तर तक गिर गया है. इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,087.53 अंक यानी 3.91 प्रतिशत फिसल कर 51,285 अंक के स्तर पर आ गया है. इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 869.32 अंक यानी 3.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,408 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 927.45 अंक यानी 2.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 32,616.43 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 98.87 अंक यानी 2.50 प्रतिशत टूट कर 3,858.18 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 108.88 अंक यानी 2.20 प्रतिशत फिसल कर 4,839.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं.

न्यूज कॉर्नर

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हम्पी की जगह यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक

नयी दिल्ली: यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को साइप्रस में होने वाले आगामी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में कोनेरू हम्पी की जगह शामिल किया गया है चूंकि भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया था. शनिवार से पाफोस में शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का निर्धारण होगा. इस समय ओपन वर्ग में डी गुकेश और महिला वर्ग में जू वेंजुन विश्व चैम्पियन हैं. दो बार महिला विश्व रैपिड चैम्पियन हम्पी ने आयोजकों से आश्वासन मिलने के बावजूद निजी सुरक्षा को लेकर चिंता का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया. इस महीने की शुरूआत में साइप्रस में एक ब्रिटिश एयर बेस पर ड्रोन हमला हुआ था जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ गई है. फिडे ने एक बयान में कहा, ''टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार हम्पी की जगह महिला इवेंट्स सीरिज 2024-25 में अगला सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने वाली खिलाड़ी को दी गई है जिसने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है . यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक यह टूर्नामेंट खेलेंगी.'' वह महिला विश्व रैपिड चैम्पियन (2016) और दो बार महिला विश्व ब्लिट्ज चैम्पियन (2014 और 2016) रह चुकी हैं. इससे पहले हम्पी ने एक्स पर जारी बयान में कहा ,''काफी सोच विचारकर मैने फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से बाहर रहने का कठिन फैसला किया है.'' उन्होंने कहा,''कोई भी टूर्नामेंट , कितना भी बड़ा क्यों नहीं हो, निजी सुरक्षा से बढकर नहीं हो सकता . तमाम आश्वासनों के बावजूद मुझे मौजूदा हालात में वहां जाना सुरक्षित नहीं लगता. यह दुखद है लेकिन जरूरी फैसला है.'' हम्पी पर इस फैसले के लिये 10000 यूरो जुर्माना लग सकता है हालांकि फिडे ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है. हम्पी के नाम वापिस लेने से भारत की उम्मीदों को झटका लगा है. उनके अलावा आर प्रज्ञानानंदा (ओपन वर्ग), आर वैशाली (महिला वर्ग) और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने इसके लिये क्वालीफाई किया है.

अरुंधति रेड्डी, साहिबजादा फरमान फरवरी में आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई: भारत की मध्यम तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को आस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिये फरवरी महीने में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया. वहीं पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टी20 विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरूष क्रिकेटर चुना गया है. रेड्डी ने तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भारत की 2-1 से जीत में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने श्रृंखला में 7.25 की इकॉनॉमी दर से आठ विकेट लिये. रेड्डी ने कहा, ''आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना गर्व की बात है. यह इसलिये भी और खास है कि आस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला जीतने में योगदान दे सकी. आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं होता.'' साहिबजादा ने नामीबिया और श्रीलंका के खिलाफ टी20 विश्व कप में शतक लगाया और एक ही टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने का विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा. उन्होंने सात टी20 मैचों में 383 रन बनाये थे.

भारत मुख्य बाजार ,पर जहाज अब काफी आगे निकल चुका है: क्रिकेट के वैश्विकरण पर आईसीसी सीईओ

नयी दिल्ली: हाल ही में टी20 विश्व कप में एसोसिएट देशों के निडर प्रदर्शन की तारीफ करते हुए आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने उनके विकास को क्रिकेट के परिपक्व वैश्विक खेल बनने का संकेत बताया और कहा कि भारत मुख्य बाजार है लेकिन क्रिकेट निश्चित तौर पर वैश्विक होता जा रहा है. भारत ने 20 टीमों की भागीदारी वाला टी20 विश्व कप जीता लेकिन पहली बार टूर्नामेंट खेल रही इटली, अमेरिका, नेपाल और जिम्बाब्वे जैसी टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया. गुप्ता ने 'डब्ल्यूपीपी मीडिया स्पोर्टिंग नेशन 13वें संस्करण' में एक कॉलम में लिखा, ''भारत विश्व क्रिकेट का मुख्य बाजार है. इसके प्रशंसकों की संख्या, वित्तीय मजबूती और खेल के प्रति समय समय पर परखे गए लगाव से एक ऐसा मंच मिलता है, जिससे पूरे इकोसिस्टम को फायदा होता है. आईसीसी टूर्नामेंटों में हालांकि यह देखने को मिला है कि जहाज एक गंतव्य से बहुत आगे निकल चुका है.'' उन्होंने लिखा,''आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में एसोसिएट देशों जैसे नेपाल, इटली और अमेरिका ने निडर क्रिकेट खेलकर दुनिया भर का ध्यान खींचा है.'' उन्होंने कहा, ''इसी के साथ श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों ने सुपर आठ में पहुंचकर अपनी उस काबिलियत को साबित किया जिसे अक्सर नजरंदाज किया जाता है. ये पल मैदान पर उलटफेर से काफी अधिक हैं. ये परिपक्व वैश्विक खेल के संकेत हैं.'' गुप्ता ने कहा कि महिला वनडे विश्व कप में भारत की खिताबी जीत से महिला क्रिकेट का विकास भी तेजी से होने की उम्मीद है क्योंकि इसने एक प्रभावी बाजार को पूरी तरह से खोल दिया है.

वरिष्ठ खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई: हॉकी की बेहतरीन कवरेज के लिये मशहूर वरिष्ठ खेल पत्रकार एस त्यागराजन का सोमवार को यहां बढती उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण निधन हो गया. वह 85 वर्ष के थे. छह ओलंपिक और नौ एशियाई खेल कवर कर चुके त्यागराजन 1962 से 2013 तक 'द हिंदू' समाचार पत्र के लिये काम करते रहे. उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत 1961 में 'द इंडियन एक्सप्रेस' से की थी. 'द हिंदू' के खेल संपादक केसी विजय कुमार ने एक्स पर लिखा, ''द हिंदू के लिये कई दशक तक काम करने वाले हॉकी पत्रकारिता के दिग्गज संवाददाता एस त्यागराजन का निधन.'' त्यागराजन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) की मीडिया और संचार से जुड़ी कई समितियों में भी रहे. वह भारतीय खेल पत्रकार संघ और तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ के भी पूर्व अध्यक्ष रहे.

दिल्ली कैपिटल्स को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से स्टार्क को जल्द एनओसी मिलने की उम्मीद

नयी दिल्ली: दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए. स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिये थे. बदानी ने कहा, ''हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं. जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे.'' उन्होंने एनओसी मिलने में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ लगातार संपर्क में हैं. वह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, उन्होंने कुछ दिन पहले भी गेंदबाजी की थी. जब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उन्हें खेलने के लिए फिट घोषित नहीं कर देता, तब तक कोई फ्रेंचाइजी कुछ नहीं कर सकती.'' उनके बगल में बैठे राव ने कहा, ''वह आ रहे हैं, बस क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का सवाल है. वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की निगरानी में हैं. हम भी उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं.'' राव और बदानी के साथ बैठे अक्षर से पूछा गया कि अगर स्टार्क एक अप्रैल को लखनऊ में खेले जाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए नहीं पहुंचते हैं, तो क्या वह टी. नटराजन को उनकी जगह खिलाने के लिए तैयार हैं. अक्षर ने कहा, ''इस समय इसका जवाब देना मुश्किल है. अगर स्टार्क को एनओसी मिल जाती है, तो वह शुरुआती मैच से पहले भी आ सकते हैं. हम उस जानकारी का इंतजार कर रहे हैं. अगर वह नहीं आते हैं, तो जरूरी नहीं है कि हम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह दूसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को ही टीम में शामिल करें.''

हॉकी इंडिया ने की '8वें वार्षिक पुरस्कार 2025' के लिए नामित खिलाड़ियों की घोषणा

नयी दिल्ली: हॉकी इंडिया ने सोमवार को '8वें वार्षिक पुरस्कार 2025' के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है. यह पुरस्कार समारोह 27 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें वर्ष 2025 के दौरान भारतीय हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान देने वाले खिलाड़ियों व अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा. इस समारोह के प्रमुख पुरस्कारों में 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार' शामिल है, जो पुरुष और महिला वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को दिया जाएगा. इसके अलावा उभरती प्रतिभाओं को 'हॉकी इंडिया जुगराज सिंह उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर-21)' और 'हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर-21)' पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा. विभिन्न पोजीशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर', 'हॉकी इंडिया परगट सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर', 'हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर' और 'हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड' पुरस्कार भी दिए जाएंगे. इन आठ श्रेणियों में कुल 32 खिलाड़ियों

को अंतिम सूची में शामिल किया गया है. इसके अलावा समारोह में 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार', 'जमन लाल शर्मा अमूल्य योगदान पुरस्कार', अंपायर और तकनीकी अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान, तथा सर्वश्रेष्ठ सदस्य इकाई पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे. इस दौरान 2025 में एशिया कप राजगीर (बिहार) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर पुरुष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा. साथ ही 15वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सदस्य इकाइयों को भी मान्यता दी जाएगी. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, यह भारतीय हॉकी के लिए महत्वपूर्ण वर्ष है और ऐसे में पिछले वर्ष के बेहतरीन प्रदर्शन को पहचान देना जरूरी है. ये पुरस्कार खिलाड़ियों और अधिकारियों के समर्पण और उपलब्धियों को सम्मानित करते हैं. वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, ये पुरस्कार खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और सदस्य इकाइयों के सामूहिक प्रयासों को मान्यता देते हैं, जिन्होंने भारतीय हॉकी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है.

नामांकित खिलाड़ी इस प्रकार हैं

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (बलजीत सिंह पुरस्कार): प्रिंस दीप सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, बिचु देवी खारीबाम, सूरज करकेरा. **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर (परगट सिंह पुरस्कार):** संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह. **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर (अजीत पाल सिंह पुरस्कार):** हार्दिक सिंह, सुमित, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा. **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड (धनराज पिल्लै पुरस्कार):** सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लकड़ा. **उभरती खिलाड़ी (महिला अंडर-21, असुंता लकड़ा पुरस्कार):** साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिता टोप्पो, कनिका सिवाच. **उभरते खिलाड़ी (पुरुष अंडर-21, जुगराज सिंह पुरस्कार):** प्रिंस दीप सिंह, मनमीत सिंह, अनमोल एक्का, अर्शदीप सिंह. **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार):** नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, सविता. **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार):** हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय, अभिषेक.

एशिया कप में नये चेहरों के साथ नये सत्र की शुरूआत करेगी भारतीय तीरंदाजी टीम

बैंकॉक: भारत तीरंदाजी के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र का आगाज यहां मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले चरण से करेगा जिसके लिये टीम में नामी गिरामी सितारों की बजाय प्रतिभावान युवाओं को जगह दी गई है. भारतीय टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, तरूणदीप राय, ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा नहीं हैं. भारतीय टीम प्रबंधन जापान में सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों तक चलने वाले इस व्यस्त सत्र के पहले टूर्नामेंट में अपने युवा खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है. शीर्ष तीरंदाज मैक्सिको और शंघाई में अप्रैल से होने वाले विश्व कप के पहले दो चरण के लिये वापसी करेंगे. पिछले साल भारत ने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीते थे. दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज की गैर मौजूदगी में भारत का पलड़ा फिर भारी लग रहा है. उसे चीन और बांग्लादेश से चुनौती मिल सकती है. रिकर्व पुरूष वर्ग में आस्ट्रेलिया के रियान टियाक प्रबल दावेदार हैं जो विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर हैं. महिला वर्ग में रूस में जन्मी तटस्थ खिलाड़ी नूरिनिस्सो माखमुदोवा (45वीं रैंकिंग) सर्वोच्च रैंकिंग वाली तीरंदाज हैं. भारतीय पुरूष कंपाउंड टीम में दुनिया के चौथे नंबर के तीरंदाज ऋषभ यादव, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रथमेश जावकर और रजत चौहान हैं. पिछले साल कुशल दलाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था जबकि मानव जाधव और गणेश तिरिमुरू के साथ टीम स्वर्ण अपने नाम किया था. महिला वर्ग में ज्योति की गैर मौजूदगी में नजरें 20 वर्ष की चिकिथा तानीपर्थी पर होंगी जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं. **भारतीय टीम : रिकर्व पुरूष** : देवांग गुप्ता, आरव पूनिया, जुयेल सरकार और सुखचैन सिंह. **रिकर्व महिला** : कीर्तिक, अंशिका कुमारी, रूमा बिस्वास और रिद्धि. **कंपाउंड पुरूष** : रजत चौहान, प्रथमेश जावकर, उदय कम्बोज और ऋषभ यादव. **कंपाउंड महिला** : स्वाति दुधवाल, राज कौर, तेजल साल्वे और चिकिथा तानीपर्थी.

भारतीय इंडोर एथलेटिक्स के नये युग की शुरूआत

भुवनेश्वर: भारत संकरे ट्रैक और एक समान हालात वाले इंडोर एथलेटिक्स में अपने सफर की औपचारिक शुरूआत मंगलवार से यहां शुरू हो रही पहली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के जरिये करेगा जबकि दो साल बाद इसी स्थान पर उसे विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करनी है. पिछले सप्ताह भारत को विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है जो इसी स्थान पर तीन से पांच मार्च, 2028 में होगी. भारत में पहली बार ट्रैक और फील्ड की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा. राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो दिन तक चलेगी. भारत में शीर्ष स्तर की इंडोर सुविधाओं के अभाव में इंडोर एथलेटिक्स उतना लोकप्रिय नहीं रहा है. कुछ भारतीय हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते आये हैं. इंडोर स्पर्धाओं में खिलाड़ी संकरे ट्रैक पर उतरते हैं. आउटडोर 400 मीटर ट्रैक चौड़े और सपाट टर्न वाले होते हैं. इंडोर स्पर्धायें हवा या मौसम से प्रभावित नहीं होती क्योंकि भीतर एक सी परिस्थितियां होती है. भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा और 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले इसमें भाग नहीं लेंगे क्योंकि उनकी स्पर्धायें रोस्टर का हिस्सा नहीं हैं. कलिंगा स्टेडियम परिसर के भीतर विश्व स्तरीय सुविधायें तैयार होने के बाद भारत ने विश्व एथलेटिक्स को 2028 चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिये मनाया है. भारत को 2028 में होने वाली एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिलने की भी उम्मीद है जिस पर फैसला मई में लिया जायेगा. अधिकांश भारतीय एथलीटों, आयोजकों और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अधिकारियों के लिये यह नया अनुभव होगा. इंडोर स्पर्धा 200 मीटर के ट्रैक पर होगी. सबसे छोटी फर्राटा दौड़ 60 मीटर की है. ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद , त्रिकूद और शॉटपुट को इसमें शामिल किया गया है लेकिन भालाफेंक, चक्काफेंक या तारगोला फेंक जैसी थ्रो स्पर्धायें नहीं होंगी. राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सबसे बड़े दल हैं. आउटडोर स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजूर, मोहम्मद अफजल और प्रवीण चित्रावेल भी इसमें नजर आयेंगे. दो दिन में पुरूष और महिला वर्ग में 11 स्पर्धायें होंगी जिनमें 60 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 60 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद, त्रिकूद और शॉटपुट शामिल हैं. हाल ही में पोलैंड में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शामिल की गई चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले इसका हिस्सा नहीं है. चार गुणा 400 मीटर महिला और पुरूष रिले, पुरूष हेप्टाथलन और महिला पेंटाथलन को भी जगह नहीं दी गई है.

कराबाओ कप: मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर दो साल बाद जीता पहला खिताब

लंदन: कराबाओ कप के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्सेनल को 2-0 से हराकर दो साल बाद खिताब अपने नाम किया. वेम्बली मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई. प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही आर्सेनल इस मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन सिटी के सामने वह पूरी तरह फीकी साबित हुई. इस जीत के साथ सिटी ने इस प्रतियोगिता का नौवीं बार खिताब जीता. टीम के मुख्य प्रशिक्षक पेप गार्डियोला के लिए यह जीत बेहद खास रही. उनके मार्गदर्शन में टीम ने पांचवीं बार यह खिताब जीता और वह इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल प्रशिक्षक बन गए. उन्होंने जोस मोरिन्हो, एलेक्स फर्ग्यूसन और ब्रायन क्लफ के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी. दूसरे हाफ में सिटी ने खेल की रफ्तार बढ़ाई और 60वें मिनट में आर्सेनल के गोलकीपर केपा अरिजाबालागा की गलती का फायदा उठाते हुए ओ'रेली ने पहला गोल दागा. इसके चार मिनट बाद सिटी ने बढ़त दोगुनी कर दी. दाईं ओर से बने शानदार मूव पर मैथियस नुनेस के सटीक पास को ओ'रेली ने हेडर के जरिए गोल में बदल दिया. आर्सेनल के खिलाड़ियों में निराशा साफ दिखी. बेन व्हाइट को विरोधी खिलाड़ी पर फाउल करने के कारण पीला कार्ड भी मिला. अंत में आर्सेनल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गैब्रियल का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया. मैच के बाद बर्नार्डो सिल्वा ने ट्रॉफी उठाई, जबकि आर्सेनल के अधिकांश समर्थक मैदान छोड़ चुके थे. सिटी के प्रशंसकों ने जीत का जमकर जश्न मनाया. गौरतलब है कि सिटी पिछले वर्ष कोई खिताब नहीं जीत सकी थी, लेकिन इस जीत से उसने दिखा दिया कि वह अब भी खिताब की मजबूत दावेदार है.

मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं: अक्षर

नयी दिल्ली: भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना करते हुए कहा, ''मुझे यह पसंद नहीं है'', क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है. रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं. यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा. रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है. इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो. भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' से जुड़े 'पीटीआई' के सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा, ''मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद एक ऑलराउंडर हूं. पहले हम इस भूमिका (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) के लिए ऑलराउंडर चुनते थे. अब टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है. वे कहते हैं कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?'' उन्होंने कहा, ''खुद एक ऑलराउंडर होने के नाते मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन साथ ही नियम तो नियम होते हैं. हमें उनका पालन करना होता है. व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है.'' अक्षर ने पिछले आईपीएल सत्र में केवल 204 गेंदें फेंकी थीं, जबकि उससे पिछले सत्र में उन्होंने 264 गेंदें फेंकी थीं. उन्होंने कहा कि यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण नहीं था, बल्कि उंगली की चोट के कारण था, जो उन्हें आईपीएल से पहले परेशान कर रही थी. उन्होंने कहा, ''मैंने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की. यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' की वजह से नहीं था. मैं गेंद को स्पिन कराने के लिए जिस उंगली का इस्तेमाल करता हूं, वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद चोटिल (घाव) हो गई थी. यह घाव इतना बढ़ गया था कि मैं गेंद की सीम पर पकड़ नहीं बना पा रहा था.'' अक्षर ने कहा, ''इसीलिए मैं सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही गेंदबाजी कर रहा था और अपनी उंगली का ध्यान रख रहा था. सात मैचों के बाद हालत बेहतर हुई और मैंने नियमित रूप से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया.'' अक्षर के सामने दिल्ली को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाने की चुनौती है. अक्षर ने महज 18 महीनों में सबसे छोटे प्रारूप में दो बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता है. इस महीने की शुरुआत में टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली टीम की तुलना 2000 के दशक की अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम से की जा रही है. उस समय हालांकि ऑस्ट्रेलिया की टीम को वनडे प्रारूप में सफलता मिली थी. कुछ लोगों ने मौजूदा भारतीय टीम को अब तक की सबसे महान टी20 टीम बताया है. अक्षर ने कहा कि वह अलग-अलग युगों की टीमों की तुलना करने में विश्वास नहीं रखते. उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के लिए यह सब 2022 के बाद शुरू हुआ. हमने इस तरह की क्रिकेट खेलना शुरू किया और कुछ कड़े फैसले लिए. अगर इस भारतीय टीम को दबदबा बनाना है, तो हमें बेखौफ होकर क्रिकेट खेलना जारी रखना होगा और उस समय खेल की आवश्यकता के अनुसार बदलाव करने होंगे.'' उन्होंने कहा, ''मैं अब तक की सबसे महान टी20 टीम होने के तमगे पर विश्वास नहीं करता. यह सब समय और युग की बात है. अगर किसी टीम का संयोजन सही हो, तो वे चमत्कार कर सकते हैं.''

मियामी ओपन के तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोरडा से हारे अल्काराज

मियामी गार्डन्स: दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज मियामी ओपन के तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोरडा से हारकर बाहर हो गए हैं. इससे पहले इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज को दानिल मेदवेदेव ने हराया था. उन्हें कोरडा ने दो घंटे 19 मिनट तक चले मैच में 6-3, 5-7, 6-4 से हराया. अब कोरडा का सामना मार्टिन एल से होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी. अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल भी चौथे दौर में पहुंच गए हैं. छठी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने रीली ओपेलका को 6-3, 6-4 से हराया जबकि 22वीं रैंकिंग वाले पॉल ने रफाएल कोलिंगनोन को 602, 3-6, 7-6 से मात दी. महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने कैथरीन मैकनाली को 6-4, 6-2 से हराया. दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना ने मार्ता कोस्तयुक को 6-3, 6-4 से हराया. वहीं पांचवीं रैंकिंग वाली जेसिका पेगुला ने लैला फर्नांडिस को 6-2, 6-2 से शिकस्त दी.

अनुबंध उल्लंघन और वेतन वृद्धि की मांग से पीएसएल 11 की मुश्किलें बढ़ी

कराची: विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स (आयोजन संबंधी) और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है. विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं. दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है. यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है. इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा. पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह मई के अंतिम या जून के शुरुआती सप्ताह तक चल सकता है. एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है. सूत्र ने बताया, ''पीसीबी इस समय पीएसएल को निर्धारित समय पर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उसने अभी तक नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तय नहीं की है.'' नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाने के बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, लेकिन चिंता बनी हुई है कि ऐसे उपाय भविष्य में शीर्ष विदेशी प्रतिभाओं को पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंध करने से और भी

हतोत्साहित कर सकते हैं. उन्होंने कहा, ''ऐसे में एक तर्क यह भी है कि प्रतिबंधों से पीएसएल के आगामी सत्रों के लिए बड़े विदेशी खिलाड़ियों से करार करना और भी मुश्किल हो जाएगा.'' सूत्र ने स्वीकार किया कि दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. कई खिलाड़ी चोट से जूझ रहे आईपीएल में काफी अधिक वेतन पैकेज दिए जा रहे हैं, जबकि पीएसएल फ्रेंचाइजी उन वेतन पैकेजों का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं. पीसीबी ने पिछले साल अनुबंध उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया था. यह कदम हालांकि प्रभावी साबित नहीं हुआ, क्योंकि बॉश ने पीएसएल खिलाड़ी ड्राफ्ट में शामिल होने से पहले ही अगली नीलामी में आईपीएल अनुबंध हासिल कर लिया. पीसीबी द्वारा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अन्य सदस्यों के समक्ष भी उठाने की उम्मीद है, ताकि एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके, जो यह सुनिश्चित करे कि खिलाड़ी किसी लीग में शामिल होने के बाद अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करें. इस वर्ष के पीएसएल से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और जॉनसन चार्ल्स, श्रीलंका के दासुन शनाका, जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी, ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन और जेक फ्रेजर-मैकगर्क, दक्षिण अफ्रीका के ओटनेल बार्टमैन, अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज और इंग्लैंड के टायमल मिल्स शामिल हैं. इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्नुस लाबुशेन, न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और डेवोन कॉन्वे कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ियों के साथ पीएसएल में भाग लेने के लिए लाहौर पहुंच गए हैं. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पीएसएल सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि अगले 48 घंटों में और भी विदेशी खिलाड़ियों और कोचिंग दल के सदस्यों के पहुंचने की उम्मीद है. इसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन और उनका स्टाफ भी शामिल है. पीसीबी ने रविवार को घोषणा की कि क्षेत्र में चल रहे संघर्ष और सरकार द्वारा खर्च कम करने के उपायों के कारण पीएसएल मैच दर्शकों के बिना आयोजित किए जाएंगे. बोर्ड ने उद्घाटन समारोह भी रद्द कर दिया और आयोजन को केवल दो स्थानों (लाहौर और कराची) तक सीमित कर दिया.

न्यूज कॉर्नर

झज्जर में बेकाबू टैंकर ने कई वाहनों को मारी टक्कर, तीन मरे,चार घायल

चंडीगढ़: झज्जर में सोमवार की दोपहर हुए हादसे में एक तेज रफ्तार कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया. इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. हादसा बहादुरगढ़ में दिल्ली-रोहतक रोड पर स्थित आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र के मामा चौक पर सोमवार की दोपहर हुआ. चौक की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने सडक़ पार कर रहे दो युवकों को सीधी टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयावह थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया.पहले हादसे के बाद चालक नहीं रुका. पकड़े जाने के डर से कैंटर को और तेज भगाते हुए बाईपास की ओर ले गया. बाईपास पर कैंटर ने एक मोटरसाइकिल को रौंद दिया. इस हादसे में कानोंदा निवासी योगेंद्र (30 वर्ष) की मौत हो गई, जबकि उसका साथी प्रवीण गंभीर रूप से घायल हो गया. इसके बाद बेकाबू कैंटर ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी. ऑटो में सवार लाइनपार निवासी प्रेम (महिला), उनके पति कृष्ण और चालक जयवीर लहूलुहान हो गए. कई लोगों ने इधर-उधर भाग कर अपनी जान बचाई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायल लोगों को उठाकर बहादुरगढ़ सिविल अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अशोक (32) निवासी छपरा (बिहार) और शंभू (22) निवासी छपरा (बिहार) ओर हरियाणा के कानोंदा निवासी योगेन्द्र (30 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया.

हिसार : सड़क पार कर रहे व्यक्ति को निजी बस ने कुचला, मौत

हिसार: जिले के कस्बा बरवाला में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा उस समय हुआ जब हिसार-टोहाना मेन रोड पर बरवाला में पुराने बस स्टैंड के पास रोड पार करते समय एक व्यक्ति तेज रफ्तार निजी बस की चपेट में आ गया. मिली जानकारी के अनुसार बरवाला निवासी लगभग 45 वर्षीय राजवीर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था. वह शहर में कागज व अन्य कबाड़ इकट्ठा करने का कार्य करता था. मृतक के चार बच्चे हैं. सोमवार को वह रोजमर्रा की तरह अपने काम के दौरान पुराने बस स्टैंड के पास हिसार-टोहाना रोड को पार कर रहा था. इसी दौरान टोहाना की ओर से हिसार की तरफ आ रही एक निजी बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर इतनी तेज थी कि राजवीर बस के टायर के नीचे आ गया. हादसे में गंभीर चोटें आने की वजह से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया. हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे संभालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. घटना की सूचना राहगीरों द्वारा तुरंत पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही बरवाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया.

पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करके फरार हुआ सिक्योरिटी गार्ड

गुरुग्राम: खेडक़ीदौला पुलिस थाना क्षेत्र स्थित रामपुरा में एक सिक्योरिटी गार्ड ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी. इसके बाद वह मौके से फरार हो गया. पड़ोसियों ने जब शव कमरे में पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी रश्मि अपने पति के साथ गांव रामपुरा में किराए पर रहती थी. उसका पति एक कंपनी में बतौर सिक्योरिटी गार्ड तैनात है. दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था. उनका झगड़ा इतना अधिक बढ़ गया कि सिक्योरिटी गार्ड ने पत्नी से मारपीट के दौरानचुन्नी से उसका गला दबाकर हत्या कर दी. वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. कुछ देर बाद जब पड़ोसियों ने रश्मि को आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं मिला. दरवाजा खुला हुआ देखकर जब पड़ोसियों ने अंदर प्रवेश किया. वहां देखा तो रश्मि मृत पड़ी है. इसकी सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है.

दलगांव में एआईयूडीएफ समर्थकों के बीच झड़प, वाहनों में तोड़फोड़

दरंग (असम): असम के दरंग जिले के दलगांव क्षेत्र में सोमवार को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प होने से इलाके में तनाव का माहौल बन गया. इस दौरान कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई और क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई.घटना उस समय हुई जब एआईयूडीएफ के उम्मीदवार मजीबुर रहमान ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. नामांकन के तुरंत बाद खारुपेटिया नगर बोर्ड कार्यालय के सामने स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई, जहां पार्टी समर्थकों के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उग्र समर्थकों ने कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया. इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और कुछ समय के लिए क्षेत्र में सामान्य गतिविधियां बाधित रहीं.सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया. फिलहाल हालात पर नजर रखी जा रही है और मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है.

सिक्योरिटी गार्ड की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

जयपुर: गलतागेट थाना इलाके में अज्ञात बदमाश ने सिक्योरिटी गार्ड की पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया. सड़क पर सिक्योरिटी गार्ड का शव देश राहगीरों में सनसनी फैल गई. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया. पुलिस ने घटना स्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर हमलावर की तलाश शुरु कर दी है.गलता गेट थाना प्रभारी धर्म सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित बास बदनपुरा में किसी अज्ञात बदमाश ने प्रमोद कुमार (51) निवासी दखली मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) की कनपटी पर पत्थर से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया. और मौके से फरार हो गया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक प्रमोद कुमार काम के सिलसिले में 5 महीने पहले ही अपने गांव से जयपुर आया था और किराए के मकान में रहे रहा था. धर्म सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे जैन नसियां पार्किंग के गार्ड रुम में एक गार्ड के घायल होने की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ कर उसकी शिनाख्त की और घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी.

करंट से मौत के बाद परिजनों का हंगामा, रास्ता रोका

जोधपुर: शहर के सूरसागर बाइपास रोड स्थित 33/11 केवी जीएसएस पर कार्यरत एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई. मृतक जीएसएस पर ऑपरेटर लगा हुआ था. इधर परिजन का आरोप है कि उसकी मौत लापरवाही से हुई है. परिजन की तरफ से उचित मुआवजा और अन्य मांगों को लेकर एमजीएच अस्पताल मोर्चरी के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया. सूरसागर थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि ऊंटों की घाटी सूरसागर निवासी 28 वर्षीय उम्मेद सिंह चारण यहां सूरसागर बाइपास पर 33/11 केवी जीएसएस पर कार्यरत था. वह यहां पर ऑपरेटिंग पर लगा हुआ था. रात साढ़े 11 बजे उसे करंट लग गया था और उसकी मौत हो गई. उसे करंट कैसे लगा इस बारे में अग्रिम जांच की जा रही है. इधर मृतक के परिजन व राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ता एमजीएच अस्पताल मोर्चरी पर एकत्र हो गए और फिर कार्रवाई और उचित मुआवजें की मांग करते हुए रास्ता जाम कर दिया. मोर्चरी के बाहर पुलिस का जाब्ता लगाया गया. बाद में पुलिस अधिकारियों ने समझाइश की. वार्ता के बाद मृतक के परिजनों को 15 लाख रुपये के आर्थिक मुआवजे पर सहमति बनी, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया.

रियासी में बुधान-डगनटॉप रोड पर कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत, चार अन्य घायल

रियासी: जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बुधान इलाके में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में कम से कम दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए.अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में पंजीकरण संख्या जेके19ए-4098 वाली एक ईको कार बुधान-डगनटॉप रोड पर शामिल थी जो एक पहाड़ी इलाका है जो तीखे मोड़ और कठिन इलाके के लिए जाना जाता है. अधिकारियों ने कहा कि वाहन उन परिस्थितियों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिनकी जांच की जा रही है जिससे तत्काल मौतें हुईं और कई घायल हुए. सूचना मिलते ही बचाव दल और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया. अधिकारियों ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है.

भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परंपरा से जुड़ना गर्व का विषय : सीएम डॉ. मोहन यादव

भोपाल में सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को होगी नई दिल्ली की 26 जनवरी जैसी परेड

भोपाल: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने हर मौके और मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है. देश के हर व्यक्ति और परिवार के लिए भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परंपरा से जुड़ना गर्व का विषय है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्य सचिव अनुराग जैन और चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भोपाल स्थित मुख्यमंत्री समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे. बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध सैन्य विरासत से परिचित कराने और प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को भोपाल में विशेष परेड आयोजित की जाएगी. भोपाल में सेना दिवस पर होने वाले इन कार्यक्रमों में शामिल होने का अनुभव, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाले कार्यक्रमों के समान होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाले इस आयोजन के लिए राज्य सरकार, भारतीय सेना को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई सैन्य अधिकारियों की बैठक में सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आगामी सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी. इसके साथ ही शौर्य संध्या, सेना के हथियारों संसाधनों और उपकरणों पर केंद्रित प्रदर्शनी तथा सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन भी होगा. सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा. सभी गतिविधियां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों की भव्यता और गरिमा के समान संचालित की जाएगी. कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे. यह आयोजन भारतीय सेना की समृद्ध वीरता और सैन्य परंपरा के प्रदर्शन, सैन्य परेड से जन-जन को जोड़ने, सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं पारस्परिक विश्वास की भावना विकसित करने और युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है.

बैठक में बताया गया कि सेना दिवस 15 जनवरी 2027 पर होने वाले इन कार्यक्रमों की शुरुआत 01 नवंबर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से होगी. स्थापना दिवस पर मेरी माटी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिट्टी लाकर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष लगाया जाएगा. सेना दिवस 15 जनवरी की परेड के लिए 9,11 और 13 जनवरी को अभ्यास होगा. इसी प्रकार 15 जनवरी की शौर्य संध्या के लिए 11 और 13 जनवरी को अभ्यास का क्रम रखा गया है. सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक होगा.

मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैं: शिवराज

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं. उन्होंने कहा कि मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैं. दिन-रात काम करना और उनकी परिश्रम की परिकाष्ठा ने इसका एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है कि मन गर्व और आनंद से भर जाता है.शिवराज ने भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी प्रधानमंत्री बने और इसके बाद देश के विकास के एक नए युग का प्रारंभ हुआ. मोदी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है. वो राष्ट्र के आराधक और जनता के सेवक हैं.

यही उनके कार्यों की मूल प्रेरणा है. बीते दिनों की यादें ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन उनकी माताजी का स्वर्गवास हुआ था, बेहद सादगीपूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार संपन्न हुआ और हमने देखा कि जो प्रधानमंत्री मोदी का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था और वो रेलवे के उस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर झंडी दिखा रहे थे. ये अपने आप में अद्भुत घटना है. उन्होंने कहा कि साल 2011, 2012, 2013 के वो काले दिन थे, जब चारों तरफ घोटालों का शोर सुनाई पड़ता था. बेइमानी, भ्रष्टाचार घोटाले सब चरम सीमा पर थे. उन दिनों भ्रष्टाचार ही देश की पहचान बन गई थी. जनता हताश और निराश थी.निराशा के इस अंधकार में आशा और विश्वास के प्रतीक बनके निकले मोदी. देश में चारों तरफ सिर्फ मोदी-मोदी.शिवराज ने कहा कि एक जमाना था, जब निवेशकों को कहा जाता था कि गुजरात मत जाना. गुजरात कभी भयानक सूखे से जूझता था. नर्मदा का जल समुद्र में बह जाता था और सरदार सरोवर डैम वर्षों तक राजनीति में अटका रहा. फिर मोदी ने गुजरात के कायाकल्प का संकल्प लिया. उन्होंने प्रण लिया कि कैसे नर्मदा के पानी गुजरात की जनता के सूखे कंठों की प्यास बुझाए और कैसे खेतों में फसल लहलहाए. उन्होंने कहा कि वे मोदीको 35 वर्षों से जानते हैं. वे भारत माता के सच्चे उपासक और राष्ट्र के आराधक हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी से जुड़े मामले में सीबीआई और ईडी को लगाई फटकारो

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके पूर्व प्रमोटर अनिल अंबानी से जुड़े कथित हजारों करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच में देरी को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाई है. चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जांच एजेंसियों के कामकाज में हिचकिचाहट नजर आ रही है, ऐसे में जांच पारदर्शी, निष्पक्ष और तय समय सीमा में पूरी होनी चाहिए. मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी.

सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद जांच की गति और तरीका चिंता का विषय है. कोर्ट ने कहा कि जांच ऐसी होनी चाहिए जिससे न केवल कोर्ट बल्कि सभी हितधारकों का भरोसा कायम हो. सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है जबकि सीबीआई ने भी लेन-देन की जांच के लिए ऑडिटरों की नियुक्ति की है. इस पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सेबी की रिपोर्ट में धोखाधड़ी और फंड हेराफेरी के आरोप सामने आने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. तब मेहता ने कहा कि अब तक चार लोगों गिरफ्तारियां भी की गई हैं.

इसक पहले 4 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने जांच एजेंसियों से सुनिश्चित करने को कहा था कि अनिल अंबानी देश से बाहर न जाएं. अनिल अंबानी ने कोर्ट को आश्वासन दिया था कि वो बिना अदालत की अनुमति के विदेश नहीं जाएंगे. उच्चतम न्यायालय ने 23 जनवरी को अनिल अंबानी को नोटिस जारी करते हुए सीबीआई और ईडी को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था. याचिका पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस शर्मा ने दायर की है. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि जांच एजेंसियां बड़े बैंकिंग धोखाधड़ी और उनके अफसरों की इस मामले में संलिप्तता की जांच नहीं कर रही हैं. प्रशांत भूषण ने कहा कि यह मामला देश के इतिहास में शायद सबसे बड़ा कारपोरेट धोखाधड़ी है. सुनवाई के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि एफआईआर 2025 में दर्ज की गई थी, जबकि धोखाधड़ी 2007-08 से चल रही थी. याचिका में सार्वजनिक धन की साजिशन हेराफेरी और इस हेराफेरी में अनिल अंबानी की कंपनियों की संलिप्तता का आरोप लगाया गया है.

ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को 5 दिनों के लिए टाला

वाशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की अपनी योजना को सोमवार को पांच दिनों के लिए स्थगित करने की घोषणा की. ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका की ईरान के साथ अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है और वह अपनी सेना को ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी तरह के सैन्य हमले को टालने का आदेश देंगे. ट्रंप ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों में मध्य-पूर्व में हमारी आपसी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है.अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले सभी सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दें.

नासिक दुष्कर्म मामले का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए, जांच जारी: मुख्यमंत्री

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विधान सभा में कहा कि नासिक दुष्कर्म मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए. यह मामला बहुत ही गंभीर है और महिलाओं की अस्मिता से जुड़ा है. मुख्यमंत्री सभागृह को आश्वस्त किया कि मामले की गहन छानबीन की जाएगी. मुख्यमंत्री फडणवीस ने सभागृह को बताया कि नासिक दुष्कर्म मामला बहुत ही गंभीर है. इस मामले को खुद पुलिस ने ही सामने लाया है और गहन छानबीन कर रही है. इस मामले में पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए पीड़ित महिलाएं अब सामने आ रही हैं और शिकायतें कर रही हैं. इसलिए हर दिन नई -नई जानकारी सामने आ रही है और सबकी जांच की जा रही है. आगे और भी पीड़ित महिलाएं सामने आने वाली हैं. इसलिए इस मामले का विस्तृत जांच के बाद पूरी जानकारी सरकार सभागृह को देगी.मुख्यमंत्री ने सभागृह में यह भी कहा कि इस मामले में विपक्ष जिस तरीके से चाहेगा, उस तरह से जांच की जाएगी, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए.कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ विधायक विजय वडेट्टीवार ने इस मामले को सभागृह को स्थगित किए जाने की मांग सोमवार को विधानसभा में की थी.

उन्होंने कहा कि इस मामले से महाराष्ट्र की अस्मिता प्रभावित हुई है. राज्य सरकार के कई मंत्री इस मामले के आरोपित अशोक खरात के भक्त थे.महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा रुपाली चाकणकर का इस्तीफा इसी मुद्दे पर लिया गया है. यही न्याय आरोपित अशोक खरात के पास जाने वाले मंत्रियों पर भी लागू होना चाहिए और अशोक खरात के भक्त मंत्रियों का भी इस्तीफा लिया जाना चाहिए. इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता नाना पटोले और शिवसेना यूबीटी के नेता भास्कर जाधव ने भी अपने विचार व्यक्त किए और आरोपित अशोक खरात के भक्त मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की.

गैस सिलेंडर न मिलने से गुस्साए उपभोक्ताओं ने लगाया जाम

जींद: गैस सिलेंडर न मिलने पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट गया और उन्होंने सोमवार को गोहाना रोड पर जाम लगा दिया. जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करवा जाम खुलवाया.हुडा ग्राउंड में रसोई गैस सिलेंडरों की डिलीवरी लेने के लिए उपभोक्ता लाइनों में लग गई. काफी देर तक जब सिलेंडर नही मिले तो उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर पुलिस कालोनी के सामने जींद-गोहाना रोड पर आ गए और जाम लगा दिया. जाम लगाए उपभोक्ताओं ने बताया कि वो पारस गैस एजेंसी के उपभोक्ता हैं. पिछले तीन दिन से गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लग रहे हैं लेकिन स्पलाई न आने की बात कह कर उन्हें चलता कर दिया जाता है. अगर स्पलाई नही आती तो पर्ची क्यों काटी जा रही है. सोमवार को सुबह से वे लाइन में लगे हैं. अबतक गैस की स्पलाई नही आई है. उपभोक्ताओं के बिफरने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और गैस एजेंसी के मैनेजर को मौके पर बुलाया गया. जिन्होंने बताया कि सोमवार को स्पलाई आनी थी. कारणवश वह नही आ सकी.

पुणे में निजी बस और कार की टक्कर में एक परिवार के तीन लोगों की मौत

मुंबई: महाराष्ट्र के पुणे जिले के मंचर में बीती रात पुणे-नासिक हाइवे पर निजी बस और कार की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना में दो छोटे बच्चे घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है.इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पिंपरी-चिंचवड़ के रहने वाले मल्लिकार्जुन अंबेगवे अपने परिवार के साथ एक कार्यक्रम के लिए नासिक गए थे. कार्यक्रम खत्म करके घर लौटते समय बीती रात मंचर इलाके में उनका कार से कंट्रोल हट गया. इससे कार डिवाइडर पार करके सीधे उल्टी दिशा में चली गई और पुणे से नासिक जा रही एक निजी बस से टकरा गई. इस घटना में कार में सवार मल्लिकार्जुन अंबेगवे, उनकी पत्नी आरती अंबेगवे और माँ लता तुपलोंधे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि मल्लिकार्जुन का बेटा और बेटी घायल हो गए. इस घटना की जानकारी मिलते ही मंचर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मृतकों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मुख्यमंत्री ने किया हकृवि के 63 एकड़ भूमि पर बने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र (गोकुलपुरा) का उद्घाटन

हिसार: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के गोकुलपुरा गांव में नवनिर्मित पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का सोमवार को उद्घाटन किया. इस केन्द्र के निर्माण कार्यों पर 1167.17 लाख रूपये की धनराशि खर्च की गई है.इस अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 63 एकड़ भूमि पर किया गया है जो ग्राम पंचायत गोकलपुरा की ओर से आबंटित की गई है. राज्य सरकार की ओर से इस केन्द्र के लिए वैज्ञानिक और सहायक स्टाफ के कुल 93 पदों को मंजूरी दी गई है. इस अनुसंधान केन्द्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी आदि जैसे मोटे पोषक अनाज (श्रीअन्न) पर अनुसंधानों को और गति मिलेगी. इस केन्द्र पर पोषक अनाज की उच्च पैदावार वाली कीट व रोगरोधी उन्नत किस्मों का विकास व खेती की उन्नत पद्धतियों पर शोध कार्य करने के साथ देश व अन्य जगहों पर उपलब्ध पोषक अनाज के जर्मप्लाज्म का संग्रह किया जाएगा. इनके अतिरिक्त इस केन्द्र पर पोषक अनाज के प्रसंस्करण और मूल्यसंवर्धन पर कार्य करने के साथ किसानों के उद्यमिता विकास में मदद की जाएगी. इसमें बाजरा को वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से और पौष्टिक बनाने तथा इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने पर भी कार्य करेंगे. हमारे सभी प्रयास किसान केन्द्रित होंगे ताकि बरानी क्षेत्रों के किसानों की आमदनी को भी बढ़ाया जा सके.

पंजाब की आआप सरकार का ईमानदारी का नकाब उतरा : नायब सिंह सैनी

हिसार: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का ईमानदारी का नकाब अब उतर चुका है. यही नहीं, पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी सरकार की वादाखिलाफी व भ्रष्टाचार से त्रस्त है. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को यहां आयोजित कृषि मेले के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पंजाब की जनता हरियाणा में विकास के माहौल और कल्याणकारी योजनाओं का उदाहरण दे रही है, क्योंकि राज्य सरकार ने किसानों, व्यापारियों, महिलाओं और युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं. उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की नीतियों का लाभ सीधे आमजन तक पहुंच रहा है, जिससे प्रदेश निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है. उन्होंने बताया कि हाल ही में हरियाणा सरकार ने व्यापारियों को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण नीति लागू की है, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी में कमी आई है और व्यापारिक माहौल बेहतर हुआ है.

युवा शक्ति माथापच्ची- 34

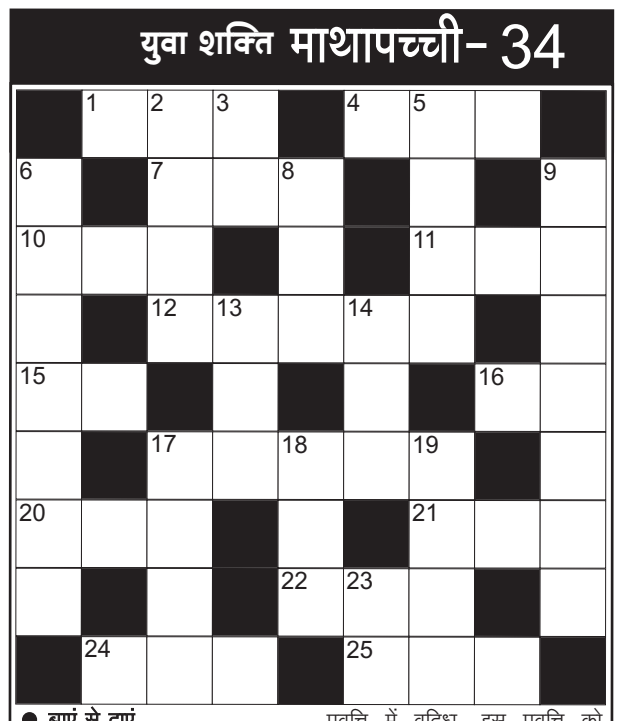

● **बाएं से दाएं**

1. रूई से धाग बनाना, चरखा चलाना, 4. धोखा, भुलावा, हानि, 4. ज्वाला, हवा का गंधयुक्त झोंका, 10. रेशम में गहने गूंथनेवाला, पटहार, नारंगी रंग का बैल, 11. पट्टी, बिछाने- ओढ़ने का वस्त्र, 12. चांद, 16. धैर्यशाली, गम्भीर, 16. आवास, मकान, खाना, 17. रूठना, अभिमान दिखाना, 20. औंटा कर गाढ़ा किया गया चीनी मिला दूध्र, 21. विशेष प्रकार का मृदंग, 22. व्यर्थ, निष्प्रयोजन, 24. सोच- विचार, चिंतन, 25. सोना, धतूरा.

● **उपर से नीचे**

2. असि, शमशीर, 3. परिमाण, मानदंड, 5. कत्सित/ अनुचित/ बुरा व्यवहार, बदचलनी, 6. अपराधी प्रवृत्ति में वृद्धि, इस प्रवृत्ति को बढ़ावा, 8. डाली, पतली शाखा, 9. पकड़ना, कैद करना, ग्रस्त करना, 13. दुरूह, दुर्बोध, मुश्किल, 14. लक्ष्मी, 17. वायु से आकार बढ़ाना, पुलकित करना, 19. पंजी में लिखाना, नामजदगी, 23. अधिकार, उचित बात. *उत्तर कल के अंक में*

माथापच्ची- का हल

32 का हल

ला	वा	■	■	सू	■	■	■	■
■	स	म	र्थ	क	■	प	ला	श
ल	■	ल	■	र	वि	■	ल	■
बा	रं	बा	र	■	प	रि	च	य
ल	■	■	त	श्त	री	■	■	म
ब	ति	या	ना	■	त	क	दी	र
■	मि	■	रा	ख	■	ट	■	थ
म	र	ना	■	ट	क	रा	व	■
जा	■	म	ट	का	■	■	न	र

सुडोकू-13

6		9		8			5	
8					7			
4		7	1			6	8	2
					8	2	3	6
			9		1			
5	4	2	7					
9	3	6			5	4		7
			2					9
	7			6		8		5

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -12 का उत्तर

1	8	7	6	4	3	9	5	2
5	2	9	8	7	1	4	6	3
4	3	6	9	2	5	8	1	7
7	5	4	1	3	8	6	2	9
2	6	3	7	9	4	1	8	5
8	9	1	2	5	6	7	3	4
3	1	5	4	6	7	2	9	8
6	7	2	3	8	9	5	4	1
9	4	8	5	1	2	3	7	6

युवा शक्ति : चुनावी दंगल – विशेष साक्षात्कार

जोड़ासाँको का संग्राम : विजय ओझा का 'विजय' संकल्प; कहा- बंगाल में अब परिवर्तन नहीं, टीएमसी का विसर्जन होगा

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'परिवर्तन' का नारा अब एक दशक से भी पुराना हो चुका है, लेकिन महानगर कोलकाता के हृदय स्थल 'जोड़ासाँको' की गलियों में आज भी समस्याओं का अंबार और समाधान की आस बरकरार है. जैसे-जैसे 2026 के विधानसभा चुनावों की सरगर्मी बढ़ रही है, राजनीतिक बिसात पर मोहरे सज चुके हैं. इसी चुनावी हलचल के बीच **'युवा शक्ति' के प्रधान संपादक सुधांशु शेखर** ने विशेष कार्यक्रम 'चुनावी दंगल' के तहत जोड़ासाँको से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और क्षेत्र के कद्दावर नेता **विजय ओझा** से खास बातचीत की. तीन बार के सफल पार्षद और जन-जन के बीच अपनी गहरी पैठ रखने वाले **विजय ओझा** किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. अपनी बेबाक शैली और 'काम ज्यादा, बातें कम' के सिद्धांत के लिए पहचाने जाने वाले ओझा ने इस साक्षात्कार में न केवल अपनी चुनावी रणनीति साझा की, बल्कि सत्ता पक्ष की नीतियों और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर भी तीखे प्रहार किए.

युवा शक्ति: विजय जी, आप तीन बार से पार्षद हैं और इस बार विधायक के चुनावी मैदान में हैं. आप 2026 के इस चुनाव को किस नजरिए से देखते हैं?

विजय ओझा: देखिए, 2026 का यह चुनाव सिर्फ सत्ता हासिल करने का चुनाव नहीं है. यह बंगाल के विचार और यहाँ की समस्याओं से मुक्ति का चुनाव है. 2011 में जो परिवर्तन की बयार आई थी, वह जनता की कसौटी पर खरी नहीं उतरी. आज जनता अराजकता, लूट और भ्रष्टाचार से निजात चाहती है. बंगाल को फिर से विकास की राह पर लाने के लिए 'डबल इंजन' की सरकार समय की मांग है.

युवा शक्ति: जोड़ासाँको और बड़ा बाजार बिजनेस हब हैं, लेकिन यहाँ समस्याओं का अंबार है. विकास के मामले में आप इसे कितने नंबर देते हैं?

विजय ओझा: समस्याएँ कभी पूरी तरह खत्म नहीं होतीं, बस उनका स्वरूप बदलता है. बड़ा बाजार कोलकाता का सबसे पुराना हिस्सा है. यहाँ जल-जमाव और ट्रैफिक जैसी मूलभूत समस्याएँ हैं. प्रशासन की इच्छाशक्ति की कमी के कारण यहाँ का व्यापारी परेशान है. मैंने पार्षद रहते हुए सीमित साधनों में अपने वार्ड को श्रेष्ठ बनाया है. हमें एक ऐसी नीति चाहिए जो हॉकरों को भी जगह दे और व्यापारियों के लिए भी व्यापार सुगम बनाए.

युवा शक्ति: आपका मुकाबला अपने ही 'बड़े भाई' (विजय उपाध्याय) से है, इसे आप कैसे देखते हैं?

विजय ओझा: यहाँ मुकाबला व्यक्तियों का नहीं, बल्कि विचारधारा और परिवर्तन का है. यह लड़ाई बंगाल के अस्तित्व को पुनर्जीवित करने की है. आज हमारे बंगाल का युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहा है, जबकि यहाँ खनिज, पोर्ट और लेबर सब कुछ है. हम बंगाल को फिर से नंबर एक पर पहुँचाना चाहते हैं.

युवा शक्ति : तृणमूल कांग्रेस पर लगातार तस्करी और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं, इस पर आपका क्या कहना है?

विजय ओझा : ये सिर्फ आरोप नहीं, प्रमाणित तथ्य हैं. कोयला चोर, बालू चोर, राशन चोर-हर जगह टीएमसी का नाम आता है. ममता बनर्जी के शासन में लोकतंत्र का गला घोंटा गया है. 2026 में टीएमसी का विसर्जन उनके अपने ही कारनामों की वजह से होगा. टीएमसी में केवल एक ही पद है, बाकी सब तो बस 'लैंप पोस्ट' हैं.

युवा शक्ति : यदि जनता आपको मौका देती है, तो आप उन्हें क्या आश्वासन देना चाहेंगे?

विजय ओझा: मेरा सिद्धांत स्पष्ट है- अटल विश्वास, पक्का इरादा, बातें कम और काम ज्यादा. मैं पहले से ही जनता के बीच रहकर काम कर रहा हूँ. बंगाल में सिंडिकेट राज खत्म कर एक पारदर्शी नीति लागू करना मेरी प्राथमिकता होगी ताकि यहाँ का हर वर्ग सुरक्षित महसूस कर सके.

जोड़ासाँको की चुनावी बिसात पर विजय ओझा का यह आत्मविश्वास बताता है कि वे केवल नारों के सहारे नहीं, बल्कि अपने 15 वर्षों के पार्षद अनुभव और संगठन की मजबूती के साथ मैदान में उतरे हैं. 'युवा शक्ति' के इस संवाद में उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनके लिए विकास और सुरक्षा चुनावी प्राथमिकता है. अब यह तो वक्त ही बताएगा कि जोड़ासाँको की जागरूक जनता उनके इस 'वजय संकल्प' को कितना समर्थन देती है.

राम मंदिर (न्यूटाउन) का विशेष आयोजन

जहां राम, वहां मंगल : पं श्रीकांत शर्मा 'बाल व्यास'

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: 'भगवान राम ने वनयात्रा में सीता के बारे में किसी ऋषि-मुनि से न पूछकर केवल भक्त शबरी से पूछा. तब उसके बताए अनुसार राम ने पंपापुर जाकर सुग्रीव से मैत्री की एवं सीता का पता लगाया. सुग्रीव ने मिलते ही अपनी व्यथा सुनाना शुरू किया जिससे क्षुब्ध होकर लक्ष्मण ने राम से कहा कि कायर सुग्रीव से मित्रता क्यों? राम ने कहा मैं तो सिर्फ भक्त शबरी की आज्ञा का पालन कर रहा हूं. वैसे ही शबरी के न पूछने पर भी राम ने उसे नवधा भक्ति सुनाया एवं कहा कि इन नौ में से किसी में एक भी भक्ति का लक्षण होता है वह मेरा प्रिय है. यही राम का बड़प्पन है. अतः जहां राम है वहां मगल ही होगा, चाहे जंगल ही क्यों न हो. सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है' ये बातें राम मंदिर (न्यूटाउन) में बजरंग लाल काजड़िया चैरिटी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित राममंदिर (न्यू टाउन) के वातानुकूलित सभागार का उद्घाटन करते हुए भागवताचार्य पंडित श्रीकांत शर्मा 'बाल व्यास' ने कही. इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कौशल किशोर त्रिवेदी, नीरज काजड़िया, विमल केजरीवाल एवं राममंदिर न्यूटाउन ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री विवेकानंद सहल मंचस्थ थे. स्वस्ति वाचन युवा शास्त्री गोविन्द शर्मा ने किया. कार्यक्रम का संचालन करते हुए महावीर प्रसाद रावत ने बताया कि समाजसेवी कमला प्रसाद काजड़िया के पुत्र नवीन कुमार और नीरज कुमार ने अपने पितामह बजरंगलाल व पितामही पन्नादेवी की पुण्य स्मृति में राम मंदिर के सभागार को वातानुनूलित कराया है. मंदिर संस्थापक ब्रह्मलीन पंडित सुरेश सहल की दूरदर्शिता की सराहना की गई जिन्होंने लगभग 45 वर्ष पूर्व विशाल भूखण्ड अधिग्रहण कर विभिन्न देवी देवताओं के भव्य मन्दिर निर्माण कराए. इस अवसर पर मुरारीलाल दीवान, निरंजन कुमार अग्रवाल, रवि पोद्दार, सांवरमल अग्रवाल, पत्रकार सुंधाशु शेखर, विमल दीवान, पुरुषोत्तम तिवारी, रतनलालअग्रवाल, हरीश तिवाड़ी, पवन फतेहपुरिया, सुभाष खण्डेलवाल, शंकर डोकानिया, कृष्ण कुमार खण्डेलवाल, अशोक झा शंकरलाल सोमानी, अजय मिश्र, पवन बजाज गणमान्य व्यक्तियों को पंडित बालव्यास जी ने स्नेहाशीष स्वरूप मुक्ताहार प्रदान किया. श्रीकृष्ण तुलस्यान, यादव कुमार चनानी, किरण शर्मा, सुशील चांगिया, कृष्ण कुमार मुरारका, सुभाष सांवलदावाला, श्रीमती सुधा अग्रवाल, सावित्री देवी रावत, श्रुति काजरिया, सुशीला चनानी, अवन्तिका काजरिया, कमला केजरीवाल, गायत्री बजाज, माण्डवी मिश्रा की उल्लेखनीय उपस्थिति रही. धन्यवाद ज्ञापन किया श्री महावीर बजाज ने.

गणगौर महापर्व पर विशेष आयोजन

हिम शिखरों से उतरो माँ, धरम धरा पर आओ

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: परचम तथा माहेश्वरी विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में नव वर्ष अभिनन्दन, मां गौरी का वन्दन का आयोजन रविवार दिनांक 22 मार्च को सायंकाल 6 बजे से आतिथ्य कर्ता श्रीमती शान्ता- गोविन्द सारडा के निवास स्थान पर अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ किया गया.कस्तूरी जंयती मना रहे श्री बलदेवजी गवरजा माता मंडली का बाल कृष्ण व्यास द्वारा रचित सर्वाधिक लोकप्रिय आह्वान गीत हिम शिखरों से उतरो माँ से संस्कृति के संवाहक परचम के गायक कलाकारों ने मां गौरी की वन्दना करते हुए अपने गणगौर गीतों को प्रारम्भ किया. सुश्री दुर्गा कोठारी,रेखा मिमाणी, साक्षी गोयनका,निधि सोनी एवं रितिका मुंधड़ा प्रभृति कलाकारों के समवेत स्वर में गीतों की प्रस्तुति से सुधी श्रोता मंत्रमुग्ध हुए. नव वर्ष अभिनंदन- माँ गौरी का वन्दन कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हरि मोहन बांगड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और श्री कुंज बिहारी अग्रवाल ने सपत्नीक ईसर-गौरी का पूजन किया. राजस्थानी बंधेज दुपट्टा से हरिमोहन बांगड़ का स्वागत परचम के मंत्री जितेन्द्र चौधरी एवं कुंज बिहारी अग्रवाल का स्वागत नीलमणि राठी ने किया. श्रीमती शांता सारडा ने स्वागत संबोधन में परचम के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि विगत 5 वर्षों से उनके आंगन में गणगौर गीतों का आयोजन करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है. इस अवसर पर प्रकाशित गणगौर गीत माला पुस्तिका का लोकार्पण परचम के उपाध्यक्ष महावीर अग्रवाल,माहेश्वरी सभा के मंत्री अशोक चांडक, धन्वंतरि के राजेन्द्र खण्डेलवाल,माहेश्वरी विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीकिसन मल ने किया. धन्यवाद ज्ञापन राधेश्याम झंवर ने दिया. कार्यक्रम का कुशल संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया.आगत अतिथियों का स्वागत आदित्य एवं अमित सारडा ने किया. परचम के संस्थापक मुकुन्द राठी ने आयोजन की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती राज बांगड़, चम्पा कांकरिया, संतोष भजनका, ललिता अग्रवाल, किरण सरावगी, कुमुद सारडा, प्रतिभा बिनानी, रश्मि सारडा, शशि पोद्दार, सरोज झंवर, सावित्री देवी रावत, मेघा सारडा,पुष्पा मूंधड़ा का सक्रिय योगदान रहा. कार्यक्रम में सर्वश्री पद्मश्री सज्जन भजनका, पुरुषोत्तम सारडा, अजीत अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल, हरिकिशन राठी, रामावतार बींजराजका, महावीर बजाज, दामोदर प्रसाद भट्टड़, बालकृष्ण मूंधड़ा की उल्लेखनीय उपस्थिति रही.

प्रभु ! बेटा नहीं डेटा दे

डा. पारस कोचर

(एडवोकेट)

मंदिर में टेकने माथा सब भक्त जाते हैं
मन्नत मांगने अपनी, मंदिर सब जाते हैं
कुछ लोग वहाँ एक बेटा मांगने जाते हैं
कुछ लोग बेटा नहीं,डेटा मांगने जाते हैं .

मन्नत में क्यों मांगे माँ बाप कोई बेटा
सेवा नहीं करे बुढ़ापे में, माँ बाप की बेटा
रॉबर्ट बनाने के लिये काम में आता डेटा
इसीलिये मन्नत में माँगते हैं सभी अब डेटा

माँ बाप के प्यार और धन से बड़ा होता है बेटा
माँ बाप के अनुभव व ज्ञान से शिक्षित होता बेटा
माँ बाप के त्याग और साख से शादी करता बेटा
माँ बाप की अर्जित संपत्ति का वारिस होता बेटा

बेटे की सोच सोच में बूढ़े हो जाते हैं माँ बाप
बेटा भूल जाता है तब अपने ही माँ और बाप
घर के कोने में पड़े रहते हैं दयनीय माँ बाप
वृद्धाश्रम की शोभा बढ़ाते हैं बेचारे माँ बाप

बेटे को उन्होंने पाल पोस कर बड़ा किया
जिस बेटे को बुढ़ापे का सहारा समझा गया
वही बेटा बिल्कुल ही भावना विहीन हो गया
चिथड़े चिथड़े संस्कारों को, उसने कर दिया

डेटा की मनौती कर रॉबर्ट संस्कारी बनायेंगे
भावनात्मक डेटा से रॉबर्ट सुशील ही बनायेंगे
रॉबर्ट डेटा से ख्याल माँ बाप का पूरा रखेंगें
माँ बाप जिंदगी भी रॉबर्ट के साथ ही बितायेंगें

रॉबर्ट का डेटा, बेटे के संस्कारों से ज़्यादा अच्छा
परिवार की भावना से रॉबर्ट का डेटा ज़्यादा अच्छा
हे प्रभु मुझे रॉबर्ट के लिये देना उसका डेटा अच्छा
कहे पारस मनौती से बेटा नहीं , डेटा दे तूँ अच्छा

कोलकाता बैसवारा समाज का फाग उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: 'कोलकाता बैसवारा समाज' द्वारा आयोजित वार्षिक फाग उत्सव रविवार की संध्या मालापाड़ा स्थित सत्संग भवन में अत्यंत हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुआ. कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने होली के पारंपरिक गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्सव की आनंदमयी परंपराओं के साथ समर्पित भाव से भाग लिया. पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित फ़ाग टोली के साथ सभी सदस्यों व अतिथियों का अबीर गुलाल लगा कर एवं उत्तरीय पहनाकर बैसवारी अभिनंदन किया गया. बैसवारा समाज के अध्यक्ष बिरेन्द्र त्रिवेदी, उपाध्यक्ष तारकदत्त सिंह व अनिल बाजपेई, सचिव उत्तम त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष श्री आनंद किशोर मिश्रा एवं साहित्य मंत्री रवि प्रताप सिंह के साथ संजय मिश्रा, विजय बाजपेई, उदय बाजपेई, अरुण शुक्ला, आशीष त्रिवेदी, नीरज शुक्ला, हरिकेश सिंह 'गुड्डन', कुलदीप दीक्षित, जितेंद्र शुक्ला, बब्बी शुक्ला और अभिषेक तिवारी आदि सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा. सभी ने ठंडाई एवं स्वरूचि पूर्ण भोजन का आंनद उठाया. कार्यक्रम के अंत में समाज के कोषाध्यक्ष आनंद किशोर मिश्रा मुन्ना ने सदस्यों, अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया.

कोलकाता में रक्तदान कार्निवल में जुटे सैकड़ों लोग, 226 यूनिट रक्त संग्रहित

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: सेवा, समर्पण और उत्साह से भरपूर एक सराहनीय सामाजिक पहल के तहत बीएनआई प्रूडेंट चैप्टर द्वारा रक्तदान कार्निवल/शिविर का भव्य आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम बीएनआई कोलकाता सीबीडीए एवं नॉर्थ रीजन के तत्वावधान में साउथ कोलकाता श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ. इस कार्य में बीएनआई प्रूडेंट के सदस्यों के साथ प्रोजेक्ट लाइफ फोर्स, जेसीआई, क्यू इंडस्ट्रियल पार्क और ड्राइवर्स 4 मी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा. आयोजन

के दौरान कुल 226 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा. कार्यक्रम के दौरान सेवा भावना के साथ-साथ संगीत, मनोरंजन और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरे माहौल में ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता बनी रही. कार्यक्रम की सफलता में बीएनआई प्रूडेंट की वर्तमान लीडरशिप टीम नीना अग्रवाल, उर्मिला भट्टाचार्य, धृति चटर्जी और नंदनी गुप्ता का विशेष योगदान रहा. वहीं, ब्लड कार्निवल कोर टीम में मनीष बैद, विशाल कोठारी, वरुण सोमानी और प्रशांत बरडिया सहित कई सदस्यों ने अपनी मेहनत और समर्पण से आयोजन को सफल बनाया. आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में ऐसे प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए, क्योंकि रक्तदान महादान है.

महावीर जयंती पर लोक-धर्मोत्सव का भव्य आयोजन

युद्ध के माहौल में महावीर का शांति-दर्शन ज्यादा जरूरी: देवेन्द्र ब्रह्मचारी

नई दिल्ली : आज जब दुनिया में युद्ध एवं हिंसा की विभीषिका में संपूर्ण मानवता पीड़ित एवं आहत है, ऐसे समय में भगवान महावीर के अहिंसा एवं शांति संदेश की ज्यादा जरूरत है. इस वर्ष महावीर जयंती के अवसर पर यही संदेश समूची दुनिया को एक युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला देगा. इसी भाव के साथ महावीर जयंती के उपलक्ष्य में लोक-धर्मोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर आज राजधानी नई दिल्ली स्थित जैन भवन, गोल मार्केट में एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं विचार-विमर्श बैठक सम्पन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता महावीरायतन फाउंडेशन के संस्थापक स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी (गुरुजी) ने की. अपने सारगर्भित मार्गदर्शन में उन्होंने केवल दिशा ही नहीं दी, बल्कि उस भावभूमि को भी स्पष्ट किया, जहाँ यह आयोजन समाज के लिए एक प्रेरणा बन सके. बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने मिलकर 25 मार्च 2026 को मावलंकर ऑडिटोरियम, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में महावीर जयंती समारोह को एक भव्य, सुव्यवस्थित और सार्थक स्वरूप देने

हेतु विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया, चाहे वह आयोजन की रूपरेखा हो, व्यवस्थाओं की सूक्ष्मता अथवा जनसंपर्क और सहभागिता की व्यापकता. तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में लोक-धर्मोत्सव के भव्य राष्ट्रीय आयोजन वह क्षण होगा जब अहिंसा करुणा में बदलेगी, संयम संस्कार में ढलेगा और जियो और जीने दो का संदेश जन-जन तक पहुँचेगा. इस गरिमामय अवसर पर देश के अनेक प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि एवं विशिष्ट अतिथि अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाएँगे, जिससे यह आयोजन राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त मंच बनेगा. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जनरल डॉ. वी. के. सिंह-मिजोरम के राज्यपाल, श्री अर्जुन मेघवाल-कानून मंत्री, श्रीमती रेखा गुप्ता-मुख्यमंत्री-दिल्ली, श्री चिराग पासवान-केन्द्रीय मंत्री, श्री श्रीपद यशोनायक-केन्द्रीय मंत्री, श्री रामदास अठावले-केन्द्रीय मंत्री, श्री अजय टम्टा-केन्द्रीय मंत्री, श्री अरुण सिंह-सांसद, श्री मनोज तिवारी-सांसद, श्री सुरेश जैन-राष्ट्रीय महासचिव-भारतीय विकास परिषद आदि मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे. एक आयोजन नहीं, एक विचार यह महोत्सव उस विचार का प्रतीक है, जो मनुष्य को भीतर से श्रेष्ठ बनाता है. भगवान महावीर का संदेश किसी एक पंथ तक सीमित नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रकाशपुंज है. श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी (गुरुजी) के शब्दों में-आज जब विश्व को संवेदना और संतुलन की आवश्यकता है, तब महावीर का संदेश ही वह पथ है, जो हमें जोड़ सकता है. देश-विदेश से संत-महात्मा, विद्वान, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं श्रद्धालु इस आयोजन में सहभागी होंगे. साथ ही सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियाँ इस महोत्सव को और भी जीवंत बनाएंगी. यह आयोजन केवल देखने का नहीं, महसूस करने का, अपनाने का और आगे बढ़ाने का अवसर है. बैठक में प्रमुख सदस्य श्री सोहन गिरी, श्री राजुगाल तवर, श्री हेमराज गर्ग, श्री स्वदेश चड्ढा, श्री आलोक जैन, श्री मंदीप दवास, श्री अमित पवार, श्री ललित गर्ग, श्री मनोज जैन (इशिका, कोलकाता), श्री हर्ष कौशिक, श्री प्रीतम चैहान, श्री विकास जैन, श्री प्रवीण जैन, श्री माथी कार्गो, श्री अनुज, श्री बसवराज पाटिल, श्री एन. डी. गुरु जी, श्री नेम सिंह चैहान उपस्थित थे.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.
Flexible Options
• Private Cabins
• Enterprise Solutions
• Meeting Rooms
• Dedicated & Coworking
FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन